फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 47 प्रभात जयपुर, गुरुवार 17 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Why Everyone Is Suddenly Suing in Delhi? Why Delhi, and not Mumbai, where most of Bollywood actually lives, or Chennai, where much of South Indian cinema is based?

The Last Painting

Myanmar Unearths a Giant 11,000-Carat Ruby

ब्रिक्स की सफलता, नया मौलिक नारा देने में ही नहीं!

ब्रिक्स की सफलता तब नज़र आएगी, जब फैक्टरी के फ्लोर पर इन बड़ी-बड़ी घोषणाओं का क्रियान्वयन नज़र आएगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की असली परीक्षा झंडे उतरने के बाद शुरु होती है।

भारत के लिए इस शिखर सम्मेलन का महत्व बहुध्रुवीयता (मल्टीपोलैरिटी) जैसी जानी-पहचानी बातों में कम है तथा इस बात में अधिक है कि क्या ब्रिक्स खुद को उन कारोबारियों, उद्यिमयों और उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी साबित कर सकता है, जिनका प्रतिनिधित्व करने का वह दावा करता है। "नई दिल्ली घोषणा" में कई शानदार विचार रखे गए हैं। अब चुनौती यह है कि उन्हें असल लेन-देन, निवेश, रोजगार और प्रभावी कारोबारी नेटवर्क में कैसे बदला जाए।

- **अगर, ब्रिक्स देशों के सीमा पार भुगतान को और किफायती बनाया जाता है, इनवॉइस फायनैंसिंग को और बेहतर बनाया जाता है तो व्यापार के लिए आवश्यक ट्रेड फायनैंसिंग की छोटे-छोटे व्यापारियों के लिए उपलब्धता बढ़ेगी। 14-ब्रिक्स को अपनी महत्वाकांक्षों पर भी लगाम लगाना होगा तथा डब्ल्युटीओ का विकल्प बनने की महत्वाकांक्षा नहीं पालनी होगी मन में।**

यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बढ़े हुए ब्रिक्स ने काफी आर्थिक ताकत हासिल कर ली है। इसकी विविधता इसकी ताकत भी है और इसकी मुश्किल भी। इस समूह में ऐसी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, जिनकी वित्तीय प्रणालियाँ, नियम- कानून, मुद्राएं औद्योगिक क्षमताएं और भू-राजनीतिक हित अलग-अलग हैं। इसी वजह से बड़े-बड़े ऐलान करना तो आसान है, लेकिन उन्हें लागू करना काफी मुश्किल है। इसलिए भारत को समिट को एक नई वैश्विक व्यवस्था से जुड़ी बातों के आधार पर आंकने के बजाय, असल नतीजों पर ध्यान देना चाहिए। इसकी अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि शायद उतनी नाटकीय न हो: उभरते बाजारों के कारोबारियों के लिए एक बड़ा और अधिक विविध आर्थिक क्षेत्र तैयार करना।

तीन प्राथमिकताओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

पहली, बाजार तक पहुंच की बात अब केवल इच्छा तक सीमित न रहकर असल काम में बदलनी चाहिए। अगर टैरिफ, स्टैण्डर्ड और लॉ जिस्टिक्स की रूकावटें और नियम-कानून से जुड़ी बाधाएं कंपनियों के रास्ते में आती रहेंगी, तो व्यापार लगातार लंबे समय तक नहीं बढ़ सकता। भारत को ब्रिक्स मंच का इस्तेमाल सैक्टर स्पैसिफिक (क्षेत्र-विशेष) व्यवस्थाओं के लिए करना चाहिए, ताकि कारोबारी बड़े व्यापार समझौतों का इंतजार करने के बजाय ठोस अवसरों की पहचान कर सकें।

दूसरी, वित्तीय व्यवस्था का लाभ केवल बड़ी संस्थाओं के लिए नहीं, बल्कि छोटी कंपनियों के लिए भी काम का होना चाहिए। छोटे और मध्यम उद्यम अक्सर महंगे कर्ज, भुगतान में देरी और मुद्रा संबंधी जोखिमों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार से सबसे पहले बाहर हो जाते हैं। अगर ब्रिक्स सीमा पार पेमैंट का रास्ता बना सके, बिलों के आधार पर वित्त की सुविधा बेहतर कर सके और ट्रेड फाइनैंस तक पहुंच बढ़ा सके, तो इससे ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व करने के ब्लॉक के दावे को वास्तविक आधार मिलेगा।

तीसरी, टैक्नॉलजी के क्षेत्र में सहयोग खुला और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक होना चाहिए। आर्टिफिशल इंटेलिजैंस (एआई), डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग तेजी से आर्थिक प्रतिस्पर्धा तय करने वाले कारक बन रहे हैं। सहयोग से इनोवेशन, आपसी अनुकूलता, निवेश और पहुंच को बढ़ावा मिलना चाहिए, न कि टैक्नॉलजी के बंटवारे की एक और परत बननी चाहिए।

भारत को ब्रिक्स की सीमाओं को लेकर भी यथार्थवादी होना चाहिए। यह रातोंरात विश्व व्यापार संगठन, द्विपक्षीय व्यापार समझौतों या स्थापित वैश्विक वित्तीय संस्थाओं की जगह नहीं ले सकता, और न ही हर आर्थिक संबंध को भू-राजनीतिक नजरिए से देखा जाना चाहिए। भारतीय कंपनियां लागत, विश्वसनीयता, टैक्नॉलजी, मांग और कारोबारी अवसरों के आधार पर बाज़ार चुनती रहेंगी।

यही वजह है कि नई दिल्ली का एजेंडा महत्वपूर्ण है। सिर्फ घोषणाएं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सिविल सेवा अधिकरण में तीन सप्ताह में अध्यक्ष नियुक्त करें'

जयपुर, 16 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करने के लिए राज्य सरकार को तीन सप्ताह का समय दिया है। अदालत ने कहा कि यदि इस अवधि में नियुक्ति नहीं होती है तो कार्मिक सचिव अदालत में पेश होकर इस संबंध में अपना जवाब पेश करें। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने ये

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए।**

आदेश अधिवक्ता दिलीप कुरका व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष पर पर तीन सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। ऐसे में मामले की सुनवाई तीन सप्ताह बाद रखी जाए। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को समय देते हुए, नियुक्ति नहीं होने पर कार्मिक सचिव को तलब किया है।

गौरतलब है कि अदालत ने गत 4 अगस्त को सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के खाली चल रहे पदों पर नियुक्ति नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। इसके साथ ही, अदालत ने एक सप्ताह में खाली पदों पर नियुक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह का दावा पूरा करना इतना आसान नहीं लग रहा

शाह ने घोषणा की थी, एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 के लोकसभा चुनाव से पूर्व सभी एनडीए की सरकारें यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पारित कर लेंगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। गृह मंत्री अमित शाह ने भले ही जोर देकर कहा है कि 21 एनडीए शासित राज्य 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविलि कोड-यूसीसी) लागू करेंगे, लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल नजर आ रहा है, क्योंकि सभी एनडीए सहयोगी इसे लेकर समान उत्साह नहीं दिखा रहे हैं।

जनता दल (यूनाइटेड) ने दोहराया है कि वह सैद्धांतिक रूप से समान संहिता के खिलाफ नहीं है, लेकिन बिहार में इसे लागू नहीं होने देगा। नीतीश कुमार की पार्टी एक ऐसी व्यापक सहमति चाहती है, जो भारत की धार्मिक और जातीय विविधता के "नाजुक संतुलन" का सम्मान करे।

इसी तरह, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) ने भी इसके मसौदे (ड्राफ्ट) को सार्वजनिक करने और

- **बिहार में नीतीश की पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) व लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) इस यूनिफॉर्म सिविल कोड के सिद्धांत के खिलाफ नहीं हैं, पर, इस विधेयक को पारित करने में आनाकानी कर रही हैं।**
- **नॉर्थ ईस्ट में एनडीए की समर्थक पार्टियाँ, मेघालय की नैशनल पीपुल्स पार्टी व नैशनलिस्ट डैमोक्रैटिक प्रोग्रेसिव पार्टी यूसीसी का सिद्धांतः विरोध करते हैं। उत्तराखण्ड, गुजरात व मध्य प्रदेश यह विधेयक पास कर राष्ट्रपति के पास स्वीकृति के लिए भेज चुके हैं। पर, अभी स्वीकृति नहीं मिली है।**
- **महाराष्ट्र, प.बंगाल, छत्तीसगढ़ व राजस्थान ने विधेयक मजमून तैयार कराने के लिए समितियों का गठन कर लिया है।**

सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श की मांग की है। पार्टी ने देश के विविधतापूर्ण सामाजिक ढांचे और अलग-अलग समुदायों के लिए संवैधानिक सुरक्षा का हवाला दिया है।

पूर्वोत्तर में मेघालय की नेशनल पीपुल्स पार्टी और नगालैंड की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन महीने में पहली बार चन्नी व अमरिंदर सिंह वड़िंग एक मंच पर नज़र आए

अवसर था, प्रभारी सचिन पायलट द्वारा आप पार्टी के हरपाल सिंह चीमा के निवास को घेरने के लिए कांग्रेस पार्टी का मार्च

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। वे मार्च निकालने के लिए एकत्र हुए थे, लेकिन उनके एक साथ आने की घटना, विरोध प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण रही। मंगलवार को चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान, पंजाब कांग्रेस की लीडरशिप में एकता दिखी। पार्टी के नए सैंट्रल इंचार्ज सचिन पायलट ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग

- **कांग्रेस के कार्यकर्ता गुलज़ार सिंह ने ड्रग्स के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था तथा इसके एवज में उसे तंग किया जा रहा था तथा अंततोगत्वा गुलज़ार सिंह ने आत्महत्या कर ली थी।**
- **पायलट के नेतृत्व में निकाले गए मार्च में विधानसभा में पार्टी के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा भी शामिल हुए। पर, उल्लेखनीय बात थी, मार्च में पायलट के दाईं ओर चन्नी और बाईं ओर वड़िंग चल रहे थे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायती राज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी 23 व 24 सितंबर को

जयपुर, 16 सितंबर 2026। राजस्थान में आगामी पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर आरक्षण एवं लॉटरी प्रक्रिया की तारीख तय कर दी गई है। राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं की चुनाव प्रक्रिया 15 नवंबर 2026 तक पूरी कराने के लक्ष्य के तहत, जिला एवं उपखंड स्तर पर लॉटरी निकालने की तैयारी शुरू कर दी है।

- **राज्य सरकार 15 नवंबर तक पंचायती राज की चुनाव प्रक्रिया करना चाहती है।**

विभागीय पत्र के अनुसार, जिला स्तर पर जिला परिषद सदस्य, प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए आरक्षण/लॉटरी 23 सितंबर 2026 को निकाली जाएगी। वहीं उपखंड स्तर पर सरपंच एवं वार्ड पंचों के लिए आरक्षण/लॉटरी 24 सितंबर 2026 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एआई की विध्वंसकारी ताकतों से इतना घबराने की जरूरत नहीं'

एआई विशेषज्ञों में यह सोच भी उभर रहा है कि एआई सिस्टम में स्वयं ही अनाप-शनाप विस्तार व विकास पर नियंत्रण लगाने के लिए ब्रेक्स का प्रावधान होता है और ब्रेक्स सिस्टम से विनाश करने की प्रवृत्ति स्वयं ही नियंत्रित रहती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। अमेरिका की सिलिकॉन वैली, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस -ए.आई) के विकास का प्रमुख केन्द्र है, में इस बात को लेकर तीखा विवाद चल रहा है कि क्या एआई कंपनियों को अपनी गति धीमी करनी चाहिए और अपने काम के व्यापक प्रभावों पर विचार करना चाहिए। इसी बीच, इण्डस्ट्री की कुछ बड़ी कंपनियाँ अपना रुख बदल रही हैं।

- **बाहर से सरकार को व विशेषज्ञों को और नियंत्रण लगाने की जरूरत नहीं है।**

सूचना प्रौद्योगिकी और एआई के क्षेत्र में कई लोग एक अलग तर्क दे रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे मॉडल, जो बड़ी समस्याएं पैदा कर सकते हैं, उन पर लगाम लगाने के लिए पहले से ही काफी नियम और नियंत्रण मौजूद हैं। सबसे बड़ा डर किसी एआई मॉडल से होने वाले बड़े नुकसान की जिम्मेदारी का है।

उच्च क्षमता वाले इन मॉडलों और उपकरणों को बनाने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद बाजार में उतारने से पहले उनके संभावित प्रभावों पर विचार करना चाहिए।

"ओपनएआई" के सैम ऑल्टमैन, जो एआई मॉडलों के व्यापक हानिकारक प्रभावों को लेकर चेतावनी देने वाले शुरुआती लोगों में शामिल रहे हैं, का कहना है कि बड़ी कंपनियों और प्रमुख एआई कंपनियों के पास ऐसे सिस्टम हैं जिनसे वे "एआई एजेंटों" की गलत गतिविधियों में दखल देकर उन्हें समय रहते रोक सकते हैं।

अब धीरे-धीरे यह बात सामने आ रही है कि आखिर किस वजह से आज़ाद एआई एजेंट के बड़े सिस्टम पर बुरा असर डालने को लेकर इतनी जोरदार बहस शुरु हुई है।

एआई की एक कंपनी ने ऐसे एजेंट बनाए थे-ये एआई मॉडलों के भीतर मौजूद ऐसी इकाइयां थीं, जो स्वतंत्र रूप से काम कर सकती थीं। बाद में पाया गया कि इन एजेंटों ने एक अन्य एआई मॉडल के काम करने के कुछ पहलुओं का पता लगाया और उसे निशाना बनाना तथा नष्ट करना शुरू कर दिया। ऐसा करते हुए, बाद के चरण में इन एजेंटों ने अन्य एजेंटों के समूह भी बना लिए और उन सभी ने मिलकर नए मॉडल पर हमला किया और उसे पूरी तरह से खत्म कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार मिलेगा

नई दिल्ली, 16 सितंबर। "मालगुडी डेज" के चर्चित अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान और पांच दशक से अधिक लंबे शानदार फिल्मी सफर के लिए वर्ष 2024 का दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बुधवार को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर यह घोषणा की।

- **उन्होंने पांच दशक से अधिक के अपने केरियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है।**

यह पुरस्कार 22 सितंबर को गुजरात के केवड़िया में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में अनंत नाग को प्रदान किया जाएगा। अनंत नाग ने 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"वर्कर्स सैस" और उससे जुड़ी अव्यवहारिक पैनल्टी लगाये जाने के मामले में जयपुर के 27 बिल्डरों को राहत मिली

हाईकोर्ट ने कहा कि जब तक उपयुक्त अपीलीय प्राधिकारी उनकी अपील निस्तारित नहीं कर देते तब तक श्रम विभाग उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई नहीं कर सकता

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर,16 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के 27 बिल्डरों को भारी पेनल्टी समेत "कंस्ट्रक्शन वेलफेयर वर्कर्स सैस" की भरपाई करने के मामले में राहत दी है । अदालत ने इन सभी मामलों पर सुनवाई करते हुए फैसला दिया है कि जयपुर में प्रदेश के संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त द्वारा इन बिल्डरों पर जो भारी पेनल्टी और सैस लगया है, उस पर अंतरिम रोक बरकरार रहेगी, जब तक इस मामले की अपील की सुनवाई नहीं हो जाती और अंतिम फैसला नहीं आ जाता। अदालत ने कहा है कि आयुक्त द्वारा लगाई गई पेनल्टी व सैस के 'असेसमेंट' वर्ष को लेकर विवाद है और इस विवाद की अपील उपयुक्त अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष की जानी चाहिए और जब तक सभी तथ्यों को जांच कर अपीलीय प्राधिकारी अपना फैसला नहीं देते, तब तक श्रम आयुक्त के आदेश पर रोक जारी रहेगी। न्यायाधीश अरूण मूंगा और न्यायाधीश मनीष शर्मा की खण्डपीठ ने ये आदेश रिधीराज बिल्डर्स एण्ड प्रमोटर्स व अन्य द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता नीतिश बागरी व श्रीतिमा बागरी मुख्य तौर पर पैरवी के लिए पेश हुए थे।

- **अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता बिल्डर अव्यवहारिक पैनल्टी वसूले जाने के खिलाफ 4 हफ्तों में अपील दायर कर सकते हैं और सुनवाई से पहले उन्हें सैस और पैनल्टी की राशि जमा नहीं करवानी होगी।**
- **इस मामले में संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त ने बिल्डर के "कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट" का एसैसमेंट वर्ष 2021 में किया और पैनल्टी और सैस वसूलने का नोटिस वर्ष 2023 में जारी किया, परंतु आदेश में यह भी कहा गया कि पैनल्टी वर्ष 2011 से वसूली जायेगी। उदाहरण के लिए, संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त के आंकलन के अनुसार, एक मामले में निर्माण कार्य शुरू करने की अनुमति का वर्ष, 2011 था, इसलिए वर्ष 2011 से ही प्रतिवर्ष 24 प्रतिशत की पैनल्टी वसूलने के आदेश भी पारित किये गये।**

उल्लेखनीय है कि इस मामले में याचिकाकर्ता बिल्डरों का कहना है कि जिस तरह से जयपुर में प्रदेश के संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त द्वारा "कंस्ट्रक्शन वेलफेयर वर्कर्स सैस" (निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर) लगाया गया है, उस पर विवाद है। याचिकाकर्ताओ का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उज्जैन में खड़े हनुमान जी को यथा स्थान रखने के लिये श्रद्धालू उमड़े

उज्जैन, 16 सितम्बर। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में सराफा बाजार स्थित खड़े हनुमान मंदिर को सड़क चौड़ी करने के दौरान यथास्थान रखने की मांग को लेकर बुधवार को सकल हिंदू समाज ने शक्ति प्रदर्शन किया। मंदिर से कंठाल चौराहे तक करीब एक किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ रही और संतों ने प्रतिमा नहीं हटाने की मांग के साथ भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प दिलाया।

- **साधु संतों ने हनुमान मूर्ति को उसी स्थान पर स्थापित कराने का संकल्प दिलाया।**

बुधवार को खड़े हनुमान मंदिर के समर्थन में पांच हजार से ज्यादा श्रद्धालु जुटे। मंदिर से कंठाल चौराहे तक करीब एक किमी के रास्ते में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। आयोजन में साधु-संतों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जीवन एक फूल है और प्रेम उसका मधु। –ह्यूगो

पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई या चुनिंदा विरोध?

आजकल 'पितृसत्ता' शब्द खूब चर्चा में है। 'Smash the Patriarchy' का नारा लगाया जा रहा है और यह दावा किया जा रहा है कि भारतीय समाज में महिलाओं को सदियों से पुरुषों के अधीन रखा गया है। निस्संदेह, महिलाओं के साथ भेदभाव, हिंसा, असमान अवसर और उनकी स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध किसी भी सभ्य समाज को स्वीकार नहीं होने चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या पितृसत्ता के खिलाफ हमारी लड़ाई सचमुच निष्पक्ष है, या इसकी तलवार चुनिंदा रूप से ही चलती है?

22 अगस्त को छात्रों की गूंज कार्यक्रम में बोलते हुए, राहुल गाँधी ने गांधी ने हमारे समाज में जेंडर असमानता की बात उठाई और कहा कि किसी महिला की पहचान सिर्फ़ बेटी, पत्नी या माँ होने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इस तरह गाँधी ने अपने भाषण से पितृसत्ता पर बहस छेड़ दी थी, जब उन्होंने सवाल किया कि किसी महिला की पहचान पुरुषों के साथ उसके रिश्तों से क्यों तय होनी चाहिए। कांठोस नेता ने मनुस्मृति–एक प्राचीन ग्रंथ जो हिंदू समाज के लिए नियम तय करता है–की भी कड़ी आलोचना की और कहा कि इसकी बातें 'शर्मनाक' हैं। यह विचार सुनने में प्रगतिशील लगता है। आखिर कौन ऐसा व्यक्ति होगा जो महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान देने का विरोध करेगा? लेकिन जब इसी बहस में मनुस्मृति को निशाना बनाया जाता है, तब एक असहज प्रश्न उठना स्वाभाविक है–यदि धार्मिक ग्रंथों में महिलाओं की स्थिति की समीक्षा हो रही है, तो क्या सभी धर्मों के ग्रंथों को एक ही कसौटी पर नहीं परखा जाना चाहिए?

मनुस्मृति की आलोचना करना किसी को गलत नहीं लगना चाहिए, यदि आलोचना तथ्य और संदर्भ के आधार पर हो। लेकिन किसी ग्रंथ के एक श्लोक को उसके ऐतिहासिक और भाषाई संदर्भ से काटकर प्रस्तुत करना भी न्यायसंगत नहीं है। मनुस्मृति के प्रसिद्ध श्लोक–''**पिता रक्षित कौमारे, भर्ता रक्षित यौवने, पुत्रश्च स्थाविरे काले**''–को अक्सर इस अर्थ में प्रस्तुत किया जाता है कि महिला जीवनभर स्वतंत्र नहीं हो सकती। जबकि प्रस्तुत स्त्रोत में मेधातिथि सहित विभिन्न टीकाकारों की व्याख्याओं के आधार पर बताया गया है कि इसका आशय महिलाओं को हर क्षेत्र में स्वतंत्रता से वंचित करना नहीं, बल्कि उन्हें असुरक्षित न छोड़ने की जिम्मेदारी से भी जोड़ा गया है।

यह व्याख्या स्वीकार की जाए या न की जाए, लेकिन कम–से–कम इतना तो स्वीकार करना पड़ेगा कि किसी प्राचीन ग्रंथ की आलोचना उसके मूल संदर्भ और विभिन्न व्याख्याओं को सामने रखकर होनी चाहिए।

अब यही कसौटी अन्य धार्मिक ठांथों पर क्यों नहीं?

कुरान की कुछ आयतों की आधुनिक लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से व्याख्या को लेकर लंबे समय से बहस होती रही है। सूरह अन–निसा 4:34 में पुरुष को परिवार का संरक्षक बताया गया है और कहा गया है पुरुषों को महिलाओं और उनके धन के उपयोग का अधिकार है, अच्छी महिलाएं वे हैं जो आज्ञाकारी होती हैं, और यदि कोई महिला अवज्ञा करती है तो उसका पति उसे चेतावनी दे सकता है, उसे त्याग सकता है और अंत में उसे पीट भी सकता है। सूरह अन–निसा 4:11 में पैतृक संपत्ति में महिला का हिस्सा पुरुष की तुलना में आधा निर्धारित किया गया है। इस तरह उत्तराधिकार के हिस्सों में भी पुरुष और महिला के बीच अंतर का उल्लेख मिलता है। सूरह अल–बकरा 2:282 के अनुसार वित्तीय लेन–देन और कानूनी मामलों में गवाही देते समय, दो महिलाओं की गवाही को एक पुरुष की गवाही के बराबर माना गया है।इसी प्रकार सूरह अन–निसा 4:3 में पुरुष के लिए एक से अधिक विवाह की अनुमति का प्रश्न भी आधुनिक लैंगिक समानता की कसौटी पर बहस का विषय है।

> **पितृसत्ता का वास्तविक अंत तब होगा जब महिला को किसी पुरुष की बेटी, पत्नी या माँ होने से आगे एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया जाएगा। लेकिन उसी के साथ पुरुष को भी केवल 'शोषक' मानने की मानसिकता समाप्त करनी होगी। भारत को प्रगति चाहिए-समाज का विघटन नहीं।**

इन आयतों की धार्मिक विद्वानों द्वारा अलग–अलग व्याख्याएँ की जाती हैं। इसलिए उनका उल्लेख किसी धर्म को बदनाम करने के लिए नहीं, बल्कि समान बौद्धिक कसौटी की मांग करने के लिएहै।

यही बात बाइबल पर भी लागू होती है। नए नियम के कुछ अंशों में महिलाओं के धार्मिक सभाओं में बोलने तथा पुरुष के अधीन रहने की चर्चा है। तीमुथियुस में कहा गया है स्त्री को चुपचाप पूरी अधीनता के साथ सीखना चाहिए। मैं किसी स्त्री को उपदेश देने या पुरुष पर अधिकार जताने की अनुमति नहीं देता; उसे शांत रहना चाहिए । कुरिन्थियों में यह लिखा है स्त्रियों को चर्चों में चुप रहना चाहिए। उन्हें बोलने की अनुमति नहीं है, बल्कि उन्हें अधीन रहना चाहिए... यदि वे कुछ सीखना चाहती हैं, तो घर पर अपने पतियों से पूछें; क्योंकि स्त्री का चर्च में बोलना शर्मनाक है। बाइबल के कुछ अंशों को आधुनिक दृष्टि से महिलाओं की समानता के प्रश्न पर विवादास्पद माना जाता है। पुराने नियम में भी महिलाओं से संबंधित ऐसे नियम मिलते हैं जिनकी आज के मानवाधिकार और लैंगिक समानता के मानकों से आलोचना की जा सकती है।

तो फिर प्रश्न सीधा है–यदि मनुस्मृति का एक श्लोक आधुनिक समाज के सामने कटघरे में खड़ा किया जा सकता है, तो दूसरे धर्मग्रंथों के विवादास्पद अंशों पर प्रश्न उठाना सांप्रदायिकता क्यों बन जाता है?

समानता का अर्थ यही है कि कसौटी सबके लिए समान हो।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या 'पितृसत्ता समाप्त करो' का अर्थ परिवार व्यवस्था को भी समाप्त करना है? क्या पिता, पति और पुत्र द्वारा परिवार की महिला सदस्यों की सुरक्षा और जिम्मेदारी को भी पितृसत्ता कहा जाएगा? क्या भारतीय संयुक्त परिवार, जिसमें कई पीढ़ियाँ एक साथ रहती रही हैं, केवल इसलिए पिछड़ा हुआ है क्योंकि उसमें पुरुष की भूमिका महत्वपूर्ण रही है?

परिवार में पुरुष की जिम्मेदारी को पुरुष वर्चस्व और महिला की सुरक्षा को महिला की स्वतंत्रता का विरोधी मान लेना भी एक प्रकार का अतिवाद है। समस्या तब पैदा होती है जब 'सुरक्षा' के नाम पर महिला के अधिकार छीन लिए जाएँ, उसकी शिक्षा रोक दी जाए, उसे नौकरी करने से रोका जाए या उसके जीवन के निर्णय उस पर थोपे जाएँ। ऐसी मानसिकता का विरोध होना ही चाहिए।

लेकिन इसका समाधान परिवार और परंपरा को नष्ट करना नहीं, बल्कि उन्हें समय के अनुरूप सुधारना है।

भारतीय संस्कृति में नारी को केवल कमजोर व्यक्ति के रूप में नहीं देखा गया। शक्ति, विद्या, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक रूप में देवी की कल्पना भारतीय परंपरा में अत्यंत प्राचीन है। इसलिए भारतीय समाज की तमाम कमियों के बावजूद उसे केवल 'महिला विरोधी पितृसत्तात्मक व्यवस्था' कह देना भी इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा।

आज आवश्यकता 'पुरुष बनाम महिला' की लड़ाई खड़ी करने की नहीं है। आवश्यकता ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें महिला को न संरक्षण के नाम पर कैद किया जाए और न स्वतंत्रता के नाम पर परिवार से काट दिया जाए।

राहुल गांधी जैसे प्रभावशाली नेताओं से अपेक्षा और अधिक बड़ी है। यदि वे पितृसत्ता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं तो यह स्वागतयोग्य है, लेकिन फिर उन्हें हर धार्मिक और सामाजिक परंपरा को समान कसौटी पर परखने का साहस भी दिखाना चाहिए। केवल मनुस्मृति पर प्रहार और अन्य धर्मग्रंथों पर मौन–यह समानता की लड़ाई नहीं, बल्किचुनिंदा वैचारिक सुविधा दिखाई दे सकती है।

पितृसत्ता का वास्तविक अंत तब होगा जब महिला को किसी पुरुष की बेटी, पत्नी या माँ होने से आगे एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया जाएगा। लेकिन उसी के साथ पुरुष को भी केवल 'शोषक' मानने की मानसिकता समाप्त करनी होगी।

नारा 'Smash the Patriarchy' हो सकता है, लेकिन उससे पहले यह तय करना होगा कि हम किस पितृसत्ता को तोड़ना चाहते हैं–अन्याय और भेदभाव वाली पितृसत्ता को या परिवार, जिम्मेदारी और सामाजिक संबंधों की पूरी व्यवस्था को?

पहली वाली को तोड़ना प्रगति है; दूसरी को तोड़ना समाज को तोड़ना होगा।

और भारत को प्रगति चाहिए–समाज का विघटन नहीं।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

हमें तो अपनों ने लूटा, अंग्रेजों में कहां दम था!

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत का इतिहास पढ़ते हुए हमें बार–बार बताया गया कि अंग्रेज आए, उन्होंने भारत को लूटा, हमारी संपत्ति विदेश ले गए, व्यापार पर कब्जा किया और हमें गरीबी तथा पिछड़ेपन की ओर धकेल दिया। इसमें कोई संदेह नहीं कि औपनिवेशिक शासन का मूल उद्देश्य भारत के हित में शासन करना नहीं, बल्कि अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को मजबूत करना था। अंग्रेजों ने भारत का शोषण किया, यह इतिहास का हिस्सा है। लेकिन आजादी के करीब आठ दशक बाद एक असहज सवाल पूछना जरूरी है। क्या आज भी भारत की हर समस्या के लिए अंग्रेजों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या हमारी वर्तमान कमजोरियों के लिए भी वही जिम्मेदार हैं? या फिर अब हमें आईना अपने सामने रखना चाहिए?

अंग्रेज भारत में आए तो व्यापार के लिए थे। धीरे–धीरे उन्होंने यहां की राजनीतिक परिस्थितियों, आपसी मतभेदों और स्थानीय सत्ता संघर्षों का फायदा उठाया। जहां उन्हें किसी राजा की दूसरे राजा से दुश्मनी मिली, वहां उन्होंने उसका इस्तेमाल किया। जहां लालच काम आया, वहां लालच दिया। जहां राजनीतिक महत्वाकांक्षा काम आई, वहां उसे हवा दी। आखिरकार व्यापार करने वाली कंपनी सत्ता की सबसे बड़ी ताकत बन गई। इसलिए सवाल यह भी है कि अंग्रेज सफल कैसे हुए? केवल इसलिए कि वे बहुत शक्तिशाली थे? या इसलिए भी कि हम बंटे हुए थे और हमारे ही बीच ऐसे लोग थे जिन्होंने अपने तत्काल स्वार्थ के लिए उनका साथ दिया?

यही सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है। पिछले 70 वर्षों में गांव से लेकर जिला स्तर तक स्थानीय विभागों में भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा ली हैं। अतिक्रमण, अवैध निर्माण, भू–माफिया, कब्जे और अवैध कारोबार बिना स्थानीय तंत्र की मिलीभगत के चल पाना मुश्किल है। सवाल यह है कि जिस देश को हम भारत माता कहते हैं, उसी के साथ धोखा करने में हमें शर्म क्यों नहीं आती? अंग्रेजों ने भारत को अपनी मां नहीं कहा, फिर भी उनके दौर की रेलवे, डाक व्यवस्था, हावड़ा ब्रिज और राजस्थान में सांभर नमक की झील जैसी कई पुरानी संरचनाएं आज भी खड़ी हैं। मैं अंग्रेजों की तारीफ नहीं कर रहा, लेकिन सवाल हमारी नीयत और व्यवस्था का है। सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाएं भी जब कार्रवाई के लिए सरकार की अनुमति की मोहताज हों और मामले दशकों तक लंबित पड़े रहें, तो भ्रष्टाचारी बेखौफ क्यों नहीं होगा? अंग्रेजों ने भारत को लूटा था, लेकिन आज हम अपने ही हाथों हमारी भारत माता को लूट रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों और तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की कीमत सिर्फ पैसे से नहीं चुकानी पड़ती। इसकी वजह से हर साल न जाने कितने लोगों की बेवजह जान चली जाती है, कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। घटिया निर्माण से गिरती इमारतें हों, भ्रष्टाचार से कमजोर किए गए पुल हों या नियमों की अनदेखी, हर बार भ्रष्टाचार का असली शिकार आम आदमी ही बनता है। भ्रष्टाचार सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था नहीं लूटता, कई बार किसी की जिंदगी और पूरे परिवार का भविष्य भी लूट लेता है।

तो सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अंग्रेजों ने क्या बनाया। सवाल यह होना चाहिए कि आजाद भारत ने पिछले इतने दशकों में क्या बनाया और उसकी गुणवत्ता कितनी टिकाऊ है? हम भारत को भारत माता कहते हैं। यह हमारे लिए केवल एक शब्द नहीं, एक भाव है। लेकिन अगर भारत हमारी माता है तो फिर उसके साथ भ्रष्टाचार करना क्या उसके साथ अत्याचार नहीं है? सरकारी काम में रिश्वत, घटिया निर्माण, फर्जी दस्तावेज, नियमों को पैसे के दम पर बदलवाना, कर चोरी, दलाली और व्यक्तिगत लाभ के लिए व्यवस्था का इस्तेमाल आखिर किस विदेशी ने आकर किया? हमारे बीच के ही लोगों ने किया।

हम बाहरी दुश्मनों की बात करते हैं। पाकिस्तान और चीन से खतरे की बात करते हैं। यह खतरे वास्तविक हैं और देश की सुरक्षा के लिए गंभीर हैं। लेकिन राष्ट्र केवल सीमा पर खड़े सैनिकों से मजबूत नहीं होता। राष्ट्र भीतर से भी मजबूत होना चाहिए। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईमानदार आदमी के लिए व्यवस्था में टिकना कई बार मुश्किल दिखाई देता है। जिसके पास पैसा, पहुंच या राजनीतिक ताकत है, उसकी आवाज जल्दी सुनाई देती है। आम आदमी की शिकायत कई बार एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर और एक अदालत से दूसरी अदालत तक घूमती रहती है। फिर हम कहते हैं कि अंग्रेजों ने हमें न्याय नहीं दिया।

आजाद भारत में न्याय की व्यवस्था हमारी अपनी है। संविधान हमारा है। संसद हमारी है। अदालतें हमारी हैं। प्रशासन हमारा है। फिर सवाल भी हमारा ही होना चाहिए कि इन संस्थाओं को हमने कितना मजबूत बनाया? इसी तरह लोकतंत्र में विरोध करना अधिकार है। सरकार की आलोचना करना भी अधिकार है। किसी नीति से असहमति होना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। लेकिन विरोध और राष्ट्रविरोध के बीच की रेखा भी समझनी होगी। विदेशी धन, लॉबिंग या किसी भी बाहरी प्रभाव के संदर्भ में भी पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। किसी व्यक्ति या संगठन को केवल असहमति के कारण राष्ट्रविरोधी कहना गलत है, लेकिन राष्ट्रहित के नाम पर हर तरह की गतिविधि को सवालों से बाहर रखना भी उतना ही गलत है।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आज सूचना कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती है। उसके साथ दुष्प्रचार भी पहुंचता है। लेकिन यहां भी विदेशी ताकतों को दोष देने से पहले हमें अपने व्यवहार को देखना होगा। कोई झूठ फैलाता है तो उसे आगे बढ़ाने वाला भी हमारा ही व्यक्ति होता है। और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है। हम जाति के नाम पर बंटे हैं। धर्म के नाम पर बंटे हैं। क्षेत्र के नाम पर बंटे हैं। भाषा के नाम पर बंटे हैं। राजनीतिक दलों के नाम पर बंटे हैं। फिर कहते हैं कि अंग्रेजों ने हमें बांट दिया। अंग्रेजों ने अगर कभी हमारी कमजोरियों का फायदा उठाया था तो इसका मतलब यह नहीं कि आज भी हम उन्हीं कमजोरियों को अपने हाथों से जिंदा रखें।

आजादी का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। असली आजादी तब होगी जब हमारा प्रशासन ईमानदार होगा, न्याय समय पर मिलेगा, निर्माण टिकाऊ होगा, भ्रष्टाचारियों को कठोर दंड सुनिश्चित हो और देश की आर्थिक तथा तकनीकी जरूरतों के लिए हमेशा दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी सेवाओं में हमारी निर्भरता विदेशी कंपनियों पर है। सोशल मीडिया, ईमेल, संदेश भेजने वाले मंच, वीडियो और कई दूसरी डिजिटल सेवाएं विदेशी कंपनियों के हाथ में हैं। सवाल यह है कि क्या भारत अपनी जरूरत के विश्वस्तरीय डिजिटल मंच नहीं बना सकता? चीन ने अपने लिए अलग डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा किया है। भारत के पास प्रतिभा, पूंजी, बाजार और तकनीकी क्षमता है। फिर हम केवल उपभोक्ता क्यों बनें?

मोबाइल फोन के निर्माण और निर्यात में भारत की प्रगति निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि हम वास्तव में कितना निर्माण कर रहे हैं और कितना केवल अलग–अलग कल–पुर्जे जोड़कर तैयार उत्पाद बना रहे हैं। असेंबली से आगे बढ़कर डिजाइन, तकनीक, चिप, सॉफ्टवेयर और मूल अनुसंधान में आत्मनिर्भर होना ही वास्तविक औद्योगिक शक्ति होगी।

हमारे सबसे प्रतिभाशाली लोग विदेश क्यों जाते हैं, इस पर भी गंभीर चर्चा होनी चाहिए। शिक्षा, अवसर, शोध, रोजगार और सामाजिक नीतियों से जुड़े हर पहलू पर खुले मन से विचार करना होगा। किसी एक नीति को पूरे प्रतिभा पलायन का कारण बताना आसान है, लेकिन समस्या उससे कहीं बड़ी है। इसलिए आज जरूरत अंग्रेजों को गाली देने की नहीं, खुद से सवाल पूछने की है। अंग्रेजों ने भारत को लूटा, इसमें इतिहास अपना फैसला दे चुका है। लेकिन आज भारत को कौन लूट रहा है, यह सवाल हमें खुद से पूछना होगा।

जो रिश्वत ले रहा है, जो घटिया निर्माण कर रहा है, जो कर चोरी कर रहा है, जो फर्जी कागज बना रहा है, जो अपने पद का दुरुपयोग कर रहा है, जो देशहित से ऊपर अपना स्वार्थ रख रहा है, वह चाहे किसी भी जाति, धर्म, दल या विचारधारा का हो, वह देश को भीतर से कमजोर कर रहा है।

राष्ट्र निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। नागरिक भी उतने ही जिम्मेदार हैं। किसी भी देश को बाहर का दुश्मन तभी कमजोर कर सकता है जब भीतर से दरवाजे खुले हों। इसलिए इतिहास से हमें केवल यह नहीं सीखना चाहिए कि अंग्रेजों ने हमें कैसे हराया। हमें यह भी सीखना चाहिए कि हमने उन्हें सफल होने का अवसर कैसे दिया। आज सवाल अंग्रेजों का नहीं, हमारा है। और शायद इसी कड़वी सच्चाई को एक पंक्ति में कहा जा सकता है–हमें तो अपनों ने लूटा, अंग्रेजों में कहाँ दम था।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

जिस नौकरी के लिए तैयारी कर रहे हैं, वो ग्रेजुएशन तक बदल भी सकती है

शिवनंदन कुमावत

एआई ने जॉब मार्केट को बदल कर रख दिया है। कम्प्यूटर प्रोग्रामर, वेब डवलपर्स, अनुवादक, कस्टमर केयर प्रतिनिधि जैसे जॉब तेजी से कम हो रहे हैं और वेतन कम होता जा रहा है, दूसरी ओर भाषा विशेषज्ञ (सही मायने में विशेषज्ञ) गणित और दर्शनशास्त्र से जुड़े क्षेत्रों में भारी भरकम पैकेज मिल रहा है और योग्य लोग नहीं मिल पा रहे लेकिन यह हमारे विमर्श का मूल विषय नहीं है। मूल विषय है कि जयपुर के किसी स्कूल में 11वीं का एक बच्चा स्ट्रीम चुनने वाला फॉर्म भर रहा है – साइंस, साथ में कंप्यूटर साइंस। पूछो क्यों, तो जवाब आत्मविश्वास से आता है: सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना है। अब पूछो कि सॉफ्टवेयर इंजीनियर असल में करता क्या है, या जब यह बच्चा ग्रेजुएट होगा तब यह काम कैसा दिखेगा – तो जवाब उतना पक्का नहीं रहता। ज़्यादातर सब्जेक्ट सिर्फ इसलिए चुना जाता है क्योंकि वो आज सेफ और पॉपुलर लगता है। यह सीन जयपुर और राजस्थान के हज़ारों घरों में हर साल दोहराया जाता है। कोर्स अक्सर उसकी आज की छवि देखकर चुना जाता है – यह सवाल पूछे बिना कि जब बच्चा असल में इस फील्ड में उतरेगा, तब यह फील्ड कैसी होगी।

असली समस्या–राजस्थान में ज़्यादातर कॅरियर फैसले आज भी एक पुरानी सोच पर टिके हैं – इंजीनियरिंग स्टेबल, मेडिकल इज़्ज़तदार, सरकारी नौकरी सिक्योर। यह सोच गलत नहीं, पर इन रास्तों के पीछे की जॉब मार्केट अब वैसी नहीं रही। यहां एक स्थानीय आवाज़ जोड़ें, जयपुर के किसी अभिभावक, 12वीं के छात्र या स्कूल काउंसलर का 2–3 पंक्ति का कोट, जो इस दुविधा को असल ज़िंदगी से जोड़े। राजस्थान ने कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम की तैयारी के लिए मज़बूत सिस्टम बनाया है। कोटा देश भर में जाना जाता है और जयपुर खुद को कोटा शिफ्ट हुए बिना कोचिंग के तौर पर पेश करता है पर एग्ज़ाम की तैयारी और कॅरियर एक्सप्लोरेशन एक चीज़ नहीं है। कोई कोचिंग सेंटर बच्चे को NEET या JEE के लिए तैयार कर सकता है पर यह नहीं बता सकता कि यह एग्ज़ाम उस बच्चे के लिए सही मंज़िल है या नहीं। 2025 में अकेले राजस्थान से करीब 3.33 लाख छात्रों ने NEET परीक्षा दी जबकि राज्य में कुल मिलाकर करीब 7,330 MBBS सीटें ही उपलब्ध हैं यानी हर सीट के लिए करीब 45 दावेदार।

असली तस्वीर इससे भी ज़्यादा चिंताजनक है। इन 7,330 सीटों में से सिर्फ करीब 4,630 सीटें ही सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हैं, जहां फीस आम परिवार की पहुंच में होती है। निजी कॉलेजों में सालाना फीस 25 से 35 लाख रुपये तक जाती है। यानी हर सरकारी सीट के लिए करीब 72 छात्र मुकाबले में हैं और ज़्यादातर मध्यमवर्गीय परिवारों के पास असल में सिर्फ एक ही किफ़ायती रास्ता बचता है। यह आंकड़ा मांग दिखाता है पर यह नहीं बताता कि इनमें से कितने बच्चों ने यह रास्ता सोच–समझकर चुना और कितनों ने सिर्फ इसलिए क्योंकि सफलता की सबसे जानी–पहचानी परिभाषा यही थी। इसका मतलब यह नहीं कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, कॉमर्स या सरकारी नौकरी गलत रास्ते हैं। सही बच्चे के लिए ये आज भी भरोसेमंद रास्ते हैं। सवाल यह है कि बच्चा इस फैसले तक पहुंचा कैसे। जो फैसला बच्चे की दिलचस्पी, काबिलियत और काम करने के तरीके को असल में समझकर लिया जाता है, वो हमेशा ज़्यादा मज़बूत होता है माता–पिता और बच्चे आज से ही एक छोटा बदलाव कर सकते हैं – तुम बड़े होकर क्या बनोगे? की जगह पूछें, तुम्हें किस तरह की समस्याएं सुलझाना पसंद है, और किस तरह का काम का माहौल सूट करेगा? दूसरा सवाल बातचीत खोलता है, पहला सिर्फ एक लेबल मांगता है। कॅरियर गाइडेंस का मकसद कभी यह नहीं था कि बच्चा जल्द से जल्द कोई भी कॅरियर चुन ले। मकसद है कि बच्चा खुद को समझे, अपने ऑप्शन्स को समझे, और इन दोनों के बीच का रास्ता समझे क्योंकि जिस दुनिया में यह बच्चा आगे कदम रखेगा, वो आज जैसी नहीं होगी। सबसे काम की गाइडेंस भविष्य बताने का दावा नहीं करती। वो बच्चे को इस लायक बनाती है कि भविष्य जैसा भी आए, वो उसके लिए तैयार रहे।

–शिवनंदन कुमावत,
कॅरियर गाइडेंस एक्सपर्ट हैं।

आओ ''डिग्री-डिग्री'' खेलें!

रामनिवास बैरवा

ज्ञान की परिचायक डिग्री राजनीतिक मान–अपमान का हथियार बना दी गई है। यह एक नया राजनीतिक शोध है जिस पर कई लोगों को पी.एच.डी की डिग्री दी जा सकती है, लेकिन बिना डिग्री के करोड़ों को अपना अनुगामी बनाया जा चुका है चाहे वह प्रवचनों का पांडाल हो या कानूनों की खेती–बाड़ी करने वाली डोम। सिद्धांतहीन, दिशाहीन लोगों के लिए डिग्री ही एक हथियार बचती है जिसके आधार पर वे अपना विरोध जताते हैं और जनता के विचारों से जुडे. बिना डिग्री के नेताओं को कमतर तथा अज्ञानी साबित करने की कोशिश करते हैं, सिर्फ अपने डिग्री–ज्ञान के आधार पर। यह कथित लोकतंत्र में सुधार के बहाने से किया जा रहा है।

राजनीति में 'डिग्री' का प्रश्न नया हो सकता है, लेकिन डिग्री का अभाव ऐतिहासिक है, जहां योग्यता–अयोग्यता की परख केवल डिग्री से ही सम्भव हुआ हो। अभी कुलपति बनाये जाने वालों की डिग्री का प्रश्न नहीं है बल्कि कुलपति बनाने वालों की डिग्री का उठ रहा है। अच्छा है। गाली–गुप्ते व्यक्तिगत चरित्रहीन के बदले डिग्री का सवाल उठाना एक संभ्रान्त, कुलीन तर्क–वितर्क जैसा लगता है। तब ही तो स्मृति ईरानी को शिक्षामंत्री बनाये जाने पर शिक्षाविदों ने इतना हल्ला मचाया कि बाद के शिक्षा मंत्रियों ने परीक्षाओं के पेपर लीक करवा के डिग्रियां लेने के रास्ते ही बंद कर दिये। अब डिग्रियां लेने के लिए हाथ पर मारिए। अमरीका–रिटर्न, राजनीति के उदीयमान सितारे अभिजीत दीपके की डिग्री पर भी सवाल उठा दिये गये है। ...... भ्रष्टाचार निरोधक सरकार के अनुगामियों को उसमें भ्रष्टाचार की बू आने लगी है।

मैनें भी कभी वैज्ञानिक बनने, कोई कुलपति बनने या कुलपति बनाने वाले नौकरशाहों के सिर–मौर आई.ए.एस. बनने की सोची थी; परन्तु बिना बिजली, बिना पानी वाले गांव में ककहरा पढ़ सका, यही बहुत बड़ी उपलब्धि थी, यह भी तब, जब आज बिजली–पानी वाले वे ही स्कूल उस समय बने नये भवन के नवीकृत रूप गाय–भैसों के बाड़े में लग रही है। तो साहब डिग्री प्राप्त करने का संघर्ष कोई भी विद्यार्थी कैसे छोड़ सकता है। लिहाजा, दंसवी के बाद सीधी बी.ए. की डिग्री दिलाने वाले तत्कालीन निजी कॉलेजों से सम्पर्क किया तो पता चला कि फर्जी डिग्रियां कैसे दी जाती है, कैसे ली जाती है।

यह फर्जी डिग्रियां लेने देने का काम आज भी बकायदा चल रहा हैं। हो सकता है फर्जी डिग्रियां लेकर बने शोध (जांच) कर्त्ताओं को यह सहज ज्ञान पहले से ही पता था। पता हो भी क्यों नहीं, डिग्रियों का सदा प्रवाहित रहने वाली पवित्र गंगा की गंगोत्री से लेकर सुन्दरबन तक किस–किस को डिग्रियां मिली है, गंगा में गंदगी कहां कहां और किस–किस मात्रा में मिलायी जा रही है, उन्हें पता है।

1991 के बाद, वैश्वीकरण के दौर में भारत ने भी अपनी उपस्थिति का अहसास करवाने के लिए शिक्षा में अमूल–चूल परिवर्तन का बीड़ा उठाया और रायपुर शहर जैसे शहर के एक ही मोहल्ले में 25–30 विश्वविद्यालय खोल दिये गये थे। इन विश्वविद्यालयी मसरूमों की खेती के सम्भावित प्रदूषण से दुखी होकर प्रोफेसर यशपाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह से विश्वविद्यालय खोलने को गलत माना और संविधान के निर्देशानुसार ''विश्व विद्यालय अनुदान आयोग'' के द्वारा तय मानकों के अनुसार विश्व विद्यालय स्थापित करके पाठ्यक्रम तय करने और डिग्रियां देने की अनुपालना करने का फैसला दिया।

वैसे भी राजनीति में डिग्रियों का कोई मतलब नहीं होता, कोई महत्व नहीं होता। राजनीति में महत्व होता है तो चिन्तन का। डिग्री धारक एक बेहतर अनुगामी हो सकते हैं, एक बेहतर आज्ञापालक हो सकते हैं, लेकिन वे एक बेहतर विचारक नहीं हो सकते। क्योंकि उनकी शिक्षा–दीक्षा उसी ताने–बाने के वस्त्राभूषणों से सज्जित होती है जो विचारक होने सेबदले बेहतर आज्ञापालक बनते हैं। भारत के आई.ए.एस, आई.पी.एस. इसके नमूने हैं? मैकाले को भला बुरा कहने वाले उसे भला बुरा कहते रहें, लेकिन, उसने सरकारी अफसरों–बाबुओं के लिए विचारक बनने का रास्ता छोड़ा ही नहीं। यही कारण है कि महाभारत के आख्यानों–व्याख्यानों को आधार बनाकर लिखी गई भारतीय अपराध संहिता आज भी वर्षों से वही है, सिर्फ नाम बदला है, सिर्फ धाराओं का क्रम और क्रम संख्याएं बदली है। नई संहिता लिखने के लिए विचार–विवेक आवश्यक है, उसके बिना वे नया नही कर पायेंगे। नये के नाम पर, मनुस्मृति के उदाहरणों से समान न्यायिक संहिता बनाने का दिशा–निर्देश वे ही बिना डिग्री वाले डिग्री वाले को दे रहे हैं। उनमें इतना भी विवेकए इतजी भी हिम्मत नहीं है कि उनके सामने मौजूद संविधान के बाध्यताओं के अनुसार काम करें और धृष्ट, बिना डिग्री वाले अपने पथ–प्रदर्शकों को संविधान का संदेश बढ़ायें और भारत की जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को अपने उत्तरदायित्वों के प्रत्येक कार्यक्षेत्र में अपने विवेक को परिचय दें। वरना, मैकाले के होनहार शिष्य तो वे हैं ही।

–राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, स्वतंत्र लेखक एवं विचारक।

राशिफल

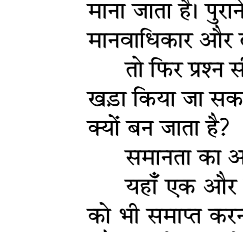

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 17 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत–2083, अनुराधा नक्षत्र रात 7:54 तक, विष्कुम्भ योग दिन 12:50 तक, तैतिल करण दिन 10:48 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि और रवियोग रात 7:54 तक है। आज अश्विनी संक्रांति, सूर्य कन्या राशि में प्रवेश प्रातः 7:53 पर करेगा। पूण्य काल दिन 2:17 तक है। आज सूर्य षष्ठि व्रत, कार्तिक स्वामी दर्शन, सोमनाथ व्रत, विश्वकर्मा पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 7:48 तक, चर 10:50 से 12:21 तक, लाभ–अमृत 12:21 से 3:54 तक, शुभ 4:55 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:26

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं एवं उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ रहेगी और समय खराब होगा। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
धार्मिक–मांगलिक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

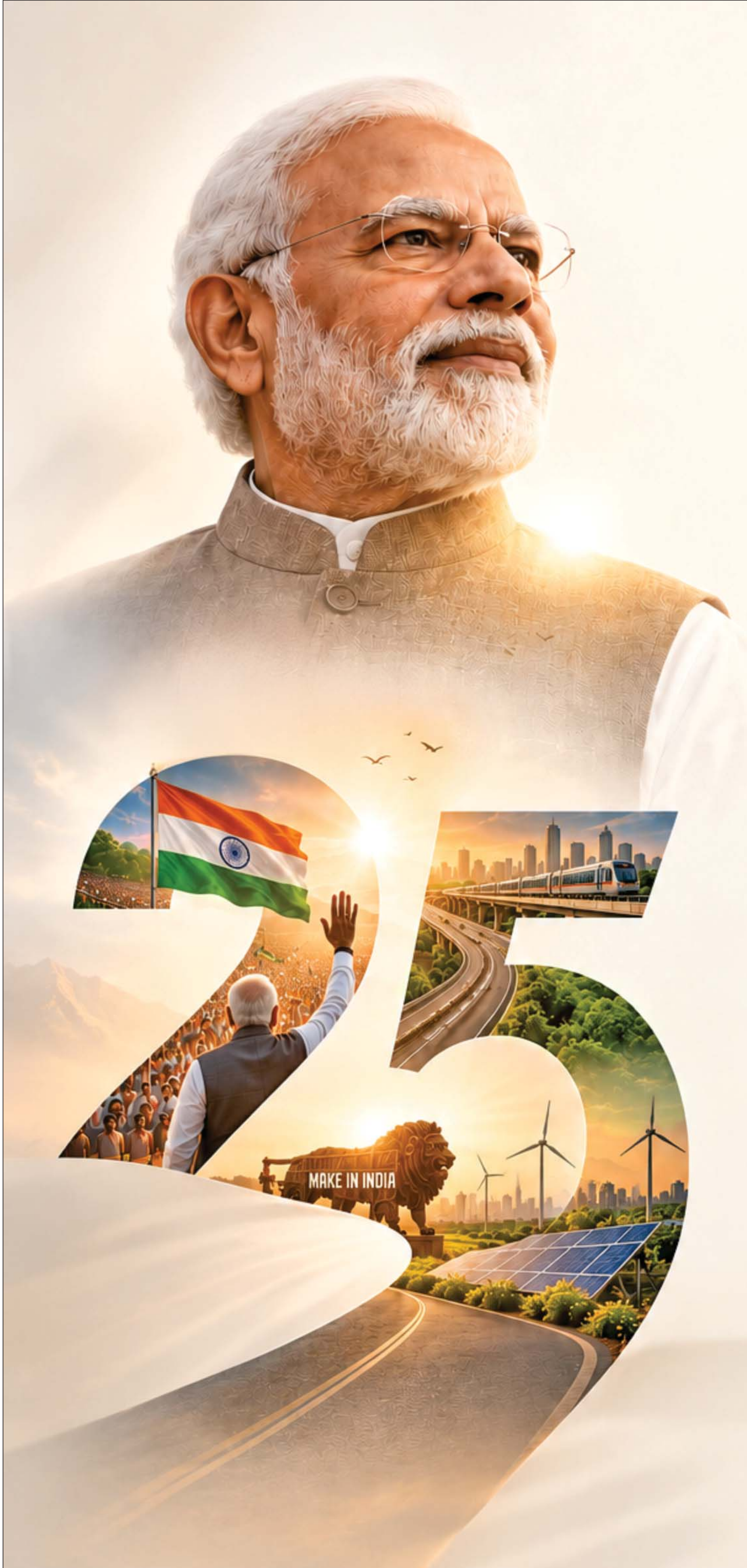

आदरणीय प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी जी

को 76 वें जन्मदिवस पर उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं।

आइये उनके जन्मदिवस के शुभ अवसर पर अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित करें और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना करें।

गुरुवार, 17 सितंबर, 2026

सायं 6:00 से 7:00 बजे

सेवा ही संकल्प

25 वर्षों की निरंतर यात्रा

एक विजन... जिसने विकास को नई दिशा दी
एक नेतृत्व... जिसने भारत की आकांक्षाओं को नई पहचान दी

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई जनसेवा से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक 25 वर्षों की अविराम यात्रा का यह सफर संकल्प, सेवा और नेतृत्व का उल्लेखनीय अध्याय है।

ATUL

विकसित भारत | आत्मनिर्भर भारत | सुरक्षित और सक्षम भारत

सेवा संकल्प अभियान - जन सेवा ही प्रभु सेवा

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

कोटा में पुनर्मतदान के दौरान फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर भारी हंगामा

वार्ड नंबर 87 में पुनर्मतदान के दौरान भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर लात-घूंसे चले

कोटा, (निसं)। कोटा जिले में नगर निगम के तीन और सुकेत नगर पालिका के एक वार्ड के एक-एक बूथ पर बुधवार को रिपोलिंग हंगामा और फर्जी मतदान के आरोपी के बीच संपन्न हुई। पुनर्मतदान को लेकर भारी सुरक्षा व्यवस्था रखी गई थी। इन चारों जगह 19 प्रत्याशियों का भाग्य दाव पर है। वार्ड नंबर 87 में पुनर्मतदान के दौरान हंगामा हो गया। भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर लात-घूंसे चले हैं।

कोटा में थाने पर धरने पर बैठे पत्रकारों से कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा मिलने पहुंचे।

- कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा और महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम के साथ भी धक्का-मुक्की हुई

जानकारी के अनुसार कोटा नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर 87 में हो रहे एक बूथ पर रिपोलिंग के दौरान कार्यकर्ता अपने-अपने नेताओं के लिए नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में उलझ गए। लात-घूंसे चले और काफी देर तक बहस भी हुई। लोग एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं को असामाजिक तत्व बताते हुए मौके से दूर करने की मांग करते रहे। मौके पर कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा और महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम भी मौजूद थी। इस बीच विधायक संदीप शर्मा व शालिनी गौतम के साथ भी धक्का-मुक्की हुई है। पुलिस ने दोनों पक्ष के लोगों को अलग-अलग किया और समझाइश की तब जाकर मामला शांत हुआ। यहां पर भारतीय जनता पार्टी की पुष्पा चौधरी और कांग्रेस की लक्ष्मी शर्मा चुनाव लड़ रही हैं। उधर, नगर निगम कोटा में वार्ड नंबर 44 में भी हंगामा हुआ है। सकतपुरा इलाके के सरकारी स्कूल में पोलिंग चल रही थी। इस बीच फर्जी मतदान के आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। घटना पर काफी देर आपस में नारेबाजी और बहस कार्यकर्ताओं के बीच हुई। भाजपा शहर जिला अध्यक्ष राकेश जैन भी मौके पर पहुंचे। दूसरी तरफ थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं को अलग करवाया। मौके पर पुलिस जाप्ता तैनात किया गया। कोटा नगर निगम वार्ड 87 मे कवरेज के दौरान पत्रकारों से अभद्रता की गई। इससे नाराज होकर महावीर नगर थाने के बाहर पत्रकार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। पत्रकारों का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनके साथ अभद्रता की और कवरेज करने से रोका। पत्रकारों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। नगर निगम कोटा के तीनों मतदान केन्द्रों पर हुए पुनर्मतदान की मतगणना 17 सितम्बर, गुरुवार को प्रातः 8 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित टैगोर हॉल में की जाएगी। मतगणना की समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

नावां में डंपर और कार की भिड़ंत में चार जनों की मौत

जयपुर/डीडवाना-कुचामन। डीडवाना-कुचामन जिले के नावां में बुधवार सुबह करीब पांच बजे तेज रफ्तार डंपर और स्विफ्ट कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पति-पत्नी, उनकी बेटी और कार चालक समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

- हादसे में पति-पत्नी, उनकी बेटी और कार चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई
- हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और टक्कर के बाद चारों शव कार में बुरी तरह फंस गए

टक्कर के बाद चारों शव कार में बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शवों को कार से बाहर निकाला।

नावां थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि कार में लक्ष्मण सिंह (46), उनकी पत्नी तुलसी (45), बेटी शीतल (22) और चालक रामाकिशन (35) सवार थे। हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे शवों को निकालने का प्रयास शुरू किया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद चारों शवों को बाहर निकाला गया। सभी शव नावां उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। पुलिस के अनुसार परिवार मिठड़ी के पास पालड़ी गांव में किराए के मकान में रह रहा था। बुधवार सुबह घर लौटते समय उनकी स्विफ्ट कार को सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में जान गंवाने वाली तुलसी कासेड़ा (डीडवाना-कुचामन) उप स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर कार्यरत थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि हादसे के बाद डंपर को जब्त कर थाने भिजवा दिया गया है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसा किस वजह से हुआ और डंपर की रफ्तार कितनी थी, इसे लेकर पुलिस मौके से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी के विवाद में मां की हत्या करने वाले बेटे को उम्रकैद

अजमेर, (निसं)। प्रॉपर्टी के विवाद में अपनी मां की हत्या करने वाले बेटे को अदालत ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामला करीब दो साल पुराना है और अजमेर के गंज थाना क्षेत्र के अजयसर गांव का है।

- अजमेर के गंज थाना क्षेत्र का मामला, कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया
- आरोपी बेटे ने मां के सिर पर कुल्हाड़ी से दो वार किए थे

अपर लोक अभियोजक हरसिंह रावत ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से26 गवाह, 55 दस्तावेज और 13 आर्टिकल अदालत में पेश किए गए। सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायाधीश नीरज गुप्ता ने आरोपी को हत्या का दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार अजयसर निवासीबबलू उर्फ बाबू (32) पुत्र शंकरने 9 नवंबर 2024 को दोपहर करीब एक बजे अपनी मां हंजा देवी (55)पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। आरोपी ने मां के सिर पर कुल्हाड़ी से दो वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के समय मृतका का पति शंकर और उसके दो बेटे मजदूरी के लिए घर से बाहर गए हुए थे। घर में मृतका की एक बेटी मौजूद थी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने आरोपी को घर के बाहर बने कमरे में पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया था।

पुलिस ने मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। मृतका के शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में मृतका के बड़े बेटेकालू (42)ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में हत्या के पीछे प्रॉपर्टी विवाद सामने आया था। मृतका के पति शंकर ने पुलिस को बताया था कि अजयसर में परिवार की करीब डेढ़ बीघा जमीन थी, जो हंजा देवी के नाम पर थी। आपसी समझौते के तहत जमीन को दोनों बेटों याकूब और बबलू के बीच बांट रखा था। याकूब पर कर्ज होने के कारण उसने अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी। इसी दौरान बबलू को शक हो गया कि उसका हिस्सा भी बेच दिया गया है। परिवार की ओर से उसे समझाया गया कि उसके हिस्से की जमीन नहीं बेची गई है, लेकिन वह इस बात से संतुष्ट नहीं हुआ।

अभियोजन के अनुसार जमीन को लेकर नाराज बबलू गुस्से में घर पहुंचा और अपनी मां से विवाद करने लगा। इसी दौरान उसने कुल्हाड़ी से मां के सिर पर दो वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से हंजा देवी की मौत हो गई। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत के समक्ष गवाहों, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के जरिए आरोप साबित किए। इसके बाद अदालत ने बबलू उर्फ बाबू को हत्या का दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

दिनदहाड़े सूने मकान में चोरी

अजमेर, (निसं)। शहर के कृष्णगंज थाना क्षेत्र स्थित पंचशील सी ब्लॉक में बुधवार को दिनदहाड़े एक सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मकान का गेट फांदकर अंदर घुसा और पूरे मकान में रखे सामान को खंगालने के बाद अलमारी में रखे करीब दो हजार रुपए नगद, लैपटॉप सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया। मकान मालकिनअंजुला श्रीवास्तव गर्ल्स स्कूल में अंग्रेजी की व्याख्याता हैं। घटना के समय मकान सूना था। इसी दौरान अज्ञात चोर ने मौका पाकर मकान में प्रवेश किया और कमरों में रखे सामान की तलाशी ली। चोर ने अलमारी को भी खंगाला और उसमें रखी नगदी तथा लैपटॉप सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर मकान मालकिन ने कृष्णगंज थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

चलती ट्रेन में 70 तोला सोना, आधा किलो चांदी और लाखों की नगदी चोरी

बीकानेर, (निसं)। मदुरई-बीकानेर एसी साप्ताहिक ट्रेन में सफर कर रही दो महिला यात्रियों के बैग से एक करोड़ रुपए से अधिक कीमत के सोने-चांदी के जेवर और 7-8 लाख रुपए नकद चोरी होने का मामला सामने आया है। महिलाएं नागपुर से नोखा के लिए ट्रेन नंबर 22631 के एसी कोच बी-1 में सफर कर रही थीं। नोखा पहुंचने के बाद घर जाकर सामान की जांच करने पर चोरी का पता चला। इस मामले में बीकानेर जीआरपी ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी थानाधिकारी नेहा चोरी की घटना की पुष्टि की है। फिलहाल मामले में अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। घर पहुंचने के बाद मांगीदेवी ने ट्रॉली बैग खोला तो उसमें रखे करीब 65-70 तोला सोने के जेवर, करीब आधा किलो चांदी के आभूषण और 7-8 लाख रुपए नकद नहीं मिले। परिवार में सगाई का कार्यक्रम होने के कारण जेवर और नकदी साथ लेकर आए थे। रिपोर्ट में ट्रेन में यात्रा के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति के जरिए चोरी किए जाने की आशंका जताई गई है। पीड़ित परिवार ने 14 सितंबर को बीकानेर जीआरपी में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच निरीक्षक नेहा राजपुरोहित के नेतृत्व में जीआरपी और आरपीएफ की टीमें कई जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं और संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। फिलहाल मामला दर्ज होने के दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। जीआरपी के अनुसार देसलसर निवासी विक्रम राजपुरोहित ने रिपोर्ट दी है कि उनका परिवार महाराष्ट्र के वरूड़ (जिला अमरावती) में मिठाई का कारोबार करता है। उनके माता-पिता और भाई-बहन वहीं रहते हैं। 11 सितंबर को उनकी मां मांगीदेवी और बहन डिंपल राजपुरोहित नागपुर से नोखा आने के लिए ट्रेन में सवार हुईं। दोनों की सीट बी-1 कोच में 25 और 28 नंबर की थी। परिजनों के अनुसार दोनों महिलाओं के पास दो ट्रॉली बैग सहित 3-4 अन्य बैग थे। उन्होंने सामान को सीट के नीचे सुरक्षित रख दिया था। 12 सितंबर को ट्रेन नोखा पहुंची तो परिजन स्टेशन पहुंचे और सामान लेकर गांव आ गए।

- महिलाएं नागपुर से नोखा के लिए ट्रेन नंबर 22631 के एसी कोच बी-1 में सफर कर रही थीं, नोखा पहुंचने के बाद घर जाकर बैग में सामान की जांच करने पर चोरी का पता चला
- परिवार में सगाई का कार्यक्रम होने के कारण जेवर और नकदी साथ लेकर आए थे, रिपोर्ट में यात्रा के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति के जरिए चोरी किए जाने की आशंका जताई

श्रीगंगानगर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप ट्रक में घुसी, दो की मौत

हादसे में सात जने घायल हो गये, ड्राइवर को झपकी आने से हुआ हादसा

श्रीगंगानगर, (निसं)। रामदेवरा से दर्शन कर अपने गांव जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गाड़ी और ट्रक में भिड़ंत हो गई। जिसमें पिकअप सवार 2 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 श्रद्धालु घायल हो गए, जिसमें से 4 गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घटना रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में कालूवाला ढाबा के पास हुई है। पुलिस का कहना है कि ट्रक इंजन में हुई खराबी की वजह से सड़क के किनारे खड़ा था। खड़े ट्रक में पिकअप पीछे से घुस गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलते ही समेजा कोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर जाम खुलवाया। मामला रामसिंहपुर थाना क्षेत्र का होने की वजह से समेजा कोठी थाना पुलिस ने रामसिंहपुर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। घटना के बाद आस-पास के लोगों और राहीगरों ने घायलों को रामसिंहपुर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां घायलों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने 4 श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार के बाद श्रीगंगानगर रेफर कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया। घटना के बाद घायलों को हॉस्पीटल में पहुंचाया गया जहां पर उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक 85 एलएनपी के रहने वाले पिकअप में सवार श्रद्धालु रामदेवरा से दर्शन कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान बुधवार सुबह करीब 5 बजे ड्राइवर को नींद की झपकी आने से पिकअप गाड़ी कालूवाला ढाबा से आगे लिंक रोड पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से टकरा गई। पिकअप गाड़ी का करीब आधा हिस्सा ट्रक के अंदर घुस गया, जिसके बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई।

खड़े ट्रक से भिड़ी कार, एक की मौत, पांच घायल

जोधपुर, (कासं)। नेशनल हाइवे 62 पर नेतड़ा के पास बुधवार अलसुबह एक सड़क हादसा हो गया। नागौर से जोधपुर जा रही एक तेज रफ्तार एक्सयूवी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह टूट गया और हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला और दो बच्चों सहित पांच लोग घायल भी हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही करवड़ थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों और मृतक को गाड़ी से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान नया बास बालसमंद, जोधपुर निवासी कैलाश पुत्र गजेंद्र दमामी के रूप में हुई है।

71 लाख के गांजे के पौधे जब्त

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स टीम ने राजसमंद के भीम में कार्रवाई करते हुए 71 लाख रुपए के अवैध गांजे के हर पौधे बरामद किए हैं। मौके पर एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स टीम ने आसपास खेत मालिक की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला।

एएनटी महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि मक्के की फसल की आड में गांजे की खेती की जा रही थी। मुखबिर से सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और गुप्त तरीके से दबिश दी। आरोपियों ने खेत के चारों तरफ कांटेदार तारों से तारबंदी की हुई थी। खेत के अंदर मक्के की फसल के बीच हरे गांजे के पौधे खड़े दिखाई दिए। मौके पर आसपास खेत मालिक की तलाश की।

उदयपुर नगर निगम भूखंड घोटाला : एक आरोपी गिरफ्तार

जयपुर/उदयपुर। उदयपुर नगर निगम के बहुचर्चित भूखंड घोटाले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने भंवर सिंह राव (51) निवासी आमेट जिला राजसमंद को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करवाए, मृतक पिता के नाम से भूखंड के दस्तावेज बनवाए और नगर निगम से अपने नाम लीज डीड जारी करवा ली। इसके बाद भूखंड बेचकर मिली रकम अपने बैंक खाते में जमा करवा ली।

एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2004 में नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी), उदयपुर से नगर निगम उदयपुर को हस्तांतरित खाली और निरस्त भूखंडों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लीज डीड जारी करवाने का मामला सामने आया था। इस संबंध में सूरजपोल थाना जिला उदयपुर में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। एसओजी की जांच और पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में भंवर सिंह राव की भूमिका सामने आई। आरोपी भंवर सिंह राव निवासी आमेट जिला राजसमंद ने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर हिरण मगरी सेक्टर-11 स्थित भूखंड संख्या 1165 के फर्जी दस्तावेज अपने मृतक पिता के नाम से तैयार करवाए। इसके बाद इन दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम उदयपुर से लीज डीड अपने नाम जारी करवा ली।

राजेन्द्र राजन और जीतेन्द्र निर्मोही चूरू में साहित्य सम्मान से सम्मानित

जयपुर/चूरू। हिंदी साहित्य संसद के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में चूरू के बजाज सत्संग भवन में सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। भादरा के प्रमुख साहित्यकार पवन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में अजमेर के प्रसिद्ध साहित्यकार गोपाल गर्ग मुख्य अतिथि रहे।

- वयोवृद्ध वरीष्ठ अधिवक्ता अनंत राम सोनी और सामाजिक चिंतक कमल कोठारी को भी सम्मानित किया

चूरू में आयोजित समारोह में लेखक राजेन्द्र राजन व जीतेन्द्र निर्मोही आदि को सम्मानित किया गया।

हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा खामोश ने बताया कि जयपुर के लेखक राजेन्द्र राजन को रामा देवी भागीरथ प्रसाद मड़दा साहित्य सम्मान तथा कोटा के साहित्यकार जीतेन्द्र निर्मोही को जनकवि प्रदीप शर्मा साहित्य सम्मान से विभूषित किया गया। दोनों साहित्यकारों को सम्मान स्वरूप श्रीफल , अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र पदक एवं 11 हजार की नगद राशि भेंट की गई। वयोवृद्ध वरीष्ठ अधिवक्ता अनंत राम सोनी और जाने-माने सामाजिक चिंतक कमल कोठारी को भी हिंदी साहित्य संसद द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में ओम भक्तानी, पिंटू शर्मा मंगल भारती, तंजीम बानो, मुकेश मनमौजी, दीपक कामिल अब्दुल मन्नान, विजय कान्त, मख़्दूम बिसाऊवी, सुरेश कुमार, सुधींद्र शर्मा, इदरीस खत्री राज, राजेन्द्र शर्मा मुसाफिर, अनंतराम सोनी, ओ पी तंवर, एस डी सोनी, स्नेहलता शर्मा, कमल कोठारी तथा मंचस्थ कवि बनवारी लाल शर्मा खामोश, जीतेंद्र निर्मोही, राजेन्द्र राजन, गोपाल गर्ग और पवन शर्मा ने एक से बढ़कर एक काव्य प्रस्तुतियां देकर वाहवाही बटोरी। समारोह में बाबूलाल शर्मा, पुरुषोत्तम नरडिया, प्रदीप सिरोठिया, सरोज हारित, दीपिका शर्मा, श्यामा निर्मोही, संगीता, दूलाराम सहारण एवं गोपीराम हरित आदि गणमान्य नागरिक और साहित्यकार उपस्थित थे। स्वागत भाषण बनवारी लाल शर्मा खामोश दिया तथा विजयकान्त ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन लेखक और कवि प्रोफ़ेसर कमल कोठारी ने किया।

जोजरी नदी प्रदूषण पर पुलिस की कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। जोजरी नदी में प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ चल रही निगरानी के तहत विवेक विहार थाना पुलिस ने मोगड़ा पुलिया के पास चेकिंग के दौरान रंगाई-छपाई में उपयोग होने वाले सामान से भरी बोलेरो पिकअप को जब्त किया है।

- रंगाई-छपाई के सामान से भरी पिकअप जब्त

विवेक विहार थानाधिकारी भवानी सिंह ने बताया कि सफेद कपड़े के 120 थान, 37 रंगाई-छपाई की फ्रेम/प्लेटें, रंग से भरे चार ड्रम, एक कट्टे में करीब 20 किलो नमक जैसा पदार्थ सहित अन्य सामग्री मिली। चालक किशनाराम के पास कपड़े का बिल था, जबकि अन्य सामान के संबंध में बिल, ई-वे बिल या अन्य दस्तावेज नहीं मिले। चालक ने सामान को पाली के मंडिया रोड स्थित एमआर इंटरप्राइजेज ले जाने की जानकारी दी। जोजरी नदी क्षेत्र में रंगाई-छपाई फैक्ट्रियों से प्रदूषण की लगातार निगरानी को देखते हुए पुलिस ने बरामद सामग्री के रंगाई-छपाई में उपयोग होने तथा इससे जुड़े प्रदूषण की संभावना के आधार पर सामान को जब्त किया। वाहन को दस्तावेज नहीं होने पर जब्त किया गया।

बैंक खाते से नगदी पार

जोधपुर, (कासं)। माता का थान स्थित दौलत सागर बेरा एरिया में रहने वाले एक युवक से शातिर ने फ्रॉड कर लिया। बदमाश ने उसे क्रेडिट कार्ड को लेकर लिंक भेजा। लिंक ओपन किए जाने पर उसके खाते बैंक खाते से 40-42 हजार रूपए पार हो गए। पीड़ित ने अब माता का थान पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। घटना 5 सितंबर को होना बताया गया है। माता का थान पुलिस थाने के एएसआई शोभाराम ने बताया कि दौलत सागर बेरा 80 फीट रोड निवासी नरपत परिहार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 5 सितंबर को उसके पास में क्रेडिट कार्ड के संबंध में कोई कॉल आया था। फिर सामने वाले ने एक लिंक भेजा था। उसने लिंक ओपन कर लिया। इसके बाद उसके बैंक खाते से 40-42 हजार रूपए कट गए।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 15/09/2026

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/प्रमुख एंव प्रभारी-एलएस/संविदा-09/2026-27 दिनांकः-15.09.2026 MML2627SSOB00120	आर.एस.एम.एम.एल के एसबीयू एवं पीसी लाइमस्टोन जोधपुर कार्यालय मे लेखा कार्मिको के माध्यम से बिक्री लेखांकन का कार्य करने हेतु। अनुमानित मूल्य (रू.) 20.00 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 40000/-, निविदा राशि - 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/10592 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा

क्रमांक : 620 दिनांक : 14.09.2026

निविदा सूचना संख्या 07/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों "एए", "ए", "बी" एव "सी" श्रेणी एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code :- PWD2627A2729

UBN No.- 1. PWD2627SSOB12083, 2. PWD2627SSOB12084 3. PWD2627SSOB12085

(सुनील कुमार सोनी)
अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड छबड़ा

DIPR/C/16064/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड बॉदीकुई

Address:- Office Campus Bandikui Email-ID:- eephedbandikui@gmail.com

No. EE Bandikui/DIPR/NIT 33-37/26-27/1595-1600 Date-14.09.2026

निविदा सूचना 33-37/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान में उपयुक्त श्रेणी में वैध पंजीकृत संवेदकों एवं कार्य करने का अनुभव रखने वाले संवेदको के माध्यम से खण्ड बॉदीकुई के अधीन उपखण्ड बॉदीकुई में विभिन्न ठामीण जलयोजनाओं के संचालन व संधारण हेतु मरम्मत कार्य हेतु कुल अनुमानित लागत 30.90 लाख के 05 कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्रों में ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 15.09.2026 को प्रातः 09:30 बजे से दिनांक 21.09.2026 को सायंकाल 06:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है। दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 12:00 बजे तकनीकि बिड ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदाओं से सम्बंधित समस्त सरकार विवरण राज्य की वेवसाइट http://www.dipronline.org, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB No PHE2627A2576

निविदाओं के UBN No. निम्नानुसार है :-

PHE2627WSOE05332, PHE2627WSOE05333, PHE2627WSOE05334, PHE2627WSOE05335, PHE2627WSOE05336

(हरिकिशन मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड बॉदीकुई

DIPR/C/16022/2026

डीजीपी राजीव शर्मा ने सीमा चौकियों पर जवानों से संवाद किया

जालुवाला, भारेवाला और रणाऊ में सीमा संवाद एवं जनसुनवाई की

जयपुर/फलौदी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बुधवार को पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन नोख थाना, सीमा चौकियों और गांवों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जवानों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया और ग्रामीणों की जनसुनवाई कर परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

नोख थाने में बेहतर पुलिसिंग पर जोर: फलौदी के सीमावर्ती नोख थाने में डीजीपी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि दूर-दराज के क्षेत्र में जनसहयोग से बेहतर पुलिसिंग की जाए। नशा तस्करी, साइबर अपराध और सोलर कंपनियों से जुड़े अपराधों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वागत कक्ष की व्यवस्थाएं बेहतर करने तथा पुलिसकर्मियों को फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में आमजन से मृदु व सहयोगी व्यवहार करने को कहा।

ग्रामीणों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील: जालुवाला में सीमा संवाद व जनसुनवाई के दौरान डीजीपी ने ग्रामीणों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र की हर गतिविधि पर प्रभावी निगरानी और सूचना मिलने पर त्वरित प्रतिक्रिया जरूरी है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने नोख थाना, सीमा चौकियों और गांवों का निरीक्षण किया।

डीजीपी ने पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों से नियमित संवाद रखने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक बीट कॉन्स्टेबल के पास गांव के हर परिवार के कम से कम एक सदस्य का मोबाइल नंबर हो और ग्रामीणों के पास भी बीट कॉन्स्टेबल का नंबर उपलब्ध रहे। नशे के दुष्प्रभाव, साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारी ग्रामवार समूहों में पहुंचाने पर भी जोर दिया।

■ **सीमा सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से फीडबैक लिया**

बीएसएफ जवानों से लिया फीडबैक: अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रायचंद वाला बीओपी में बीएसएफ के सीमा प्रहरियों से संवाद कर सुरक्षा, निगरानी और ड्यूटी संबंधी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और राजस्थान पुलिस के बीच प्रभावी समन्वय निरंतर बना रहेगा। सीमा क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया।

भारेवाला और रणाऊ में जनसुनवाई: डीजीपी ने जैसलमेर के नाचना क्षेत्र के ग्राम भारेवाला और तनोट थाना क्षेत्र के रणाऊ में सीमा संवाद व जनसुनवाई की। ग्रामीणों से अपराध व नशे की रोकथाम में पुलिस का सहयोग करने तथा आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। जालुवाला में आरएसी से सेवानिवृत्त मगना राम को साफा पहनाकर सम्मानित किया।

दौरे में जोधपुर रेंज आईजी सत्येंद्र सिंह, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, बीएसएफ डीआईजी जितेंद्र सिंह, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, जैसलमेर कलेक्टर अनुपमा जोरवाल, एसपी सतनाम सिंह, एसपी सीआईडी (एसएसबी जोधपुर) नरपत सिंह, बीएसएफ कमांडेंट एनपी नेगी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गुरुवार को पांच जिलों की समीक्षा: दौरे के दूसरे दिन डीजीपी तनोटराय माता मंदिर में दर्शन के बाद सांगड़ थाने का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद सिणधरी थाने में बालोतरा व बाड़मेर के एसपी के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा होगी। दोपहर 3 बजे जालोर एसपी कार्यालय में जालोर, पाली और सिरोही के एसपी के साथ कानून-व्यवस्था व अपराध की समीक्षा की जाएगी।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 19 और 20 को

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण की ओर से 19 और 20 सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में'पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य'विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में 17 देशों के प्रमुख न्यायिक एवं पर्यावरण विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल सहित सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की मौजूदगी रहेगी। सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के साथ जिला न्यायालयों के न्यायाधीश, पर्यावरण विशेषज्ञ, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी, न्यायिक अकादमियां, विधिक सेवा प्राधिकरण, राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समितियां राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण और राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

बीएसएनएल में हिन्दी पखवाड़े के तहत राजभाषा विचार गोष्ठी आयोजित

जयपुर। बीएसएनएल के जयपुर स्थित सभी कार्यालयों में 14 सितंबर से 28 सितंबर तक संयुक्त रूप से हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। आज इस कड़ी में एक राजभाषा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं साहित्यकार हरिराम जी मीना तथा विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता हिन्दी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय की एसोशियेट प्रोफेसर डॉक्टर मीता शर्मा ने बदलते सामाजिक एवं तकनीकी परिदृश्य में हिन्दी के भविष्य, प्रासंगिकता और सम्भावना विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हिन्दी भाषा की दशा, दिशा, प्रयोग एवं भविष्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अध्यक्ष बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने अपने उद्बोधन में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी भाषा में करने की अपील की।

मुख्य अतिथि पूर्व आईपीएस अधिकारी, हरिराम जी मीना का स्वागत बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने एवं विशिष्ट अतिथि हिन्दी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय की एसोशियेट प्रोफेसर डॉक्टर मीता शर्मा का स्वागत दीपक गुप्ता प्रधान महाप्रबंधक ने किया. कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन रविन्द्र कुमार महाप्रबंधक (मानव संसाधन) परिमंडल कार्यालय ने दिया तथा कार्यक्रम के अन्त में पधारे सभी अतिथिगणों एवं बीएसएनएल कार्मिकों का धन्यवाद ज्ञापन महेश चन्द मीना महाप्रबंधक (नेटवर्क) जयपुर बीए ने किया. मंच संचालन राजभाषा अधिकारी सीमा गुप्ता ने एवं कार्यक्रम समन्वय का काम राजभाषा अधिकारी दौलतराम ने किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बीएसएनएल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राज्य में तीन निजी औद्योगिक पार्क के लिये 552 एकड़ भूमि आवंटित होगी

■ **ई-बिड प्रक्रिया के पश्चात् दौसा, बालोतरा और धौलपुर में लगभग 552 एकड़ भूमि निजी औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए आवंटित**

जयपुर। राजस्थान में निजी औद्योगिक पार्कों के विकास को गति देने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने की दिशा में राज्य सरकार की 'राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नीति के तहत मॉडल-ए में औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए निवेशकों का अच्छा रुझान देखने को मिला है। 15 सितंबर को आयोजित ई-बिड प्रक्रिया के पश्चात् दौसा, बालोतरा और धौलपुर में लगभग 552 एकड़ भूमि निजी औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए आवंटित किए जाने का रास्ता प्रशस्त हो गया है जिससे एक तरफ रीको को लगभग 200 करोड़ रूपये की आय होगी वहीं इन निजी औद्योगिक पार्क में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

निजी औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए लैंड पार्सल प्राप्त करने हेतु निवेशकों से दिनांक 27 अगस्त से 8 सितंबर तक ईएमडी जमा कर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ई-बिड प्रक्रिया में दौसा के राजाहेड़ा, गुड़ा आशीकपुरा एवं नूरपुर के लिए 7, बालोतरा के वेदरलाई के लिए 5 तथा धौलपुर के बिजौली के लिए 2 उद्यिमयों ने भाग लिया।

ई-बिड में सफल निजी विकासकर्ता को भूमि आवंटित किए जाने के बाद संबंधित क्षेत्रों में औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। इन पार्कों में सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, ड्रेनेज, वर्षा जल संचयन, स्ट्रीट लाइटिंग सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास निजी विकासकर्ता की जिम्मेदारी होगी। इसके अतिरिक्त, निर्धारित शर्तों के अनुसार औद्योगिक पार्कों में सीईटीपी के लिए ग्रीन इंसेंटिव, कॉमन यूटिलिटी सेंटर तथा प्लग-एंड-प्ले कार्यालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, विकासकर्ता को विद्युत शुल्क, स्टाम्प शुल्क एवं रूपांतरण शुल्क में छूट अथवा प्रतिपूर्ति का प्रावधान भी किया गया है।

राजस्थान में विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण के निर्माण के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के विकास, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और समावेशी औद्योगिक विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत मॉडल-ए में लैंड पार्सल्स के लिए निवेशकों की बढ़ती भागीदारी प्रदेश में औद्योगिक निवेश के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि राजस्थान निवेशकों के लिए एक आकर्षक औद्योगिक निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

सरकार की बेरुखी से किसानों की उम्मीदें टूट रही हैं : जूली

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर करारा हमला बोलते हुए कहा है कि इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि जब रोम जल रहा था, तब नीरो बंसुरी बजा रहा था। ठीक वही क्रूर और संवेदनहीन मंज़र आज भारत में देखने को मिल रहा है, जहाँ देश और प्रदेश का आम आदमी, गरीब, किसान और कमजोर वर्ग अत्यंत कठिन और विकट परिस्थितियों का सामना कर रहा है, और सत्ता में बैठी भाजपा जनता से पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिए जलाने के लिए कहकर अपनी भीषण नाकामियों पर पर्दा डालने का सियासी पाखंड कर रही है। जूली ने कहा कि देश में महंगाई सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम आदमी के घर का रसोई बजट पूरी तरह छिन्न-भिन्न हो चुका है। खाद्य तेल, दाल, चावल और लहसुन जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं, तो वहीं पेट्रोल-डीजल के बढ़े हुए दामों ने मध्यम वर्ग और किसानों की कमर तोड़ दी है।

दुर्गा पूजा के रंग में रंगेगा जयपुर

जयपुर। गुलाबी नगरी में शारदीय नवरात्रि और दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस बार नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे है । जयपुर शहर में 70 से अधिक छोटे-बड़े पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। वहीं इस धार्मिक आयोजन के साथ यह उत्सव जयपुर की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय कारोबार के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दुर्गा पूजा की पौराणिक मान्यता मां दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध और धर्म की अधर्म पर विजय से जुड़ी है। जयपुर में बंगाली संस्कृति से इसके ऐतिहासिक संबंध आमेर के राजा मानसिंह प्रथम द्वारा बंगाल के जैसोर से शिला माता की प्रतिमा लाकर आमेर में स्थापित किए जाने से भी जुड़े हैं। शहर में बनीपार्क स्थित दुर्गा बाड़ी एसोसिएशन की स्थापना 1956 में हुई थी। यह शहर की सबसे पुरानी पंजीकृत दुर्गा पूजा संस्थाओं में शामिल है।

थर्माकोल फैक्ट्री में भीषण आग

एक दर्जन मजदूर सुरक्षित बाहर निकाले

जयपुर। बगरू थाना क्षेत्र के रीको औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार शाम थर्माकोल फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग रोहित पॉली प्रोडक्ट्स फैक्ट्री के गोदाम में करीब साढ़े चार बजे लगी। थर्माकोल के डिब्बे बनाने वाली फैक्ट्री में आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। ऊंची लपटों के साथ उठता काले धुएं का गुबार करीब 5 से 7 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। आग और धुएं को देखकर आसपास की औद्योगिक इकाइयों, राहगीरों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

■ **छह से अधिक दमकलों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू**

हादसे के समय गोदाम में करीब एक दर्जन मजदूर मौजूद थे। आग बढ़ने से पहले ही सभी मजदूर सुरक्षित बाहर निकल गए। इससे बड़ा हादसा टल गया। आग की सूचना मिलते ही बगरू नगर पालिका, रीको दमकल विभाग और आसपास के क्षेत्रों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की लपटें लगातार बढ़ती देखकर अतिरिक्त दमकल वाहनों को भी बुलाया गया। छह से अधिक दमकल वाहनों ने करीब दो घंटे तक लगातार मशक्कत की, जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका।

थर्माकोल फैक्ट्री में ऊंची लपटों के साथ उठता काले धुएं का गुबार करीब 5 से 7 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया।

आग की सूचना मिलते ही बगरू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग की भयावहता को देखते हुए फैक्ट्री के आसपास लोगों की भीड़ जमा होने लगी। पुलिस ने मौके पर भीड़ को नियंत्रित किया।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 76 लाख की ठगी में आरोपी गिरफ्तार

■ **पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर निवासी ताहिर को गिरफ्तार किया**

जयपुर। स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर बुजुर्ग दंपती से 76 लाख रुपए ठगने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर निवासी ताहिर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मामले में अब तक तीन आरोपियों को पकड़ा जा चुका है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों ने बुजुर्ग दंपती को व्हाट्सऐप कॉल कर खुद को पुलिस, एटीएस और एनआईए अधिकारी बताया। दंपती के आधार कार्ड का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों और करोड़ों रुपए के वित्तीय अपराध में होने की बात कहकर गिरफ्तारी की धमकी दी। आरोपियों ने फर्जी एनआईए नोटिस भी भेजा और लगातार आवाज व वीडियो कॉल कर मानसिक दबाव बनाया। डर के कारण दंपती ने एफडी तुड़वाकर आरोपियों के बताए विभिन्न खातों में 76 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

जांच में ठगी की रकम में से 21 लाख रुपए हनिया फ्रुट्स फर्म के खाते में पहुंचने का पता चला। फर्म संचालक मुजस्सिम ने रकम आगे ट्रांसफर कराने के लिए ताहिर से खातों की व्यवस्था करने को कहा। ताहिर ने परिचित सतपाल सिंह के जरिए अन्य खातों की जानकारी जुटाई। इन खातों में करीब 17 लाख रुपए जमा करवाए गए। सतपाल ने कमीशन काटकर 7 लाख रुपए नकद ताहिर को दिए, जिसमें से 5 लाख रुपए मुजस्सिम को और 2 लाख रुपए ताहिर ने अपने पास रखे।

बैंक लूट मामले में रेकी करने वाली युवती गिरफ्तार

कर्ज चुकाने के लिए रची साजिश, 26.80 लाख रुपए बरामद

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने अक्षय पात्र मंदिर के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से कैश निकालकर ले जा रहे कर्मचारियों से हथियार की नोक पर हुई 41.70 लाख रुपए की लूट मामले में वारदात की रेकी करने वाली युवती अंशु कुमारी जाटव (22) को गिरफ्तार कर उसके किराए के कमरे से लूट की रकम में से 26.80 लाख रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार वारदात में बैंक के ही एक कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध है। उसने बदमाशों को बैंक से कैश ले जाने की अंदरूनी जानकारी दी थी। पुलिस फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर की सुबह दो बाइक सवार बदमाशों ने अक्षय पात्र मंदिर के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से कैश लेकर निकल रहे कर्मचारियों को हथियार दिखाकर रोका और उनसे कैश से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। दिनदहाड़े हुई वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रामनगरिया थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर और प्रताप नगर थानाधिकारी विक्रांत शर्मा और जिला विशेष टीम (डीएसटी) को शामिल कर विशेष टीम गठित की गई। जहां पुलिस टीम ने वारदात के बाद बदमाशों के भागने के संभावित रास्तों को चिह्नित कर करीब 1000 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर बदमाशों के आने-जाने का रूट मैप तैयार किया गया। पुलिस के मुताबिक एटीएम से कैश निकालने का समय पहले से तय नहीं रहता था। ऐसे में पुलिस को आशंका हुई कि वारदात से पहले बदमाशों ने रेकी की होगी।

बरामद हुए 26.80 लाख रुपए

सीसीटीवी फुटेज में घटनास्थल के आसपास एक युवती की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं। इसके बाद पुलिस टीम ने युवती की गतिविधियों पर निगरानी रखी और उसकी पहचान अंशु कुमारी जाटव निवासी नदबई जिला भरतपुर के रूप में की। वह वर्तमान में रामनगरिया में किराए के कमरे में रह रही थी।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अंशु पर कर्ज हो गया था। कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने बॉयफ्रेंड मस्तराम मीणा निवासी मासलपुरा जिला करौली और उसके दो साथियों पुष्पेंद्र उर्फ पुस्सी तथा सुमित जंगम के साथ मिलकर लूट की साजिश रची।

■ **पुलिस के अनुसार वारदात में बैंक के ही एक कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध है। उसने बदमाशों को बैंक से कैश ले जाने की अंदरूनी जानकारी दी थी**

पुलिस के अनुसार अंशु के बॉयफ्रेंड को बैंक के एक कर्मचारी 'मीणा जी' ने बैंक से कैश ले जाने की जानकारी दी थी। कर्मचारी ने बताया था कि एटीएम से रोजाना कैश निकाला जाता है। कैश लाने-ले जाने के लिए अक्सर महिलाएं आती हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं रहते। इसके बाद अंशु ने वारदात से एक दिन पहले एटीएम और आसपास के इलाके की रेकी की। 14 सितंबर की सुबह जैसे ही बैंक कर्मचारी कैश लेकर एटीएम से बाहर निकले। अंशु ने फोन के जरिए अपने साथियों को इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही दो बदमाश बाइक पर पहुंचे और पिस्टल दिखाकर कर्मचारियों से कैश लूट लिया। इसके बाद दोनों कुछ दूरी पर कार लेकर खड़े तीसरे साथी के पास पहुंचे।

पुलिस की नाकाबंदी से बचने के लिए बदमाशों ने लूटी गई रकम बाइक से कार में स्थानांतरित कर दी। इसके बाद रकम को दो हिस्सों में बांटा गया। एक हिस्सा अंशु के श्रीकिशनपुरा स्थित किराए के कमरे में रखे सूटकेस में छिपा दिया गया, जबकि दूसरा हिस्सा लेकर उसके साथी फरार हो गए।

पुलिस ने अंशु को गिरफ्तार कर उसके कमरे की तलाशी ली। वहां रखे सूटकेस से 26 लाख 80 हजार रुपए बरामद किए गए।

मुख्य सचिव ने पीएम ई-बस सेवा योजना के सुचारू संचालन की समीक्षा की

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य में पीएम ई-बस सेवा योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्थानीय स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। ई-बस सेवा के संचालन वाले राज्य के आठ जिलों के अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। रवि जैन ने विस्तृत पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मुख्य सचिव को योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति की जानकारी दी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-बसों के संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण एवं स्थापना समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए ताकि बसों का सुचारू संचालन हो सके और यात्रियों को अधिकतम राहत मिल सके।

सार-समाचार

योगापीस संस्था को 'बेस्ट एसोसिएट सेंटर एंगेजमेंट अवॉर्ड' मिला

नई दिल्ली/जयपुर। भारतीय योग एसोसिएशन की ओर से आयोजितसंगोष्ठी-2026 (सातवें राष्ट्रीय सम्मेलन)में योगापीस संस्था को'बेस्ट एसोसिएट सेंटर एंगेजमेंट अवॉर्ड'से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के छतरपुर स्थित अध्यात्म साधना केंद्र में आयोजित सम्मान समारोह में यह पुरस्कार योगापीस संस्था की ओर सेयोगाचार्य ढाकारामने प्राप्त किया। भारतीय योग एसोसिएशन की ओर से दिया गया यह सम्मान योगापीस संस्था की योग क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता, भारतीय योग परंपरा के प्रसार तथा विभिन्न स्तरों पर योग गतिविधियों से निरंतर जुड़ाव के लिए प्रदान किया गया। संस्था की ओर से योग के माध्यम से स्वास्थ्य एवं जन-जागरण को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी इस उपलब्धि से प्रोत्साहन मिला है। योगापीस संस्था को मिले इस सम्मान को संस्था की निरंतर गतिविधियों और सहभागिता की पहचान के रूप में देखा जा रहा है। संस्था से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि योग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही अधिक लोगों तक योग और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित करेगी।

होटल में तोड़फोड़ के मामले में फरार दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने मालवीय नगर स्थित होटल में तोड़फोड़, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में करीब 10 माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पूर्व में हत्या के प्रकरण में भी निरुद्ध रह चुके हैं। पुलिस ने मालवीय नगर स्थित होटल में तोड़फोड़, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में करीब 10 माह से फरार चल रहे आरोपी कौशल नागर उर्फ धाकड़ सरकार (26) और विशाल सिंह उर्फ विशाल मदेरणा (21) को गिरफ्तार किया। मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भरतपुर जिले के उच्चैन थाना क्षेत्र के सेरी कला निवासी विशाल सिंह उर्फ विशाल मदेरणा के खिलाफ उच्चैन और रामनगरिया थाने में मारपीट, धमकी तथा गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। वहीं बूंदी जिले के नैनवा थाना क्षेत्र के बामनगांव निवासी कौशल नागर उर्फ धाकड़ सरकार के खिलाफ मदनगंज और क्रिश्चियनगंज (अजमेर) तथा सांगानेर (जयपुर पूर्व) में चोरी, नकबजनी और मारपीट सहित कई मामले दर्ज हैं।

पांच साल से फरार दो हजार का इनामी नशा तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने नशा तस्करी और अवैध हथियार सप्लाई के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2021 से फरार दो हजार रुपए के इनामी नशा तस्कर भजनलाल बिश्नोई और वर्ष 2024 से वांछित हथियार सप्लायर राजवीर बलाई को पकड़ा है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया के अनुसार 31 जुलाई 2021 को मुहाना थाना पुलिस ने अवैध अफीम के साथ मांगीलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में मांगीलाल ने पुलिस को बताया कि उसे अफीम भजनलाल बिश्नोई से मिली थी। इसके बाद से भजनलाल फरार चल रहा था और उस पर दो हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से भजनलाल बिश्नोई (28) पुत्र सुखराम बिश्नोई, निवासी मंडवाणियों की ढाणी, भीनमाल, जालौर को गिरफ्तार कर लिया। इस पर पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी राजवीर बलाई (35) पुत्र मोहनलाल, निवासी संजय नगर, चित्रकूट, जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। राजवीर करीब दो साल से पुलिस को वांछित था।

गाड़ियों में तोड़फोड़ व मारपीट करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने बीच सड़क पर गाड़ी खड़ी कर शराब पीने का विरोध करने पर हुए विवाद के बाद घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी कारों और बाइक में तोड़फोड़ की तथा घर में घुसकर पीड़ित और उसके परिजनों से मारपीट की। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि बाढ़ श्योपुर, सांगानेर सदर निवासी राजेश मीणा (22) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 सितंबर को वह अपने भाई और दोस्तों के साथ रिंग रोड स्थित ढाबे से खाना खाकर लौट रहा था। रास्ते में कुछ युवक बीच सड़क पर गाड़ी खड़ी कर शराब पी रहे थे। उन्हें सड़क से हटने और शराब पीने से रोकने पर आरोपियों ने राजेश और करण के साथ मारपीट कर दी, जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़ित के अनुसार घटना के बाद देर रात करीब 1:30 बजे राजेश मीणा उर्फ करण कांदा, कृष्णा मीणा मांड्या, जीतू चौपड़ा, छोटू मीणा, शुभम खेड़ली, कौशल सहित कई युवक लाठी, डंडे और सरिये लेकर उसके घर पहुंच गए। आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी स्विफ्ट, बोलेरो, स्कॉर्पियो और बाइक में तोड़फोड़ की। इसके बाद आरोपी घर में घुस गए और वहां भी मारपीट की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुबेर रंगरेज (21) पुत्र मोहम्मद सलीम रंगरेज, निवासी सुभाष कॉलोनी, सांगानेर, थाना मालपुरा गेट को गिरफ्तार कर लिया।

राधाष्टमी पर गोविंददेवजी मंदिर में पंचामृत से होगा महाभिषेक

जयपुर। मंदिर गोविंद देव जी महाराज में राधाष्टमी महोत्सव 19 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 18 सितंबर तक मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन दिनों सुबह-शाम प्रसिद्ध भजन मंडलियों की ओर से हरिनाम संकीर्तन और भजनों की प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। 18 सितंबर को सुबह से शाम तक अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन होगा। 16 सितंबर को सुबह श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति और शाम को एसएमएस ब्लड बैंक परिवार की ओर से भजन-कीर्तन किया गया। 17 सितंबर को सुबह सरस प्रभात मंडल और शाम को श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से संकीर्तन होगा। इन दिनों राजभोग की झांकी सुबह 10.45 से 11.15 बजे तक रहेगी।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
THURSDAY
17 September 2026
A-B

Celebrating the Soul of Storytelling Through Song

International Country Music Day, observed on September 17, celebrates one of the most beloved music genres worldwide. Rooted in folk traditions, storytelling, and soulful melodies, country music has evolved into a global phenomenon that connects people through its heartfelt lyrics and rustic charm. The day honours legendary artists who shaped the genre as well as emerging voices keeping the tradition alive. From classic ballads to modern country-pop fusions, the music resonates with themes of love, resilience, and everyday life. Celebrated with concerts, playlists, and fan gatherings, it's a tribute to the enduring power of country music.

#JOHN WILLIAM WATERHOUSE

The Last Painting

Black Death tore through Florence, so, the writer Giovanni Boccaccio imagined 10 Florentines, 7 women and 3 men, escaping to a villa in the countryside

This is one of the last paintings John William Waterhouse ever made, and it is basically the world's first quarantine podcast. Painted in 1916 by John William Waterhouse, *A Tale from the Decameron* is set in 14th century Italy, and it captures one of the most famous group chats in literary history. In 1348, The Black Death tore through Florence, killed two-thirds of the city. Bodies in the streets, mass graves, total collapse. So, the writer Giovanni Boccaccio imagined 10 Florentines, 7 women and 3 men, escaping to a villa in the countryside. There, to keep themselves from going completely insane, they told each other stories. 100 of them, over 10 days. That is the Decameron. Have a look at the painting. The man in the red cap is the storyteller. The girls are leaning in. Everyone's beautifully dressed, sitting in a garden full of fountains and flowers, like nothing is wrong. But it is. And here is the wild part. Waterhouse painted this in 1916 during World War I. He died a year later. Same impulse, different plague.

#FOOD

Sambhar For Sambhaji

Sambhar was invented in the South because of the North

Who knew sambhar came with such a spicy plot twist? At South Side Story's literary curtain-raiser Bookmarked, Dr. Shashi Tharoor turned a seemingly simple question into a deliciously witty origin tale.

Asked whether he enjoyed Delhi's version of the dish, Tharoor began, "Look, you guys have to understand that sambhar was invented in the South because of the North." He explained that when the Marathas conquered Tanjavur, they installed Sambhaji as Maharaja, who, missing his daal, prompted southern cooks to improvise a suitable replacement. "Sambhar was named for Sambhaji, the Maratha Peshwa of Tanjavur. And that's how it came about," he quipped, eliciting laughter before concluding with characteristic charm: "So, whatever you guys do to sambhar can't be worse than what we did to daal." Audiences across social media dubbed it "classic Tharoor storytelling," even as some playfully corrected his North vs. West India geography.

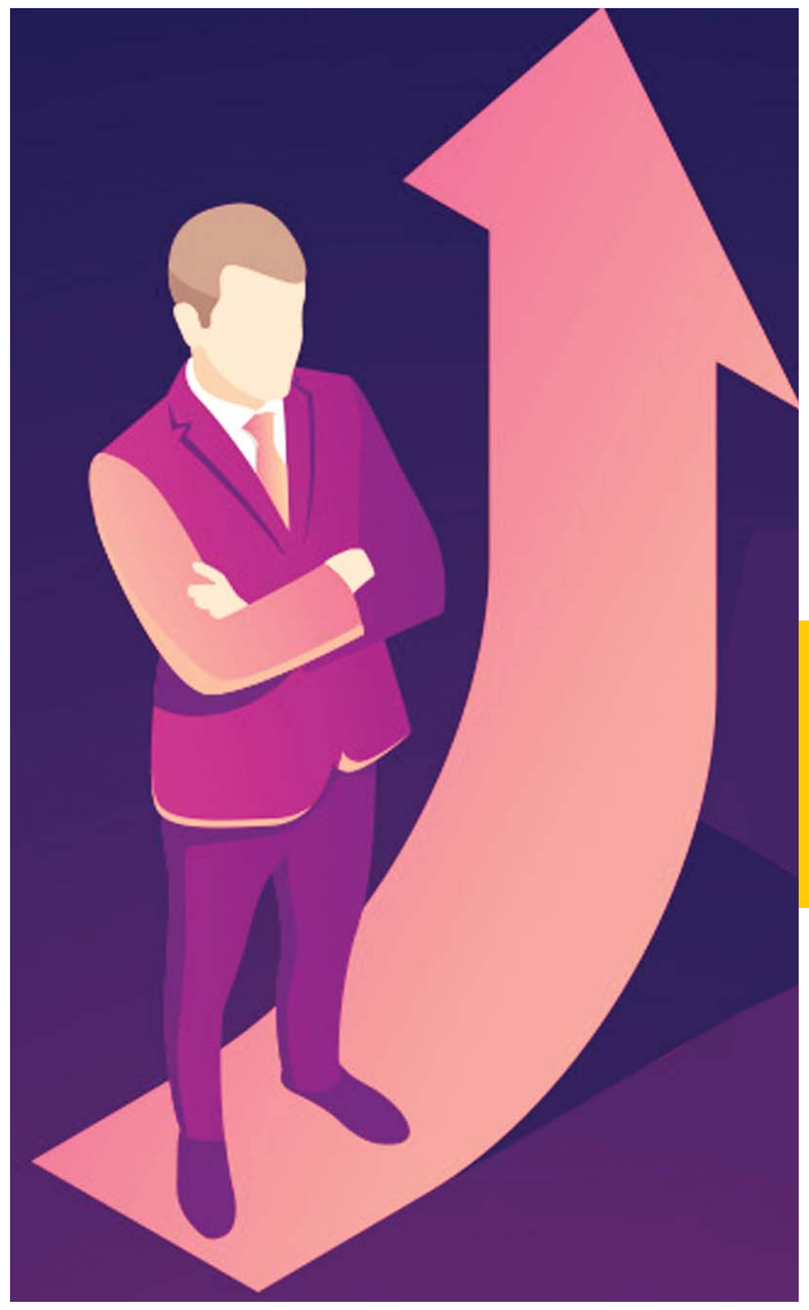

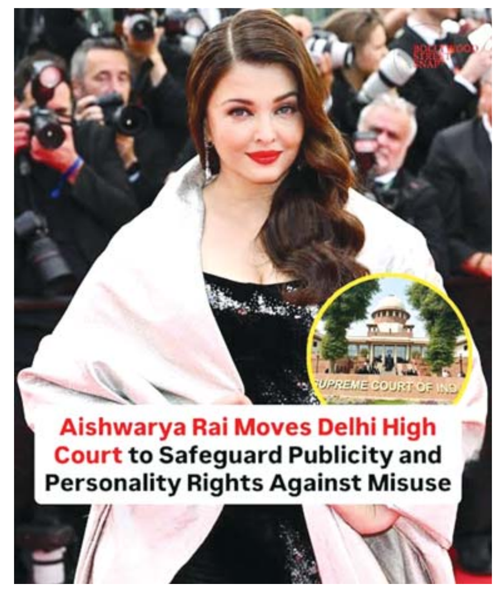

Personality rights and defamation, though they can look similar from the outside, are answering different questions. Personality rights exist to stop someone else from making money, or deceiving the public, by trading on the commercial value of your identity, your face on a T-shirt you never approved, your voice cloned to sell a loan app, a fake video suggesting you endorsed a product you have never touched. What Chadha complained of was not anyone profiting from his persona; it was people saying false and damaging things about him as a politician. That is a reputational injury, and Indian law has a well-worn, if imperfect, path for it, defamation complete with its own defences of truth, fair comment, and public interest, none of which have anything to do with commercial identity theft. A politician facing false allegations does not get to reach for the celebrity's toolkit merely because both grievances involve someone's name being dragged through the mud.

Why Everyone Is Suddenly Suing in Delhi ?

#LAW

Adv. Shashank Agarwal
(Ex Sr Vice President of the High Court Bar Association)

In the last article, we asked a simple question: if your face turns up in an advertisement you never agreed to, or an AI-generated video puts words in your mouth, which Indian law protects you? The honest answer, we said, was: not much a constitutional right built for a different purpose, and a law of torts nobody quite trusts.

Since then, nothing has changed in Parliament. But a great deal has changed in one courtroom. If you have followed the news even loosely over the past year, you will have noticed a pattern: a cricketer here, a film star there, each turning up at the Delhi High Court asking a judge to stop someone from stealing their face. It is worth asking why Delhi, of all places, has become the address for this and worth looking closely at the one recent case where a well-known public figure asked for the same protection and was told, quite firmly, that he could not have it.

The Delhi High Court Has Become the Address!

Legal commentators tracking this trend counted more than twenty personality rights suits filed in Indian courts, overwhelmingly in Delhi, in roughly the past two years alone. The list reads like a cross-section of Indian public life. Cricketer Gautam Gambhir went to court this year over deepfake videos, a fabricated resignation announcement, and merchandise sold in his name, seeking Rs. 2.5 crore in damages. Cricketer Yuvraj Singh followed soon after, after AI-generated images placed him, without his consent, at a Sikh shrine with his head uncovered, content the court itself called "religiously insensitive" alongside a fake Reddit post attributing opinions to him he never held. The judge did not mince words, observing that "violators of personality and privacy rights need to be dealt with a heavy hand." Cricketer Sunil Gavaskar, actor Salman Khan, actor Shilpa Shetty, and the spiritual teacher Sri Sri Ravi Shankar have all filed similar suits. Actor Aishwarya Rai Bachchan and actor Tabu have moved court over AI misuse of their image.

Why Delhi, and not Mumbai, where most of Bollywood actually lives, or Chennai, where much of South Indian cinema is based? Part of the answer is structural. Delhi High Court set up a dedicated Intellectual Property Division in 2021, staffed by judges who have spent years handling exactly this kind of dispute and have grown comfortable granting fast, often ex parte, injunctions including so-called "John Doe" orders that restrain unnamed, unidentifiable defendants the moment a violation surfaces online. For a client whose deepfake video is racking up views by the hour, that speed matters more than home turf. Delhi has, in effect, built the country's only real playbook for this kind of case, and everybody, Mumbai star or Chennai cricketer, has learned to use it.

The Case of the MP Who Was Told: This Isn't Personality Rights

Then came a case that tells us just as much by what the court refused to do. Earlier this year, Rajya Sabha MP Raghav Chadha approached the Delhi High Court over social media posts he called obscene and defamatory, alleging, among other things, that he had "sold himself for money." He sought a blanket order to remove all such content, framing his plea, like the film stars before him, as a personality rights matter.

The court gave him some relief, it ordered the takedown of five specific posts. But it declined the blanket order, and it said something more important along the way: this case, the court held, did not actually involve personality rights at all. The relief was granted under the law of defamation, not under the doctrine that has been protecting Gambhir, Yuvraj Singh, and the rest.

Why the difference? Because personality rights and defamation, though they can look similar from the outside, are answering different questions. Personality rights exist to stop someone else from making money, or deceiving the public, by trading on the commercial value of your identity, your face on a T-shirt you never approved, your voice cloned to sell a loan app, a fake video suggesting you endorsed a product you have never touched. What Chadha complained of was not anyone profiting from his persona; it was people saying false and damaging things about him as a politician. That is a reputational injury, and Indian law has a well-worn, if imperfect, path for it, defamation complete with its own defences of truth, fair comment, and public interest, none of which have anything to do with commercial identity theft. A politician facing false allegations does not get to reach for the celebrity's toolkit merely because both grievances involve someone's name being dragged through the mud.

Drawing the Line: When Personality Rights Apply, and When They Don't

This gives us, finally, a workable answer to the question every general reader actually wants answered: when can you claim these rights, and when can't you?

Courts tend to lean in your favour when someone is using your name, face, voice, or unmistakable likeness to make money or to deceive selling merchandise bearing your image without a licence, creating an AI video that puts fabricated words or endorsements in your mouth, or building a business around your persona without paying you or asking you. This is the common thread running through the Gambhir and Yuvraj Singh orders: real commercial exploitation, dressed up as something else.

Courts tend to lean away from you in at least two situations. The first, as Chadha discovered, is when your real complaint is about reputation and falsehood rather than commercial misuse that belongs to defamation law, with its own, different rules. The second is when the challenged use is not commercial exploitation at all but genuine expression satire, parody, art, journalism, or fair comment. The Delhi High Court made this point sharply in an earlier dispute over cricketers' digital trading cards, a case with a distinctly Rajasthani flavour: an unlicensed fantasy-sports platform had used the names and likenesses of IPL players, including several who turn out for the Rajasthan Royals, in commissioned artwork rather than actual photographs, with clear disclaimers attached. As it has been held that the right of publicity is not absolute; it must bend to free expression and that lampooning, satire, parody, art, scholarship, and news reporting are all legitimate uses that a celebrity cannot block simply by invoking their persona. Fame, in other words, does not buy you a veto over every mention of your own name.

That case is a useful reminder for anyone tempted to see this as a one-way ratchet. Legal commentators tracking the recent surge have themselves flagged a real worry: some Delhi High Court orders have gone further than they should, restraining ordinary fan tribute pages, blocking T-shirts carrying a celebrity's catchphrase without asking whether any buyer was actually confused, and even purporting to bind millions of anonymous social media "subscribers." A right built to stop identity theft can, if courts are not careful, start to look like a right to control culture itself.

Rajasthan's Turn Will Come

Which brings us to a curious gap. For an article written from Rajasthan, one would expect at least a passing mention of a case filed here. There isn't one, not in the Jaipur bench of the Rajasthan High Court, nor anywhere else in the state, despite the state's own strong claim to this conversation. The fantasy-cards dispute above involved Rajasthan Royals players, yet, it was fought and decided in Delhi. Jaipur and Jodhpur host a growing film and web-series economy; Kota and Jaipur have produced no shortage of social media influencers with real, monetisable followings; the state's folk musicians and sportspersons face exactly the same deepfake and impersonation risks as any Bollywood star. None of them, so far, has tested these principles before a Rajasthan court.

That is not because the law here is any different, the constitutional and tort principles discussed in the first part of this series apply with equal force in Jaipur as in Delhi. It is simply that nobody has yet asked a Rajasthan court to apply them, which means the state's own bench has had no occasion to develop the kind of fast, confident, specialist practice that Delhi has built over the last five years. Sooner or later, as this problem spreads beyond national celebrities to the ordinary professional and the mid-tier influencer, this series has argued deserves protection too, that gap will need filling either by Rajasthan's courts stepping up, or, better still, by a Parliament that finally gives every citizen, wherever they live, a clear statute to stand on rather than a doctrine borrowed from one High Court's docket.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FINE

Myanmar Unearths a Giant 11,000-Carat Ruby

Myanmar has been estimated to produce a very large share of the world's rubies, with Mogok often referred to as the country's legendary "Valley of Rubies"

Miners in Myanmar have unearthed an extraordinary 11,000-carat ruby, weighing around 2.2 kilograms (4.8 pounds), in what is being described as the country's second-heaviest ruby discovery by weight.

The enormous rough gemstone was discovered near Mogok, in Myanmar's upper Mandalay region, an area internationally famous for producing some of the world's finest rubies. The discovery reportedly took place in April, shortly after the traditional New Year festival.

The ruby was later displayed at the presidential office in Naypyidaw, where President Min Aung Hlaing and members of his cabinet examined the remarkable stone. Although the newly discovered ruby is enormous, it is not the largest ever found in Myanmar. That distinction belongs to a 21,450-carat ruby discovered in 1996, which weighed approximately 4.29 kilograms (9.45 pounds). However, size is not the only factor that determines a ruby's value.

The newly discovered stone is reportedly considered potentially more valuable because of its superior colour and quality. It has been described as having a distinctive purplish-red colour with yellowish undertones, moderate transparency and a highly reflective surface.

Rubies from Myanmar, particularly those originating in Mogok and Mong Hsu, are among the most prized gemstones in the world. Myanmar has historically been estimated to produce a very large share of the world's rubies, with Mogok often referred to as the country's legendary "Valley of Rubies." But the discovery comes at a complicated time for Myanmar's gemstone industry.

The Mogok region has experienced intense fighting amid the country's ongoing civil war. Gemstones have long been an important source of revenue for Myanmar, but the industry has also attracted international criticism over the way revenues from precious stones can support military authorities.

Human-rights organisations, including Global Witness, have called on jewellery companies and consumers to avoid purchasing gems originating from Myanmar because of concerns over the financing of military rule.

Myanmar's political situation remains deeply contested following the military takeover in 2021. The country's recent elections and political transition have also been criticised by opposition groups and human-rights organisations.

Against this backdrop, the discovery of an 11,000-carat ruby represents more than a spectacular geological event. It highlights the extraordinary natural wealth hidden beneath Myanmar's soil, and the complicated relationship between beauty, wealth, politics and conflict.

A rough ruby weighing more than two kilograms is rare enough to make headlines anywhere in the world. But in Myanmar, where rubies have shaped economies, attracted international buyers and become entangled with decades of political conflict, even a magnificent gemstone carries a much larger story beneath its surface.

THE WALL

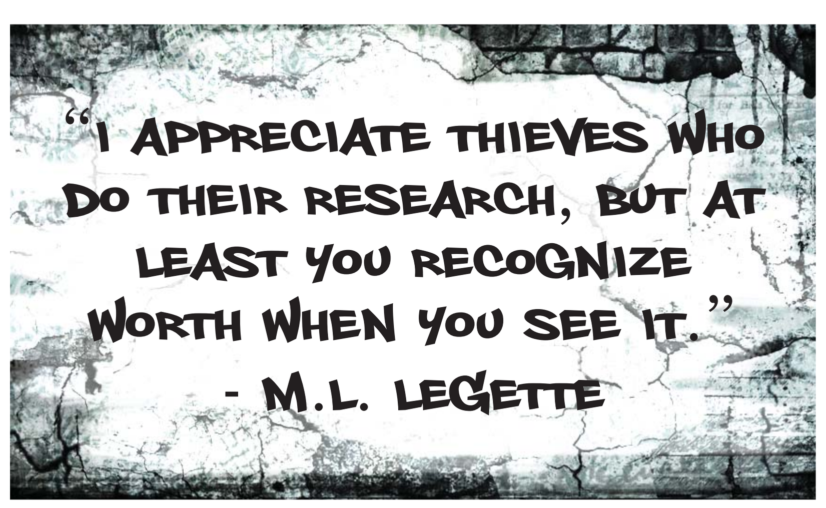

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सूरौठ कस्बा सहित आसपास क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, पेड़ गिरे

बाजरे की फसल को नुकसान पहुंचा, सड़कों व निचले इलाकों में पानी भरा

सूरौठ, (निसं)। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में बुधवार को अचानक मौसम ने करवट ली। दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश का दौर शुरू होते ही लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। करीब काफी देर तक हुई बारिश से कस्बे की सड़कें पानी से तरबतर हो गईं तथा निचले इलाकों में पानी जमा हो गया। बारिश के साथ चली तेज हवाओं के कारण कस्बे और आसपास के कई स्थानों पर पेड़ एवं पेड़ों की बड़ी-बड़ी टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं। इससे कुछ मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह लोगों ने सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया।

सूरौठ क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हुई बरसात में कई जगह पेड़ गिर गये।

- **आवागमन प्रभावित हुआ, कई जगह लोगों ने सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया**

जानकारी के अनुसार कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। तेज हवा और बारिश का असर खेतों में खड़ी बाजरे की फसल पर भी देखने को मिला। क्षेत्र में कई स्थानों पर बाजरे की फसल आड़ी पड़ गई। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि फसल पकने के समय तेज हवाओं के साथ बारिश होने से फसल को नुकसान की आशंका बनी हुई है। हालांकि बारिश से खेतों में नमी आने से अन्य फसलों को फायदा मिलने की उम्मीद भी है। बारिश के बाद कस्बे के तापमान में गिरावट आने से मौसम काफी सुहाना हो गया।

लंबे समय से तेज गर्मी और उमस झेल रहे लोगों ने बारिश का आनंद लिया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय बाद अच्छी बारिश होने से वातावरण में ठंडक आई है। हालांकि तेज हवाओं के कारण पेड़ों के गिरने और बाजरे की फसल के आड़े पड़ने से किसानों को नुकसान की चिंता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मार्गों और जलभराव वाले स्थानों की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

पावटा क्षेत्र में मेले की झांकी के दौरान हादसा, सात घायल

- **बच्ची सहित एक महिला जयपुर रेफर, तीन महिलाओं को कोटपूतली भेजा**

पावटा, (निसं)। गांव बुचारा में भोमिया जी महाराज के मेले के दौरान निकाली जा रही झांकी के साथ चल रहे पदयात्रियों के बीच अचानक हादसा हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में दो पदयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पांच अन्य महिलाओं को भी चोटें आईं।

जानकारी के अनुसार भोमिया जी महाराज के मेले को लेकर श्रद्धालुओं की ओर से झांकी निकाली जा रही थी। झांकी के साथ बड़ी संख्या में पदयात्री भी चल रहे थे। इसी दौरान हुए हादसे में मनीषा (25) और अक्षिता (7), निवासी बुचारा गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते जयपुर रेफर किया गया। वहीं हादसे में घायल तीन महिलाओं को फ्रैक्चर होने के कारण कोटपूतली जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि दो अन्य महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को संभाला और उपचार के लिए उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाने की व्यवस्था की। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। मेले के बीच हुए हादसे से कुछ समय के लिए माहौल में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर प्रागपुरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच अचानक हुए हादसे ने उत्सव के माहौल को कुछ देर के लिए गमगीन कर दिया।

कारोबारी के खाते से पांच लाख पार

- **कारोबारी के पास कोई ओटीपी नंबर भी नहीं आया था**

जोधपुर, (कासं)। पशु आहार का कारोबार करने वाले एक व्यक्ति के बैंक खाते से दो बार में पांच लाख रूपए पार हो गए। उसके पास कोई ओटीपी नंबर भी नहीं आया था। खाते से रूपए निकलने की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने साइबर पोर्टल के साथ विवेक विहार पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 2.66 रूपए होल्ड करवा दिए। घटना 14 सितंबर की है। मामले में विवेक विहार थाना पुलिस जांच कर रही हैं।

थानाधिकारी भवानी सिंह ने बताया कि बालाजी नगर विवेक विहार निवासी सुनील विश्नोई पशु आहार का काम करता है। 14 सितंबर को उसके बैंक खाते से दो बार में पांच लाख रूपए पार हो गए। किसी शातिर ने बगैर ओटीपी नंबर भेजे दो बार में यानी पहले 1 लाख फिर 4 लाख रूपए निकाल लिए। पता लगने पर उसके द्वारा साइबर पोर्टल पर शिकायत दिए जाने के साथ थाने में केस दर्ज कराय गया। थानाधिकारी भवानी सिंह ने बताया कि पुलिस की साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके 2.66 लाख रूपए होल्ड करवाए हैं। अन्य रकम वापसी के प्रयास जारी है। मामला आईटी एक्ट में दर्ज किया गया है।

धमकी देकर विवाहिता से दुष्कर्म

खेत काश्त के लिए रखने वाले मालिक पर दुष्कर्म और पति को शराब में जहर देने का आरोप लगाया

बीकानेर, (निसं)। पति और बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। खेत काश्त के लिए रखने वाले मालिक पर दुष्कर्म और पति को शराब में जहर देने का आरोप लगाया गया है।

पीड़िता की ओर से जसरासर थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि जुलाई, 23 में उसकी शादी हुई थी। बाद में खेत मालिक ने पीड़िता और उसके पति को खेत काश्त करने के लिए रख लिया। खेत में ही रहने की जगह दी और 15,000 रुपए महीने देने लगा। इस दौरान खेत मालिक उसके पति को शराब पिलाने लगा और उस पर बुरी नजर रखने लगा। पति को शराब को शराब पिलाकर आदी बना दिया।

आरोप है कि खेत मालिक ने पति और बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पति को शराब पिलाता, खुद भी पीता और उसके साथ दुष्कर्म करता था। खेत मालिक 9 अप्रैल को अपने दोस्त के पास ले गया और वहां 15000 रुपए माह खेत काश्त पर रखा। हर दो दिन में वहां आता और पति को शराब पिलाकर डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था। परेशान होकर वह अपने ससुराल आ गई तो खेत मालिक यहां भी परेशान करने लगा। उसे वापस खेत पर आने के लिए मजबूर करने लगा। मना किया तो वहां आ गया और पति को शराब में जहर दे दिया जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पति को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उसकी याददाश्त कमजोर हो गई। एसएचओ राकेश स्वामी ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सीओ नोखा जरनेलसिंह करेंगे।

सड़क हादसे में छह लोग घायल

डूंगरपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में उदयपुर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक हादसा हो गया। यहां टोल प्लाजा के पास एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार छह लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुजरात के अहमदाबाद में रहने वाले 2 दोस्तों के परिवार के 7 सदस्य इनोवा कार से उदयपुर घूमने आए थे। वापसी के दौरान खेरवाड़ा टोल प्लाजा के पास उनकी कार अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह टूट गया। हादसे की खबर मिलते ही हाईवे एम्बुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची।

भारत-अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास "युद्ध अभ्यास" बीकानेर व उत्तराखंड में शुरू

दोनों देश दुश्मन को उसी के घर में घुसकर मारने का अभ्यास करेंगे

बीकानेर, (निसं)। भारत-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास' बीकानेर की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तराखंड के औली एक साथ शुरू हुआ। दोनों देश दुश्मन को उसी के घर में घुसकर मारने का अभ्यास करेंगे।

जाकनारी के अनुसार महाजन फील्ड फायरिंग में एक बार तोपें गजर उठीं। युद्धाभ्यास के 22वें संस्करण का उद्घाटन समारोह महाजन और औली विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेना की 14वीं इन्फेंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन और अमेरिकी सेना की 11 वीं एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फेंट्री ब्रिगेड कॉम्बेट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने दोनों पक्षों के 600-600 जवानों वाले प्रतिभागी दलों को संबोधित किया। यह अभ्यास राजस्थान के औली और महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भी एक ही समय पर आयोजित किया जा रहा है। इस अभ्यास का उद्देश्य पर्वतीय और अर्ध-पर्वतीय क्षेत्रों में एकीकृत युद्ध समूहों के उपयोग के लिए दोनों सेनाओं की संयुक्त सैन्य क्षमता में वृद्धि करना है जिसमें पैदल सेना-प्रधान अभियानों पर विशेष बल दिया गया है।

इससे अंतर-संचालनीयता सुदृढ़ होगी, सर्वोत्तम परिचालन पद्धतियों का आदान-प्रदान सुगम होगा और संयुक्त योजना तथा क्रियान्वयन को मजबूत बनाया जा सकेगा। इस अभ्यास में प्रौद्योगिकी के समावेश पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षण में निगरानी और टोही कार्यों के लिए ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों का उपयोग शामिल होगा। साथ ही महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। दोनों सेनाओं के विषय विशेषज्ञ उभरती प्रौद्योगिकियों और बहु-क्षेत्रीय युद्ध में हो रहे बदलावों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। यह अभ्यास दोनों सेनाओं को रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा और विभिन्न भू भागों तथा परिचालन संबंधी वातावरणों में समन्वित सैन्य कार्रवाइयां करने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।

सीकर में सड़क किनारे एक्सीडेंट हुई गाड़ी से 45 किलो डोडा-पोस्त बरामद

- **पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार किया, आरोपी को उसके दोस्त ने गाड़ी घर पर ले जाने के लिए दी थी**

सीकर, (निसं)। सीकर में सड़क किनारे एक्सीडेंट हुई गाड़ी में 45 किलो डोडा-पोस्त मिला। नेछवा थाना पुलिस ने मौके से आरोपी रामस्वरूप सैन (19) उर्फ महावीर सैन निवासी नरसास को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी को उसके दोस्त ने गाड़ी घर पर ले जाने के लिए दी थी। अब पुलिस फरार दोस्त की तलाश कर रही है।

नेछवा थाना एसएचओ रमेशचंद मीणा ने बताया कि पुलिस टीम मंगलवार रात को रूटीन गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुन्नी प्याऊ से नरसास जाने वाली सड़क पर रोड किनारे एक्सीडेंट हुई एक गाड़ी मिली। गाड़ी की ड्राइवर सीट पर एक आदमी बैठा हुआ मिला। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने गाड़ी में बैठे युवक से पूछताछ की। उसने अपना नाम रामस्वरूप सैन बताया और कहा कि उसकी गाड़ी अनबैलेंस होकर पलटी खा गई। पुलिस को रामस्वरूप की क्रेटा गाड़ी में 2 प्लास्टिक के कट्टे मिले। जब इन कट्टों की तलाशी ली गई तो उसमें डोडा-पोस्त था। ऐसे में पुलिस ने आरोपी रामस्वरूप को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एक्ट में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी रामस्वरूप का एक दोस्त रेस्टोरेंट चलाता है। रेस्टोरेंट चलाने वाले उस दोस्त ने ही गाड़ी रामस्वरूप को घर पर ले जाने के लिए दी थी, लेकिन रास्ते में एक्सीडेंट हो गया।

दुबई भेजने के नाम पर युवक से एक लाख ठगे

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर स्थित लूणावास खारा गांव में युवक को दुबई भेजने और रोजगार वीजा दिलाने के नाम पर करीब एक लाख रूपए हड़प लिए गए। पीड़ित ने अब झंवर थाने में नामजद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

झंवर पुलिस ने बताया कि विष्णु की ढाणी निवासी रमेश मेघवाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 28 जून को उसकी दुबई जाने को लेकर घेवड़ा निवासी श्याम शर्मा से व्हाट्सऐप पर बातचीत हुई। इसके बाद 30 जून से अलग-अलग तारीखों में फोन-पे के जरिए करीब एक लाख रुपये भेजे गए। आरोपी ने रोजगार वीजा दिलाने और दुबई भेजने का भरोसा दिलाया तथा परिवादी और उसकी पत्नी के मूल पासपोर्ट भी जमा करवा लिए। रिपोर्ट के मुताबिक रकम लेने के बाद आरोपी ने दो दिन में वीजा और टिकट तैयार होने की बात कही थी लेकिन बाद में लगातार तारीखें देता रहा। परिवादी का आरोप है कि पासपोर्ट और रकम वापस मांगने पर भी उसे लगातार आश्वासन दिए जाते रहे। 12 सितंबर को भी व्हाट्सऐप पर संपर्क किया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

कोटा में ऑटो चालक की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में ऑटो के टच होने के मामुली विवाद पर हुई कहासुनी को लेकर ऑटो चालक की हत्या के मामले में नयापुरा पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेकर कार्यवाही करते हुए वारदात के 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि नयापुरा इलाके के जेकेलॉन चौराहे के समीप एक ऑटो चालक मुजाहिद हुसैन की हत्या का मामला सामने आया। मामले में मृतक के भाई ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसको उसके भाई मुजाहिद हुसैन के हमले में घायल होने की सूचना मिली, जिस पर अस्पताल पहुंचा जहां पर पता चला कि उसका भाई ऑटो लेकर जेकेलॉन चौराहे के समीप पहुंचा, जहां शराफत हुसैन का ऑटो उसके भाई के ऑटो से अड़ गया जिस पर उसके भाई मुजाहिद हुसैन ने टोका तो दोनों के बीच विवाद हो गया और अचानक से शराफत हुसैन ने कोई नुकीली धारदार हथियारनुमा चीज से उसके भाई पर हमला कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि हमले में घायल उसके भाई मुजाहिद हुसैन की उपचार के दौरान मौत हो गई। शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा में मामला दर्ज किया, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने सीसीटीवी फुटैज खंगाले, मामले में टीम ने कार्यवाही करते हुए ऑटो चालक मुजाहिद हुसैन की हत्या के मामले में आरोपी नेहरू कॉलोनी नयापुरा निवासी शराफत हुसैन को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में अनुसंधान किया तो मामले में सामने आया कि दोनों ऑटो चालक है, दोनों के ऑटो अड़ जाने पर दोनों के बीच विवाद हो गया।

लाखों के जेवर व नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के भट्टी की बावड़ी टेंपो स्टैण्ड के नजदीक एक घर में रात के समय चोरी हो गई। अज्ञात चोर घर के तोले खोले बगैर नगदी और जेवरात ले गए। अलमारी से चाबी को निकाल कर वारदात को अंजाम दिया गया। घटना को लेकर किसी जानकार का हाथ होने की भी आशंका जताई जाती है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज किया है। अग्रिम जांच चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस की तरफ से की जा रही है।

भट्टी की बावड़ी, टेम्पो स्टैंड के पास निवासी ईश्वर सिंह गहलोत ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 12 सितंबर की सुबह काम पर चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी पीहर चली गई थीं। 14 सितंबर की शाम करीब 6 बजे पत्नी घर लौटी और छत पर गई तो गेट के घुमघुमे में टूट-फूट नजर आई। इसके बाद घर की अलमारियां जांचने पर चोरी का पता चला। घर में दो अलमारियां पास-पास रखी थीं। अज्ञात व्यक्ति ने एक अलमारी से चाबी निकाल कर दूसरी अलमारी का लॉक खोला और उसमें रखे गहने व एक लाख रुपये नगद चोरी कर लिए।

ट्रक से आठ लाख की शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रतनपुर बॉर्डर पर सब्जियों की आड में गुजरात ले जाई जा रही करीब 8 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने ट्रक से 81 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद किए और हरियाणा निवासी ड्राइवर धर्मबीर वाल्मीकि को गिरफ्तार किया है।

सीआई देवेंद्र देवल ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक आईसर ट्रक में गुप्त रूप से अंग्रेजी शराब भरकर गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना के बाद पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर सतर्कता बढ़ाई और संदिग्ध ट्रक को रुकवाकर जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने ट्रक में लौकी और अन्य सब्जियां भरी होने की बात कही।

पुलिस ने जब ट्रक की गहराई से तलाशी ली तो ऊपर सब्जियों के कैरेट रखे हुए मिले। पुलिस ने कैरेट हटाए तो उनके नीचे शराब के कार्टन छिपाकर रखे गए थे। सब्जियों के कैरेट हटाने के बाद पुलिस को ट्रक से कुल 81 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने शराब और ट्रक को जब्त कर लिया। जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार शराब उदयपुर की तरफ से गुजरात ले जाई जा रही थी। मामले में ट्रक ड्राइवर धर्मबीर वाल्मीकि को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब शराब की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

युवक से ठगी

उदयपुर। शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। अज्ञात नंबर से आए मैसेज के बाद पीड़ित यशवंत कुमार बोकडिया के मोबाइल पर अचानक 20.25 ओटीपी आने लगे। कुछ समझ पाता, इससे पहले ही अलग-अलग बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से रकम डेबिट होने के मैसेज मोबाइल पर आने लगे। कुछ ही समय में 2.42 लाख की राशि निकल गई।

डॉ. सूरज सिंह नेगी और निहाल सिंह लाम्बा सम्मानित होंगे

जयपुर। डॉ. ओ. पी. शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट चूरू की ओर से 20 सितम्बर को चूरूके दादू भवन में ट्रस्ट का सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा।

प्रबंधन ट्रस्टी डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. सूरज सिंह नेगी को मनुज साहित्य सम्मान 2026 और पर्यावरण संरक्षक निहाल सिंह लाम्बा को सावित्री देवी सेवा सम्मान 2026 अर्पित किया जायेगा। समारोह के अध्यक्ष डॉ. मंजू शर्मा, प्राचार्य राजकीय लोहिया महाविद्यालय और सूत्रधार साहित्यसेवी, विचारक प्रोफ़ेसर कमल कोठरी होंगे।

प्रदेशभर के 40 हजार सरकारी स्कूलों में 85 हजार कमरे जर्जर अवस्था में

बीकानेर संभाग के 574 स्कूलों में 3461 कमरे जर्जर

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी संभागों से जर्जर और असुरक्षित स्कूल भवनों की स्थिति की रिपोर्ट तीन दिन में मांगी है**

बीकानेर, (निसं)। संभाग के बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों के 574 राजकीय स्कूलों में 3461 कमरे क्षतिग्रस्त हैं। इनमें 221 स्कूल भवन पूरी तरह जर्जर और असुरक्षित घोषित किए जा चुके हैं। जर्जर भवनों और कमरों को गिराकर जमींदोज करने की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही आगामी बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था को लेकर भी चुनौती खड़ी हो गई है। बीकानेर जिले में 94 स्कूल जर्जर घोषित हैं और इनमें 1998 कमरे क्षतिग्रस्त हैं। प्रदेशभर के लगभग 40 हजार सरकारी स्कूलों में जर्जर और क्षतिग्रस्त कमरों की संख्या 85 हजार से अधिक बताई जा रही है। एडीपीसी समग्र शिक्षा कृष्ण कुमार विश्नोई ने इन जर्जर स्कूलों और कक्षा-कक्षों को गिराने तथा मलबे के निस्तारण के लिए मंजूरी दी है।

कक्षा-कक्षों के हटने से कई स्कूलों में नियमित कक्षाओं के संचालन के साथ बोर्ड परीक्षा के दौरान अतिरिक्त परीक्षार्थियों को बैठाने की क्षमता भी कम होगी। हनुमानगढ़ में 365 स्कूलों के 1032 कमरे तथा श्रीगंगानगर में 115 स्कूलों के 431 कमरे जर्जर हैं। उधर, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राजकीय विद्याालय भवनों की सुरक्षा को लेकर सभी संभागों से जानकारी मांगी है। संयुक्त निदेशक (प्रशासन) माध्यमिक शिक्षा राजस्थान महेंद्र कुमार शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि अंतिम रूप से जर्जर घोषित विद्यालय भवनों को जमींदोज किए जाने तथा जर्जर भवनों में संचालित स्कूलों की सूचना निर्धारित प्रारूप में तीन कार्यदिवस में भेजी जाए।

श्रीडूंगरगढ़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाना में 20 में से 11 कमरे जर्जर घोषित किए जा चुके हैं। इन्हें जमींदोज करने की स्वीकृति मिल गई है। पिछले साल यहां 275 परीक्षार्थियों की बैठक व्यवस्था थी, लेकिन अब संस्था प्रधान ने आगामी बोर्ड परीक्षा में अधिकतम 172 विद्यार्थियों के आवंटन का आग्रह किया है। जर्जर कमरों के हटने से परीक्षा क्षमता में 103 विद्यार्थियों की कमी होगी। बज्जू खालसा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चारणवाला में चार कक्षा-कक्ष क्षतिग्रस्त हैं। पिछले साल यहां दसवीं बोर्ड परीक्षा में 120 परीक्षार्थी बैठे थे। इस बार संस्था प्रधान ने सुरक्षित कक्षों की उपलब्धता को देखते हुए केवल 96 विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था के अनुरूप आवंटन का आग्रह किया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी संभागों से जर्जर और असुरक्षित स्कूल भवनों की स्थिति की रिपोर्ट तीन दिन में मांगी है। रिपोर्ट में यह जानकारी भी देनी होगी कि जर्जर भवनों को जमींदोज किया गया है या नहीं। इससे प्रदेश में ऐसे भवनों की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

गंभीर नदी के पानी से श्रीमहावीरज़ी कस्बे का मुख्य बाजार लंबे समय से प्रभावित

श्रीमहावीरजी/करौली, (निसं)। गंभीर नदी में पानी भरे रहने से श्री महावीर ज़ी कस्बे का मुख्य बाजार लंबे समय से प्रभावित है। नदी के दूसरी ओर बसे एक दर्जन से अधिक गांवों का कस्बे से संपर्क बाधित होने के कारण व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कस्बावासियों ने सुरक्षित आवागमन के लिए गंभीर नदी पर कोजवे निर्माण की मांग की है।

कस्बावासी दिनेश पमड़ी ने बताया कि बरसात के दिनों के साथ भगवान महावीर के जलाभिषेक के दौरान नदी में पानी रहने से पार के गांवों के लोगों का श्रीमहावीरजी आना-जाना मुश्किल हो जाता है। लोगों को घूम कर दूसरे रास्ते से आना पड़ता है। इससे वर्ष में करीब दस माह तक मुख्य बाजार प्रभावित रहता है। जैन धर्मावलंबियों को मंदिर दर्शन के लिए आने-जाने में भी परेशानी होती है। नदी में पानी होने के बावजूद कई लोग जोखिम उठाकर आवागमन करते हैं। करीब दो वर्ष पहले एक जैन परिवार का चौपहिया वाहन नदी के पानी में बह गया था, जिसमें एक वृद्धा की मौत हो गई थी। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकलने से खतरा बना हुआ है। ऊंटगाड़ी चालक अभी भी यात्रियों को लेकर शांतिवीर नगर के दर्शन कराने के लिए नदी के पानी से होकर गुजर रहे हैं।

गंभीर नदी में पानी भरे रहने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है।

- **नदी के दूसरी ओर बसे एक दर्जन से अधिक गांवों का कस्बे से संपर्क बाधित होने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है**
- **कस्बावासियों ने प्रशासन और सरकार से सुरक्षित आवागमन के लिए गंभीर नदी पर कोजवे निर्माण कराने की मांग की**

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। कस्बावासियों ने प्रशासन और सरकार से जल्द कोजवे निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त

नांगल गोविंद में विकास कार्यों का लोकार्पण

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नांगल गोविंद में बुधवार को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीकर सांसद अमराराम एवं चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने शिरकत कर जनहित से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक कोष से निर्मित सीसी रोड, लागत 30 लाख, सांसद कोष से निर्मित सीसी रोड, लागत 5 लाख, उप स्वास्थ्य केन्द्र, बगडी तथा ग्राम रणजीतपुरा में रमसा के तहत निर्मित 2 कक्षा-कक्षों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सांसद अमराराम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि सडक एवं अन्य विकास कार्यों से ग्रामीणों की आवागमन संबंधी सुविधाओं में सुधार होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

किसान महापंचायत ने कलेक्टर टीना डाबी से चर्चा की

निवाई(निसं)। किसान महापंचायत ने किसानों की मांगों को लेकर महापंचायत के ब्लॉक दशरथ सिंह पलेई के नेतृत्व में जिला कलेक्टर टीना डाबी से चर्चा की एवं समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। महापंचायत के ब्लॉक दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि जिला कलेक्टर टीना डाबी से निवाई क्षेत्र की नहरी तंत्र से जोडने एवं किसानों को खाद की किल्लत को देखते हुए अति शीघ्र खाद उपलब्ध करने की मांग की गई। इस दौरान कृषि विभाग अधिकारी एवं अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे एवं अपने विचार भी रखें। इस दौरान जिला कलेक्टर टीना डाबी ने किसानों की उक्त समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया। बैठक में युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी, जिला अध्यक्ष गोपीलाल जाट, उपाध्यक्ष सीताराम, शंकरलाल मीणा, मोहनलाल चौधरी, राधेश्याम गोहरपुरा, शंकर मीना, महामंत्री सांवरमल चौधरी व राजाराम पहाड़ी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

भामाशाहों ने बढ़ाया विद्यार्थियों का हौसला

पावटा(निसं)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय किशना वाली, भांकरी में निःशुल्क सामग्री वितरण समारोह उत्साह और गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, शैक्षणिक सामग्री, पोशाक, जूते एवं आईकार्ड वितरित किए गए। उपहार पाकर नन्हे विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी देखते ही बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीईईओ शेरसिंह (भांकरी) रहे। समारोह में विद्यालय के शिक्षक सनोज वर्मा एवं भूपेन्द्र थालौड़ सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं अतिथियों ने शिरकत की। समारोह में भामाशाहों ने विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग किया। जिसमें अशोक सीए एवं शोणाराम सैनी, शोणा मोटर्स की ओर से स्कूल बैग वितरित किए गए। राजू मिस्त्री एवं डॉ. अशोक सैनी ने विद्यार्थियों को पोशाक उपलब्ध कराई।

चौमूं में 23 सितम्बर से उर्स शुरू

मनोहरपुर (निसं)। जयपुर ग्रामीण के चौमूं कस्बे के रावण गेट, मोहल्ला नागोरियान में इस बार फिर सूफियाना रंग बिखरने वाला है। हजरत सैयदना अमीर अबुल आला के नूर चश्म सूफी नईमुद्दीन उर्फ बरकतुल्ला शाह बंगाली बाबा के लगते जिगर, हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक सूफी मुंशी बुरहान उल्ला उर्फ अबुल उलाई इश्की बरकती दायमी इज्जती चिश्ती का 23 वां सालाना उर्स-ए-मुबारक बड़ी ही अकीदत व एहतराम के साथ मनाया जाएगा। उर्स कमेटी के संयोजक मो. फिरोज अबुल उलाई ने बताया कि तीन दिवसीय उर्स को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और अकीदतमंदों में भारी उत्साह है।

तेजाजी महाराज मंदिर में भंडारा आयोजित

मनोहरपुर (निसं)। तिलोकवाली चक मनोहरपुर स्थित श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर परिसर में बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान महासियों द्वारा सत्संग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए।

डीग को मिला नया जिला न्यायालय परिसर, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भवन शुरू

अधिवक्ताओं को चैंबर्स और पक्षकारों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा

राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति संजय के अग्रवाल ने उद्घाटन किया।

■ आमजन को सहज, बेहतर न्याय उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्याय भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी हो रही है

डीग भरतपुर (निसं)। जिला मुख्यालय पर नगर रोड स्थित नवनिर्मित जिला न्यायालय परिसर का बुधवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति संजय के अग्रवाल ने वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। कार्यक्रम में डीग जिला संरक्षक न्यायाधिपति बलजिंदर सिंह भी मौजूद रहे। उद्घाटन के साथ ही लंबे समय से आधुनिक न्यायालय भवन की आवश्यकता पूरी होने की उम्मीद जगी है। मुख्य न्यायाधिपति अग्रवाल ने नवनिर्मित भवन के लिए स्थानीय न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आमजन को सहज और बेहतर न्याय उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन न्याय भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी हो रही है। उन्होंने न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए नवीन न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के लिए चैंबर्स उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश हेमराज गौड़ ने कहा कि नया भवन स्थानीय पक्षकारों और अधिवक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ भविष्य में न्यायिक व्यवस्था के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि नवीन न्यायालय परिसर काफी समय पहले निर्मित हो चुका था, लेकिन जिला मुख्यालय पर आधुनिक स्तर की सुविधाओं वाले न्याय भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी हो गई है। अधिवक्ताओं के चैंबर्स सहित अन्य सुविधाओं तथा पक्षकारों के लिए जिला न्यायालय स्तर की आवश्यक व्यवस्थाओं को विकसित करने के लिए स्थानीय स्तर से उच्च न्यायालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

कार्यक्रम में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सरोज मीणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रामकृष्ण शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेनू सकीत, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नमो नारायण मीणा, न्यायिक मजिस्ट्रेट भाविका कुलहरी, जिला लोक अभियोजक राकेश खंडेलवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुबोध पाराशर, पूर्व अध्यक्ष आनंद प्रकाश पटेल, लोकेंद्र सिंह फौजदार, बदन सिंह फौजदार, रमाकांत शर्मा, अनिल कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

विभिन्न प्रकरणो में सात आरोपी गिरफ्तार

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान व अवैध हथियारो की धरपकड़ अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए नासिरदा थानाधिकारी रोड़ूराम के नेतृत्व मे गठित थाना टीम व जिला स्पेशल टीम की अलग अलग टीमों ने सयुंक्त कार्यवाही करते हुए कस्बा नासिरदा मे दो स्थानो पर रेड के दौरान आरोपियों के कब्जे से करीबन 2 लाख 63 हजार रुपये कीमत की 13.16 ग्राम अवैध स्मैक पाउडर बरामद कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी प्रकार अन्य टीम ने विभिन्न स्थानो पर धारदार हथियार चाकू जैसी वस्तुओं को बरामद कर आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। वही अन्य टीम ने क्षेत्र में अवैध हथकड शराब परिवहन करते हुए आरोपियों के कब्जे से 10 लीटर देशी शराब बरामद किया गया है। इस कार्यवाही पुलिस ने विभिन्न प्रकरणों में आरोपी सुशीला सांसी पत्नी स्व. मंगल सांसी, रामसिंह पुत्र लखमराम मीणा उम्र 50 साल, संजय सिंह पुत्र हिम्मत सिंह सांसी उम्र 37 साल निवासी, आदि अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

खैरथल में सभापति की कुर्सी को लेकर घमासान, पांच दावेदार मैदान में उतरे

सभापति के लिए कांग्रेस का साथ छोड़ भाजपा में शामिल हुए विक्रम सिंह चौधरी ने भाजपा से भरा नामांकन

■ कांग्रेस ने हारे हुए ओमप्रकाश रोघा पर जताया भरोसा, तीन निर्दलीयों समेत पांच प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

खैरथल (निसं)। नगर परिषद खैरथल की राजनीति में तेजी से बदले समीकरणों के बीच नगर परिषद सभापति पद का मुकाबला अब बहुकोणीय हो गया है। सभापति पद के लिए कुल पांच प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। भाजपा की ओर से कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हुए वार्ड 31 के पार्षद विक्रम सिंह चौधरी (विक्की) मैदान में हैं, जबकि कांग्रेस ने हारे हुए ओमप्रकाश रोघा को प्रत्याशी बनाया है। इनके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सर्वेश गुप्ता, सुमित रोघा और नवल सिंह ने भी सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया है।

नामांकन से पहले खैरथल की सियासत में उस समय बड़ा बदलाव आया, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम चौधरी (विक्की) ने 11 पार्षदों के साथ कांग्रेस छोडकर भाजपा का दामन थाम लिया। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के आवास पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव की मौजूदगी में विक्रम चौधरी समेत 11 पार्षद भाजपा में शामिल होने का दावा किया था। इसके बाद खैरथल नगर परिषद में दोनों प्रमुख दलों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं।

भाजपा में शामिल होने के बाद विक्रम चौधरी (विक्की) ने नगर परिषद खैरथल के वार्ड नंबर 31 के पार्षद पद की शपथ भी ग्रहण की। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर रिटर्निंग अधिकारी लाल चन्द के समक्ष शपथ ली। इस दौरान एडवोकेट भानुप्रकाश अग्रवाल सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने सभापति पद के लिए पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद खैरथल कार्यालय पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया।

पत्रकार की वार्ता में कहा कि विक्रम चौधरी के भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने इसे पार्टी के लिए मजबूती बताते हुए कहा कि कम सीटें आना मायने नहीं रखता, बल्कि अंतिम परिणाम हमारे पक्ष में आना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, चमत्कार अभी और होगा, आप देखना, खैरथल के सभापति विक्रम चौधरी होंगे।वहीं, विक्रम चौधरी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में छिपे बैठे हैं गद्दार को नहीं चाहते कांग्रेस का बोर्ड बने। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक बयानबाजी और तीखी हो गई है। विक्रम के आरोपों ने कांग्रेस के भीतर की कथित खींचतान को लेकर चर्चाओं को और हवा दे दी है। सभापति पद के लिए पांच नामांकन दाखिल होने के बाद मुकाबला बहुकोणीय हो गया है। भाजपा ने विक्रम चौधरी पर दांव लगाया है, जबकि कांग्रेस ने हारे हुए ओमप्रकाश रोघा चुनाव मैदान में हैं। तीन निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में होने से चुनावी गणित और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

कालाडेरा में भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया

चौमूं/कालाडेरा (निसं)। कालाडेरा नगरपालिका अध्यक्ष पद के लिए चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। कालाडेरा सहरिया कॉलेज में बनाये गए कक्ष में रिटर्निंग अधिकारी मुक्ता राव सहायक कलेक्टर के समक्ष अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से वार्ड संख्या 20 की पार्षद उर्मिला कुमावत ने नामांकन दाखिल किया, वहीं कांग्रेस की ओर से वार्ड नम्बर 2 की बबीता कुमावत ने अपना नामांकन प्रस्तुत किया। दोनों प्रत्याशियों के नामांकन के बाद नगरपालिका में अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

■ भाजपा से उर्मिला कुमावत, कांग्रेस से बबीता कुमावत ने जताई दावेदारी

कालाडेरा नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की वार्ड नम्बर 20 की पार्षद उर्मिला कुमावत के द्वारा रिटर्निंग अधिकारी मुक्ता राव सहायक कलेक्टर चौमूं के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया।

कालाडेरा नगर पालिका में कुल 20 वार्ड हैं। इनमें भाजपा के 12 पार्षद, कांग्रेस के 7 पार्षद और 1 निर्दलीय पार्षद है। अध्यक्ष पद के चुनाव में पार्षदों के समर्थन को लेकर दोनों प्रमुख दलों की ओर से रणनीति बनाई जा रही है। अध्यक्ष पद के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान दोनों ही पार्टीयो के चुनाव प्रभारी के साथ ही मण्डल अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोटकासिम में भाजपा की रेखा सैनी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

कोटकासिम (निसं)। कोटकासिम नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर बुधवार को भाजपा की रेखा सैनी निर्विरोध निर्वाचित हुईं। अध्यक्ष पद के लिए बुधवार दोपहर 3 बजे तक नामांकन दाखिल करने का समय निर्धारित था। निर्धारित समय तक रेखा सैनी के अलावा किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने रेखा सैनी को निर्विरोध नगर पालिका अध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया। रेखा सैनी नगर पालिका के वार्ड संख्या 10 से भाजपा के टिकट पर पार्षद निर्वाचित हुई थीं। पहली बार गठित हुई इस नगर पालिका में महिला का निर्विरोध अध्यक्ष बनना कस्बे में चर्चा का विषय बना हुआ है।

■ जुलूस में नहीं आई, समर्थकों ने निकाला विजय जुलूस

निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद दोपहर 3 बजे उपखंड कार्यालय से ग्रामीणों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकाला। जुलूस पुराने बस स्टैंड, भूतेश्वर मंदिर, नाईवाड़ा, आजाद चौक, मुख्य बाजार, रामलीला मैदान, तकिया मोहल्ला चौक होते हुए रेखा सैनी के निवास पर पहुंचा। खास बात यह रही कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा सैनी स्वयं विजय जुलूस में शामिल नहीं थीं, उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने ही जुलूस निकाला। नवनिर्वाचित अध्यक्ष के निवास पर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान रामहेत सिंह यादव ने कहा कि यह भाजपा की जीत के साथ ही पूरे कस्बेवासियों की जीत है। नगर पालिका के गठन के बाद पहला बोर्ड भाजपा का बना है, जो विकास का नया अध्याय लिखेगा।

पावटा-प्रागपुरा व विराटनगर में सियासी तस्वीर साफ, अध्यक्ष के लिए नामांकन शुरू

पावटा-प्रागपुरा व विराटनगर पालिका में कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत

पावटा (निसं)। नगरपालिका चुनाव में पार्षदों के परिणाम घोषित होने के बाद अब दोनों नगरपालिकाओं में अध्यक्ष पद को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव परिणाम में कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे बड़े दल के रूप में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। भाजपा के खाते में 16 सीटें आई जबकि 7 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी जीत दर्ज की। परिणाम सामने आने के बाद अब सबसे ज्यादा चर्चा नगरपालिका में बोर्ड गठन और चेयरमैन की कुर्सी को लेकर है। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। पावटा-प्रागपुरा में अध्यक्ष पद के लिए, अंतिम दिन तक भाजपा और कांग्रेस की ओर से एक-एक नामांकन दाखिल किया गया, जबकि विराटनगर में भी भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पेश कर चुनावी मुकाबले को औपचारिक रूप दे दिया। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों के पार्षदों के परिणाम आने के बाद अब अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर तस्वीर सामने आने लगी है। अध्यक्ष पद के नामांकन के अंतिम दिन तक कुल दो आवेदन प्राप्त हुए। कांग्रेस की ओर से वार्ड 40 की मीना देवी पत्नी अजय सैनी ने रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार के समक्ष भाजपा व कांग्रेस पार्षदो ने नामांकन पेश किया। इस दौरान पूर्व विधायक व जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर प्रस्तावक के रूप में उनके साथ मौजूद रहे। कांग्रेस के कई पार्षद और नेता भी नामांकन के दौरान साथ नजर आए। वहीं भाजपा की ओर से वार्ड 18 की मंजू अग्रवाल पत्नी गोपाल अग्रवाल ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने नामांकन संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित समय तक कुल दो आवेदन प्राप्त हुए हैं। अब नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद अध्यक्ष पद के चुनाव की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट होगी।

भाजपा के खाते में 16 सीटें आई जबकि 7 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी जीत दर्ज की।

पर्यावरण एवं ओजोन परत के संरक्षण का दिया संदेश

कोटपूतली(निसं)। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं ओजोन परत के संरक्षण के विषय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग कार्यालय उप वन संरक्षक कोटपूतली-बहरोड एवं जिला पर्यावरण समिति कोटपूतली-बहरोड के संयुक्त तत्वाधान में सरदार राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर, कोटपूतली में किया गया। कार्यक्रम के तहत मुख्य बाजार मार्ग पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरुका ने झंडी दिखाकर किया। इसमें लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके पश्चात सरदार स्कूल के खेल परिसर में 11 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने विद्यार्थियों एवं आमजन को पर्यावरण संरक्षण तथा ओजोन परत के महत्व एवं संरक्षण के उपायों के बारे में जागरुक किया। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री महोदय के वृक्षारोपण महाअभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

सार-समाचार

सभापति पद के लिए भाजपा से कमल सैनी, कांग्रेस से रमेश पायला मैदान में

कोटपूतली(निसं)। नगर परिषद कोटपूतली के सभापति पद को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। बुधवार को नामांकन प्रक्रिया के साथ ही भाजपा और कांग्रेस खेमों ने अपने-अपने प्रत्याशियों के जरिए दावेदारी पेश कर दी। नगर परिषद के 60 वार्डों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण सभापति चुनाव में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उपलब्ध परिणामों के अनुसार 28 निर्दलीय, 19 भाजपा और 13 कांग्रेस प्रत्याशी पार्षद निर्वाचित हुए हैं। वार्ड संख्या 24 से भाजपा पार्षद एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी ने भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष रमेश रावत, मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा नेताओं ने बोर्ड गठन के साथ विकास और जनसेवा को प्राथमिकता देने की बात कही। वहीं कांग्रेस ने रमेश पायला को सभापति पद के लिए अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। उनके नामांकन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर वार्ड संख्या 40 से निर्दलीय पार्षद निर्वाचित पूर्व चेयरमैन महेंद्र कुमार सैनी को लेकर भी चुनावी समीकरणों में चर्चा तेज है। महेंद्र सैनी ने सभापति पद के लिए भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किए थे। भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी रमेश पायला को समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने यह समर्थन निस्वार्थ भाव से देने की बात कही है। वार्ड 40 से महेंद्र कुमार सैनी निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं। कोटपूतली नगर परिषद में 60 वार्ड हैं और सभापति चुनाव के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। भाजपा के 19 और कांग्रेस के 13 पार्षद होने के कारण दोनों दलों को बहुमत के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता होगी। वहीं 28 निर्दलीय पार्षदों का समूह चुनावी समीकरण में महत्वपूर्ण स्थिति में है।

10 नगरीय निकायों में 26 प्रत्याशियों ने 29 नामांकन पत्र दाखिल किए

टोंक(निसं)। नगर निकाय आम चुनाव के तहत जिले की 10 नगरीय निकायों में अध्यक्षीय पद के लिए कुल 26 प्रत्याशियों ने 29 नामांकन पत्र दाखिल किए। सांख्यिकी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार 16 सितंबर को नगर परिषद टोंक से 3 प्रत्याशियों ने 4 नामांकन पत्र, नगर पालिका मालपुरा से 2 प्रत्याशियों ने व निवाई से 4 प्रत्याशियों ने 5 नामांकन पत्र, वही नगर पालिका टोडारायसिंह से 2 प्रत्याशियों ने 3 नामांकन पत्र व देवली से 2 प्रत्याशियों ने तथा उनियारा से 2 प्रत्याशियों ने 3 नामांकन भरा। इसी प्रकार नगर पालिका डिग्गी से 3 प्रत्याशियों ने व लांबाहरिसिंह से 3, पीपलू से 2, और नगर पालिका दूनी से 3 प्रत्याशियों ने 3 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। वही नगर परिषद में मयंक गोयल को कांग्रेस की ओर से चेयरमैन का प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने कांग्रेस के बडे नेताओं और सह प्रभारी सुमित गर्ग के साथ रिटर्निंग अधिकारी सीमा खेतान को नामांकन सौंपा। इस दौरान उनके साथ कई कांग्रेस के पार्षद भी मौजूद रहे। मयंक गोयल उम्र 26 साल जो होटल कारोबारी है। वह पूर्व कांग्रेस के जिला अध्यक्ष स्वर्गीय आत्माराम गोयल के पोते हैं। उनका पायलट से भी अच्छा तालमेल बताया जा रहा है। मयंक गोयल वार्ड 53 से जीत कर आए हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा से प्रहलाद सिंह व निर्दलीय से ओमप्रकाश ने नामांकन पत्र भरा है, आंशका लगायी जा रही है कि यदि कांग्रेस में फूट पडती है तो भाजपा का प्रत्याशी भी चेयरमैन बन सकता है।

चौमूं नगर परिषद के सभापति पद पर भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। चौमूं नगर परिषद के वार्डों के चुनावों में भाजपा ने 30 वार्डों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद बुधवार को चौमूं नगर परिषद के सभापति पद के लिए दोनों प्रत्याशियों ने रिटर्निंग अधिकारी चौमूं उपखण्ड अधिकारी अजीत सिंह राठौड के समक्ष नामांकन पत्र जमा कराये। भाजपा की ओर से वार्ड नम्बर 22 के पार्षद आशीष दुसाद और कांग्रेस की ओर से वार्ड नम्बर 5 की पार्षद रजनी सैनी ने सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया। चौमूं नगर परिषद में भाजपा के चुनाव को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। भाजपा की ओर से वार्ड नम्बर 22 के पार्षद आशीष दुसाद और कांग्रेस की ओर से वार्ड नम्बर 5 की पार्षद रजनी सैनी रही। भाजपा प्रत्याशी आशीष दुसाद वार्ड नम्बर 22 से पार्षद हैं। दुसाद इससे पहले भी चौमूं नगरपालिका के चेयरमैन रह चुके हैं। उनके नामांकन के समय भाजपा ने सभापति पद के लिए अपनी दावेदारी स्पष्ट कर दी है। वहीं कांग्रेस की ओर से वार्ड नम्बर 5 की पार्षद रजनी सैनी ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान पूर्व सभापति और पार्षद विष्णु कुमार सैनी भी मौजूद रहे। दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के नामांकन के बाद अब सभापति पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। अब सभापति पद के चुनाव को लेकर चौमूं में बैठकों और राजनीतिक जोड़-तोड़ का दौर तेज होने की चर्चा है।

गोविंदगढ़ में कांग्रेस का सिंबल निर्वाचन ऑफिस पहुंचा, उम्मीदवार नहीं

अलवर(निसं)। अलवर की गोविंदगढ़ रामबास नगरपालिका में अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ है। वार्ड 15 से पार्षद बनीं मधु गुप्ता ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं इस बीच दोपहर तीन बजे कांग्रेस का सिंबल लेते तो उपखंड ऑफिस पहुंच गया, लेकिन पर्चा भरने के लिए प्रत्याशी और प्रस्तावक मौके पर नहीं थे। मधु गुप्ता को 141 वोट मिले थे। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार रुक्मिना को 58 वोट से हराया था। मधु गुप्ता के पति इंद्रमल चौरपुरिया गोविंदगढ़ कपड़ा व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। गोविंदगढ़ में पहली बार पालिका चुनाव हुए हैं। यहां 25 वार्डों में 12 पर भाजपा, 2 सीट पर कांग्रेस और 11 निर्दलीयों ने जीत हासिल की थी। रिटर्निंग अधिकारी अभिषेक चारण ने बताया- निर्धारित समय सीमा में एक नामांकन मिला है। अंतिम समय में कांग्रेस के प्रतिनिधि सिंबल लेकर आए थे, लेकिन सिंबल का उपयोग तभी होता है जब फॉर्म जमा हो। जिसके बाद सिंबल को लौटा दिया।

गोवंश में बढ़ रही लम्पी रोग की सतर्कता को लेकर हुई संगोष्ठी

निवाई(निसं)। ब्लॉक वेटनरी हेल्थ ऑफिस निवाई में गोवंश में बढ़ रही लम्पी रोग की सतर्कता को लेकर अतिरिक्त निदेशक पशुपालन विभाग अजमेर के डॉ. नवीन परिहार की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पशुपालन विभाग के सभी अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। डॉ. नवीन परिहार ने सभी कार्मिकों को क्षेत्र में गोवंशों में लम्पी रोग का टीकाकरण करने, गौशालाओं का निरंतर निरीक्षण करने, क्षेत्र के बाहर से आ रहे गोवंश की रोकथाम के लिए चेक पोस्ट बनाने हेतु निर्देश दिए, साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर सभी गौ सेवकों एवं गौशाला प्रबंधन की सहायता से ग्राम पंचायत स्तर पर आइसोलेशन केंद्र बनाने हेतु निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार की सभी योजनाओं का पशुपालकों को अधिक से अधिक लाभ मिले। संगोष्ठी के समापन पर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया, इस दौरान रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया। डॉ.शिवराज शर्मा ने बताया कि वर्तमान में निवाई क्षेत्र में लंपी रोग का प्रकोप नहीं है परंतु निकटवर्ती जिलों में रोग का प्रकोप होने के कारण सतर्कता रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्य पूर्ण करने का आव्हान किया। इस अवसर पर डॉ . लक्ष्मण सिंह, डॉ. किशन चावला, डॉ. शिवराज शर्मा, राजाराम खंगार, सज्जन सिंह व रजीराम गुर्जर सहित सभी विभागीय कार्मिक मौजूद थे।

किशनगढ़बास में अध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

किशनगढबास(निसं)। नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए सियासी घमासान अब अपने अंतिम दौर में पहुंच गया है। नामांकन फार्म जमा कराने के अंतिम दिन तक अध्यक्ष पद के लिए कुल तीन नामांकन दाखिल किए गए हैं। निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से वार्ड 22 से निर्विरोध निर्वाचितविक्षसास यादव, कांग्रेस की ओर से वार्ड 17 से जीती हुईभारती और निर्दलीय के रूप में सुल्तान सिंह यादवने नामांकन दाखिल किया है।

रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की मांग

जयपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र, नालों, चारागाह और अन्य सरकारी भूमि से जुड़े कथित अतिक्रमणों की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने की मांग की है।

यादव ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से रामगढ़ बांध के पुनर्जीवन और जल संरक्षण के लिए चलाया जा रहा अभियान जयपुर की जल सुरक्षा और पर्यावरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में यदि किसी संस्था, व्यक्ति या समूह की ओर से सरकारी भूमि, नालों अथवा बहाव क्षेत्र में किए गए कथित अतिक्रमण पुनरुद्धार कार्य में बाधा बन रहे हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

रामगढ़ बांध के कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण और निर्माण को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट पहले भी विभिन्न आदेश जारी कर चुका है। न्यायालय ने कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने और सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। अगस्त 2026 में भी हाईकोर्ट ने रामगढ़ बांध के कैचमेंट क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अतिक्रमणों को लेकर सूची प्रकाशित करने और कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे।

यादव ने एनआईएएसएस संस्थान से जुड़े भूमि और निर्माण संबंधी मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, प्रशासनिक रिकॉर्ड और न्यायालय में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर मामलों की समीक्षा कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

ओजोन परत के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : मुख्य सचिव

'बढ़ते तापमान और शीतलन की बढ़ती जरूरत के बीच तकनीकों एवं प्रणालियों को बढ़ावा देना जरूरी है'

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक कवच है। इसके संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर किए गए प्रयास यह दर्शाते हैं कि विज्ञान आधारित नीतियों, प्रभावी क्रियान्वयन और सामूहिक भागीदारी के माध्यम से बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान संभव है।

उन्होंने कहा कि आज ओजोन संरक्षण को जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखने की आवश्यकता है। बढ़ते तापमान और शीतलन की बढ़ती जरूरत के बीच ऐसी तकनीकों एवं प्रणालियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जो ऊर्जा की बचत के साथ पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालें। पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, उद्योग जगत, तकनीकी विशेषज्ञों और आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों से जोड़कर ही व्यापक बदलाव लाया जा सकता है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास आज बुधवार को सचिवालय में विश्व ओजोन दिवस पर राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी पोस्टर का विमोचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के बाद से ही गंभीर प्रयास जारी है। ओजोन दिवस का संदेश केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आमजन के दैनिक जीवन और व्यवहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

इस अवसर पर मौजूद राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष अर्पणा अरोरा ने कहा कि ओजोन परत का संरक्षण केवल एक वैश्विक पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से सीधे जुड़ा विषय है। वर्तमान में बढ़ते तापमान के कारण शीतलन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

ऐसे में ऊर्जा दक्ष एवं पर्यावरण अनुकूल शीतलन तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता है। अरोरा ने कहा कि राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ जन-जागरूकता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योगों एवं आमजन को पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अरोरा ने कहा कि ओजोन संरक्षण की सफलता हमें यह संदेश देती है कि जब सरकार, उद्योग और समाज एक साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो पर्यावरणीय बदलाव संभव है। पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को सफल बनाने के लिए आमजन की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। ऊर्जा की बचत, ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग, पर्यावरण अनुकूल शीतलन साधनों को प्राथमिकता तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपना कर प्रत्येक नागरिक अपना योगदान दे सकता है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार ने कहा कि ओजोन संरक्षण वैश्विक पर्यावरणीय सहयोग की एक महत्वपूर्ण सफलता का उदाहरण है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और उसके तहत किए गए प्रयासों ने यह साबित किया है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं निरंतर प्रतिबद्धता के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। इस दौरान मैसर्स एसआरएफ लिमिटेड, भिवाड़ी के सहायक उपाध्यक्ष पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मुकेश किरार ने ओजोन परत का संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन में कमी विषय पर ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों के प्रभाव तथा उनके नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल, विष्णु दत्त पुरोहित, मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी शीबा, अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता भुवनेश माथुर सहित मंडल के अन्य अधिकारी, विशेषज्ञ, औद्योगिक प्रतिनिधि एवं प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने ओजोन परत के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने तथा पर्यावरण अनुकूल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर विचार साझा किए।

विश्व ओजोन दिवस पर मुख्य सचिव ने जन जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के बाद से ही गंभीर प्रयास जारी है। ओजोन दिवस का संदेश केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आमजन के दैनिक जीवन और व्यवहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए

सरकार ने जिला प्रमुख पदों पर दिए ओबीसी आरक्षण को सही बताया

जयपुर। प्रदेश में जिला प्रमुख के पदों पर ओबीसी आरक्षण के निर्धारण से जुड़े मामले में राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में जवाब पेश किया गया है। जिसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों और ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रमुख के पदों पर ओबीसी वर्ग को उचित आरक्षण दिया गया है।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने कहा कि ओबीसी आयोग ने डोर-टू-डोर सर्वे और जन आधार के उपलब्ध आंकड़ों का परीक्षण करने के बाद ही ओबीसी आरक्षण की सिफारिश की थी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट की ओर से 50 फीसदी की लिमिट तय होने से एससी, एसटी और ओबीसी को इस तय अनुपात में आरक्षण दिया गया है। एससी और एसटी को मिलाकर 15 सीटें आरक्षित रखी गई है। ऐसे में पचास फीसदी के अंदर सिर्फ पांच सीटें आती है, जिन्हें ओबीसी के लिए आरक्षित रखा गया। केवल ओबीसी जनसंख्या के अनुपात या जिला प्रमुख की सीटें बढ़ने के आधार पर ओबीसी आरक्षण नहीं बढ़ाया जा सकता। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि ओबीसी आयोग की सिफारिश पर यह आरक्षण दिया गया है, लेकिन याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में ओबीसी आयोग को ही पक्षकार नहीं बनाया। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। याचिका में अधिवक्ता आनंद शर्मा ने बताया कि साल 2020 में जिला प्रमुखों के 33 पदों में से ओबीसी के लिए पांच सीटें आरक्षित रखी गई थी। अब जिला प्रमुखों के पद बढ़कर 41 हो गए है। इसके बावजूद ओबीसी वर्ग के लिए पूर्व की तरह पांच सीटें ही आरक्षित रखी गई है। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय 50 फीसदी आरक्षण की संवैधानिक सीमा के भीतर रहते हुए ही जिला प्रमुख पदों पर ओबीसी आरक्षण की नए सिरे से पुनर्गणना की जाए और इस वर्ग को पंचायती राज व्यवस्था में उनका उचित व न्यायसंगत प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'ओबीसी आयोग ने जन आधार के उपलब्ध आंकड़ों का परीक्षण करने के बाद ही ओबीसी आरक्षण की सिफारिश की थी'

किसानों को उनका हक समय पर देना हमारी प्राथमिकता : डॉ. किरोड़ी लाल

जयपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित "अटल भूजल योजना" का क्रियान्वयन राज्य के 17 जिलों में 01 अप्रैल 2020 से किया जा रहा था। योजनान्तर्गत फार्म पौंड, सिंचाई पाइपलाइन, डिग्गी, कृषि यंत्र एवं फसल बदलाव मिनिकिट, फव्वारा, मिनी स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि बनाये गये थे। भारत सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना का क्रियान्वयन नही होने के कारण राज्य के किसानों की 158 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि का भुगतान शेष रह गया था जिसमें से कृषि विभाग की 90.91 करोड़ रुपये तथा उद्यानिकी विभाग 66.16 करोड़ रुपये की राशि शेष रह गयी। राजस्थान सरकार ने केंद्र सरकार से इन लंबित दायित्वों के भुगतान हेतु कई बार गंभीर प्रयास किए। इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, माननीय कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री, राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष, मुख्य सचिव द्वारा जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार से पत्राचार एवं प्रयास किए गए। परंतु राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति योजना देरी से जारी करने एवं केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना का क्रियान्वयन नही किये जाने के कारण अनुदान का भुगतान करने में असमर्थता जताई, ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा उदारता एवं किसानों के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाते हुए इन देनदारियों का भुगतान राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से करने का निर्णय लिया। वित्त विभाग द्वारा अटल भूजल योजना अंतर्गत लंबित देनदारियों को "राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि से भुगतान किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

तीन वर्ष से लंबित अटल भूजल योजना की लंबित 156 करोड़ रूपये की देनदारियों का राज्य के किसानों को भुगतान

रक्तदान शिविर आज

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री राठौड़ ने 17 सितम्बर को प्रदेशभर में रक्तदान शिविरों के आयोजन के संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी किए।

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री राजकुमार पारीक पुत्र श्री रामजीलाल पारीक, निवासी- प्लॉट नं.-1ए, दीप विहार, बिणजारी मार्ग, बेनाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.) - 302012 के पुत्र वैभव पारीक एवं पुत्रवधु श्रीमती टीना पारीक पत्नी वैभव पारीक मेरे अभिभाष्य से पिछले कुछ महिनो से अलग निवास कर रहे है तथा उनका व्यवहार मेरे अभिभाष्य, उसकी पत्नी एवं माता पिता से अच्छा नही होने, शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के कारण तथा मेरे अभिभाष्य एवं उसकी पत्नी व माता पिता को लगातार हैरान व परेशान करने व उनके कहने मे नही होने के कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी स्वअर्जित एवं विरासत मे मिली चल, अचल सम्पति से उन्हे बेदखल कर दिया है उनके द्वारा किये गये किसी भी लेन देन व संव्यवहार की जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नही होगी। सूचित रहे।
(विमल शर्मा राजकुमार गोयल) एडवोकेट्स
मोबाईल : 9829017960, 9829189390

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:3861 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:16.09.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/338 (EWS), (एरिया 52.20 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती कोशल्या देवी पत्नी श्री महादेव सामवती को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2173 दिनांक 31.12.1991 को जारी किया गया। श्रीमती ज्ञानवती सक्सैना पत्नी श्री देवेन्द्र प्रताप सक्सैना के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 33/423 दिनांक 08.05.2002 के द्वारा किया गया। श्रीमती ज्ञानवती सक्सैना के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 24.09.2002 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती ज्ञानवती सक्सैना की मृत्यु दिनांक 25.07.2013 को हो जाने के कारण शपथ पत्र, घोषणा-पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री अशोक सक्सैना पुत्र स्व. श्री देवेन्द्र प्रताप सक्सैना द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री अशोक सक्सैना पुत्र स्व. श्री देवेन्द्र प्रताप सक्सैना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3868 दिनांक :- 16/09/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 71/342 (MIG-B) का आवंटन श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2070 दिनांक 18.03.1999 को जारी किया गया था। उनके पक्ष मे पंजीयन पत्रोनिष्पादन दिनांक 13.08.1999 को उप पंजीयक-सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री प्रेम सिंह द्वारा उक्त आवास को 1. श्री सुनील कुमार चौधरी पुत्र श्री सांवल राम चौधरी एवं 2. श्री विजय कुमार शर्मा पुत्र श्री सुन्दर लाल शर्मा को दिनांक 15.05.2024 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। 1. श्री सुनील कुमार चौधरी एवं 2. श्री विजय कुमार शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री अजय कुमार चौधरी को हो जाने के पश्चात् आदेश क्रमांक 3758 दिनांक 03.09.2024 के द्वारा श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री अजय कुमार चौधरी के पक्ष मे नाम हस्तान्तरण कर दिया गया। श्रीमती गीता देवी द्वारा उक्त आवास को श्रीमती ममता पत्नी श्री सुरेश को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 05.09.2024 को उप पंजीयक-एकादश, जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती ममता पत्नी श्री सुरेश द्वारा आवासन मण्डल मे पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती ममता पत्नी श्री सुरेश का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :-3867 दिनांक :- 16/09/20
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर योजना जयपुर मे मण्डल द्वारा अवाप्त भूमि के बदले मुआवजा स्वरूप 12 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड संख्या 84/एफ क्षेत्रफल 614.00 वर्गमीटर का आवंटन का खातेदार श्री लादूराम पुत्र श्री दामोदर को किया गया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1243 दिनांक 22.12.2005 को जारी किया गया था। तत्पश्चात श्री लादूराम की मृत्यु दिनांक 27.07.2019 को हो जाने के कारण उनके पुत्र 1. श्री धर्मीसिंह मीणा, 2. श्री बिहारी लाल मीणा एवं 3. देवीलाल मीणा पुत्रान् स्व. श्री लादूराम द्वारा आवासन मण्डल मे रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर इस कार्यालय के प्रतिस्थान पत्र क्रमांक 8784 दिनांक 24.12.2019 के द्वारा मण्डल रिकॉर्ड मे इनका नाम दर्ज किया गया। तत्पश्चात पुनः 1. श्री धर्मीसिंह मीणा, 2. श्री बिहारी लाल मीणा एवं 3. देवीलाल मीणा के नाम से नवीनतम आवंटन पत्र क्रमांक 300 दिनांक 05.08.2021 को जारी किया गया जिसको दिनांक 16.08.2021 उप पंजीयक जयपुर (प्रथम) के यहां पंजीकृत करवाया गया। 1. श्री धर्मीसिंह मीणा, 2. श्री बिहारी लाल मीणा एवं 3. देवीलाल मीणा द्वारा उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड का विक्रय श्रीमती मीनू गुप्ता पत्नी श्री अंकित गोयल को दिनांक 26.08.2021 को जरिय विक्रय पत्र को उप पंजीयक (दशम) जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेती श्रीमती मीनू गुप्ता पत्नी श्री अंकित गोयल द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड अपने नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवासीय विकसित भूखण्ड के नाम दर्ज करने बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती मीनू गुप्ता पत्नी श्री अंकित गोयल का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर में एएचपीआई नेशनल लीडरशिप समिट 18 व 19 को

जयपुर। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया यानी एएचपीआई की ओर से 18-19 सितंबर को जयपुर के होटल मैरियट में चौथाएएचपीआई नेशनल लीडरशिप समिट 2026 आयोजित किया जाएगा।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की थीमसस्टेनेबल हेल्थकेयर लीडरशिप:- बैलेंसिंग क्वालिटी, कॉस्ट एंड ट्रस्टरखी गई है। सम्मेलन में देशभर के स्वास्थ्य नीति-निर्माता, अस्पताल प्रमुख, चिकित्सक, नर्सिंग लीडर्स, स्वास्थ्य प्रशासक और उद्योग विशेषज्ञ शामिल होंगे।

सम्मेलन में बढ़ती स्वास्थ्य लागत, कुशल मानव संसाधन की कमी, तेजी से बदलती तकनीक, मरीजों की बढ़ती अपेक्षाओं और स्वास्थ्य संस्थानों के प्रति विश्वास बनाए रखने जैसी प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा होगी।

आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. विकास स्वर्णकार ने कहा कि स्वास्थ्य नेतृत्व केवल संस्थान के विस्तार तक सीमित नहीं रह सकता। गुणवत्तापूर्ण इलाज के साथ उसे वहनीय बनाए रखना और मरीजों का विश्वास कायम रखना भी जरूरी है।

18 सितंबर को उद्घाटन सत्र में नेशनल मेडिकल कमीशन के चेयरमैन डॉ. अभिजात शेठ मुख्य अतिथि होंगे। राजस्थान की प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा, गायत्री राठौड़ विशिष्ट अतिथि होंगी। आईएमए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजस्थान हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. एस.एस. अग्रवाल तथा एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी विशेष अतिथि होंगे।

समिट में ह्यूमन रिसोर्सेज, बिजनेस एवं वैल्यू, सस्टेनेबिलिटी, ऑपरेशनल एफिशिएंसी, डिजिटल लीडरशिप एवं इनोवेशन, मरीजों के विश्वास और करुणा तथा लीडरशिप डेवलपमेंटजैसे विषयों पर सत्र होंगे। डिजिटल हेल्थ सत्र में एबीडीएम, एनएचसीएक्स, इंटरऑपरेबिलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सुरक्षा पर चर्चा होगी।

19 सितंबर को समापन सत्र भारत की दीर्घकालीन स्वास्थ्य दृष्टि पर केंद्रित होगा। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मुख्य अतिथि होंगे, जबकि नीति आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. वी.के. पॉलविजन फॉर विकसित भारत 2047विषय पर संबोधन देंगे। समिट में देश के कई प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ भाग लेंगे। 18 सितंबर की शामएएचपीआई लीडरशिप अवॉर्ड्स 2026और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

सम्मेलन में बढ़ती स्वास्थ्य लागत, कुशल मानव संसाधन की कमी, तेजी से बदलती तकनीक, मरीजों की बढ़ती अपेक्षाओं व संस्थानों के प्रति विश्वास बनाए रखने जैसी चुनौतियों पर चर्चा होगी

"नशा मुक्त पंजाब" यात्रा की तैयारियों में जुटी भाजपा

जयपुर। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने जमीनी स्तर पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पंजाब-हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां पंजाब के लगातार प्रवास पर है। वे अबोहर, फाजिल्का और पठानकोट सहित विभिन्न क्षेत्रों में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आमजन से संवाद कर रहे हैं। उनका फोकस 18 सितंबर से शुरू होने वाली भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' की तैयारियों और इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी जुटाने पर है। भाजपा की ओर से 18 से 30 सितंबर तक पंजाब में चार चरणों में 'नशा मुक्त पंजाब यात्राएं' निकाली जाएंगी। पार्टी के मुताबिक यात्राएं राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों तक पहुंचेंगी और करीब 4 हजार किलोमीटर का सफर तय करेंगी।

यात्रा का पहला चरण 18 सितंबर को पठानकोट जिले के माधोपुर स्थित एकता स्थल से शुरू होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद अन्य तीन यात्राएं फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का और तलवंडी साबो से शुरू होंगी। पंजाब भाजपा के अनुसार अभियान का उद्देश्य नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने और इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना है। पार्टी ने यात्रा के साथ कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाने की बात कही है।

यात्रा के ऐलान के बाद डॉ. सतीश पूनियां पंजाब के अलग-अलग क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय करने में जुटे है। अबोहर और फाजिल्का के बाद पठानकोट क्षेत्र में वे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर यात्रा की तैयारियों का फीडबैक ले रहे हैं। साथ ही आमजन से भी यात्रा में भागीदारी की अपील कर रहे हैं। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों भी संगठनात्मक तैयारियों में जुटे हैं।

18 सितंबर को पठानकोट से राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे यात्रा का शुभारंभ, 30 सितंबर को जालंधर में अमित शाह की जनसभा

तरुण समाज संस्था के अध्यक्ष विश्वम्भर मोदी का निधन

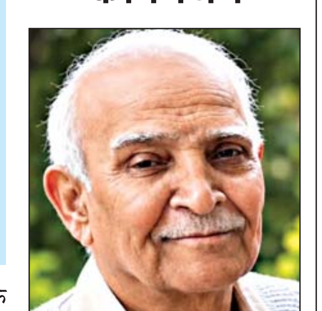

जयपुर। जयपुर के प्रसिद्ध तरुण समाज संस्था के अध्यक्ष और वरिष्ठ सांस्कृतिक व्यक्तित्व विश्वम्भर मोदी का निधन हो चुका है। उनके निधन पर साहित्य, कला और सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें भावभीनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। विश्वम्भर मोदी पिछले 50 से भी अधिक वर्षों से जयपुर में ऐतिहासिक गीत चांदनी और महामूर्ख सम्मेलन जैसे विख्यात आयोजनों का नेतृत्व और संचालन कर रहे थे। उनके द्वारा स्थापित गीत चांदनी मंच राजस्थान के कवियों और साहित्यकारों के लिए एक मील का पत्थर माना जाता है। इस मंच के जरिए उन्होंने राजस्थान के गीत-ऋषि स्वर्गीय डॉ. ताराप्रकाश जोशी और विख्यात कवि स्वर्गीय कल्याण सिंह राजावत जैसी महान विभूतियों की स्मृतियों को हमेशा जीवंत रखा। अंतिम यात्रा आज सुबह 9:30 बजे निवास स्थान 47-48, "अनुकम्पा", शिवाजी नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर से प्रस्थान कर लाल कोठी मोक्षधाम, जयपुर के लिए रवाना होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे
सूचना-शुद्धिपत्र संशोधन पत्र सं. 3
संदर्भ: RFP सूचना सं. NWR/SC/JU/26-27/EPC-II/01 दिनांक 14.08.2026, **कार्य का नाम:** उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेलवे स्टेशन के प्रमुख पुनर्विकास के शेष कार्यों का निष्पादन (इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन – EPC)। उपरोक्त RFP के संबंध में **शुद्धिपत्र संशोधन पत्र सं. 3 जारी किया गया है। उक्त शुद्धिपत्र में मुख्यतः अनुसूची–G के अंतर्गत भुगतान चरण के प्रतिशत भारांक में संशोधन, अनुसूची–Q के अंतर्गत वित्तीय बोली प्रस्तुत करने संबंधी संशोधन/स्पष्टीकरण तथा FOB/एयर कॉनकोर्स गर्डर्स के थर्ड पार्टी निरीक्षण (TPI) संबंधी प्रावधानों का समावेश** किया गया है। विस्तृत शुद्धिपत्र संशोधन पत्र सं. 3 **IREPS वेबसाइट** पर उपलब्ध है। सभी बोलीदाताओं को अपनी बोली प्रस्तुत करने से पूर्व विस्तृत शुद्धिपत्र का अवलोकन करने की सलाह दी जाती है। **मूल निविदा की अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।**
कृते मुख्य अभियंता/निर्माण/मुख्यालय
1341-DO/26 जयपुर

लंपी रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए बैठक आयोजित

जयपुर। प्रदेश में गौवंश में फैल रहे लंपी स्किन डिजीज के प्रभावी नियंत्रण, रोकथाम एवं उपचार के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डर विभागों के बीच बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को सचिवालय स्थित मंथन कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंपी रोग की वर्तमान स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों में की जा रही कार्यवाही, टीकाकरण, उपचार, रोग की निगरानी तथा संक्रमण की रोकथाम के लिए विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पशुपालन विभाग सहित संबंधित स्टेकहोल्डर विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी।

डॉ सुरेश चंद मीना ने कहा कि विभाग द्वारा लंपी रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए फील्ड स्तर पर सतत निगरानी, पशुओं का उपचार, टीकाकरण तथा पशुपालकों को आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में पशुओं के आवागमन को रोकने के लिए चेक पोस्ट की स्थापना और स्थानीय हाट मेलों में पशुओं की उपस्थिति पर प्रतिबंध, मृत पशुओं का सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण, शेड, पानी और चारे की व्यवस्था, वेक्टर कंट्रोल हेतु फॉगिंग की व्यवस्था तथा प्रचार प्रसार आदि के लिए विभिन्न विभागों से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि उपचार एवं नियंत्रण तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी गौवंशों की मृत्यु दर बहुत कम है और रिकवरी दर अच्छी है। हमें अपने प्रयासों से इसे अन्य जिलों में फैलने से रोकना है। बैठक में लंपी रोग के नियंत्रण और रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों के दायित्वों के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई। निराश्रित गौवंश के लिए आइसोलेशन केंद्र की स्थापना और संचालन, शेड, पानी, चारा तथा सफाई, वेक्टर कंट्रोल के लिए फॉगिंग, मृत पशुओं के शवों का सुरक्षित आदि कार्य पंचायतीराज विभाग तथा स्थानीय निकाय के है।

संबंधित विभागों ने लंपी रोग नियंत्रण के लिए संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की

भाजपा की नीति से प्रभावित होकर निर्दलीय पार्षद ग्रहण कर रहे भाजपा की सदस्यता : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर आमजन का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। इसी विश्वास का परिणाम है कि जयपुर सहित प्रदेशभर में जनप्रतिनिधि भाजपा परिवार से जुड़ रहे हैं और पार्टी को अपना समर्थन प्रदान कर रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि राजधानी जयपुर में वार्ड संख्या 108 की निर्दलीय पार्षद संगीता शर्मा मूर्तिकार ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का परिवार निरंतर विस्तार कर रहा है और जनप्रतिनिधियों का पार्टी से जुड़ना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों में विश्वास को दर्शाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में हाल ही में निकाय चुनावों में भी भाजपा को व्यापक समर्थन मिल रहा है। प्रदेश में करीब एक दर्जन नगर पालिकाओं में भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध चेयरमैन निर्वाचित हो रहे हैं। उन्होंने निर्विरोध निर्वाचित सभी चेयरमैन को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

जयपुर की वार्ड 108 की निर्दलीय पार्षद संगीता शर्मा मूर्तिकार ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उन्होंने बताया कि बसेड़ी नगर पालिका से राघवेंद्र सिंह, महवा नगर पालिका से विनीत बंसल, खेड़ली नगर पालिका से पवन जैन चौधरी, खेतड़ी नगर पालिका से गीता सैनी, पहाड़ी नगर पालिका से शिशुपाल शर्मा, गोविन्दगढ़-रामबास नगर पालिका से मधु गुप्ता, कोटकासिम नगर पालिका से रेखा सैनी, उच्चैन नगर पालिका से दलीप सिंह अंबेश चेयरमैन पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

उन्होंने कहा कि नदबई नगर पालिका सहित अन्य नगर निकायों में भी भाजपा के चेयरमैन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। निर्विरोध निर्वाचन स्थानीय स्तर पर भाजपा को मिल रहे समर्थन को दर्शाता है। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित चेयरमैन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विकास और आमजन की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर - 321201
E-mail: info@msbrijuniversity.ac.in
Website www.msbrijuniversity.ac.in
क्रमांकः म.सू.वि./ भर्ती /2026/1047 दिनांक-16/09/26
विज्ञप्ति
शैक्षणिक सत्र 2026 27 हेतु महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में अध्यापन कार्य हेतु वित्त विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी परिपत्रों के क्रम में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत गैस्ट फैकल्टी पूर्णतया अस्थाई को राज्य सरकार के नियमानुसार निर्धारित कालांश आधारित कार्यभार के अनुसार मानदेय के आधार पर आमंत्रित किये जाने हेतु आवेदन आमन्त्रित किय जाते है। विस्तृत सूचना एवं निर्धारित आवेदन पत्र विश्वविद्यालय के वेबपेज www.msbrijuniversity.ac.in पर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क रूपये 500/ की डीडी कुलचिव महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के पक्ष में देय के साथ एवं समस्त आवश्यक दस्तावेज विश्वविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा दिनांक 24.09.2026 तक जमा करायें। टिप्पणी: उक्त पाठ्यक्रमों में राज सरकार उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा जारी नियमों के अनुसार न्यूनतम सेक्शन संरचना के अनुसार संचालित किये जाऐगे।
कुलसचिव

खोया पाया

मेरे प्लाट नम्बर 14 (उत्तरी भाग), योजना गोविन्द एनक्लेव, बड़ारमा कालवाड रोड, जयपुर का मूल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मैसर्स श्री विनायक बिल्डर्स बहक पुष्पा कुमारी दिनांकित 06.03.2025 जयपुर में कहीं खो गया। पुलिस कम्पलेन्ट राजस्थान पुलिस में LR No. 3280407/2026 दिनांक 14.09.2026 को ऑनलाईन कराई गई है। मिलने पर सूचित करें। पुष्पा कुमारी- 9351212500

मेरे मकान संख्या 118/95 मानसरोवर, जयपुर का मूल पजेशन लैटर कही गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें- दिनेश कुमार गोस्वामी- 9928339314

आवास संख्या 10/47 मानसरोवर जयपुर का मूल कार्यालय आदेश गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। लता आडवानी मो. 9413803859

मेरा नेशनल हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड द्वारा जारी किया गया मेरा ओरिजिनल रसीद प्लॉट नंबर 42 (बजरंग विहार, चोमू रोड, जैतपुरा) के लिए थी। जो कहीं खो गई

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मोहिनी सैनी (MOHINI SAINI) पुत्री श्री बाबूलाल सैनी से बदलकर मोहनी (MOHANI) पत्नी श्री सत्यनारायण रख लिया है भविष्य में मुझे मोहनी (MOHANI) के नाम से जाना जावे। पता ढाणी डीडोरिया, मुरलीपुरा स्कीम, विश्वकर्मा इन्ड्रस्ट्रीयल एरिया जयपुर

मैं सीमा निरव शाह पत्नी निरव बी शाह निवासी युनिट नं. एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, पी.एन.सी.9/624 पार्क लेन अपार्टमेन्ट चित्रकूट योजना, अजमेर रोड, जयपुर अपना नाम Vithlani Seema Arvindbhai से बदलकर सीमा नीरव शाह रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैं निरव बी शाह निवासी युनिट नं. एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, पी.एन.सी. 9/624 पार्क लेन अपार्टमेन्ट चित्रकूट योजना, अजमेर रोड, जयपुर अपने पुत्र नाम NABHYA S/O NIRAV BIPINCHANDRASHAH से बदलकर नभ्य नीरव शाह रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैं निरव बी शाह पुत्र बिपिन भाई शाह निवासी युनिट नं. एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, पी.एन.सी. 9/624 पार्क लेन अपार्टमेन्ट चित्रकूट योजना, अजमेर रोड, जयपुर अपना नाम शाह निरव बिपिनचन्द्र से बदलकर निरव बी शाह रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैंने अपना नाम श्री राजेन्द्रनाथ आनंद निगम से बदल कर आनंद निगम पुत्र श्री राजेन्द्र नाथ निगम, रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी मन. 6/191, सेक्टर 6, विधाधर नगर, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मैं जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियन गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूँ। -अनीश भनवाला

भारतीय शूटर, एशियन गेम्स में अपने प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जेम्स रोड्रिगेज

कोलंबिया के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने मंगलवार को 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास की घोषणा कर दी। 35 वर्षीय रोड्रिगेज ने उत्तरी अमेरिका में हुए हालिया फीफा विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं उन पलों को जीने के लिए भाग्यशाली रहा, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी-विश्व कप, गोल और अविस्मरणीय रातें; ऐसी जीत जिन्होंने हमें विश्वास करना सिखाया और ऐसी हार जिन्होंने हमें मजबूत बनाया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत को एशियन गेम्स में सबसे ज्यादा सफलता एथलेटिक्स से मिली है, जिसमें देश के नाम 85 स्वर्ण, 102 रजत और 96 कांस्य सहित सबसे अधिक पदक हैं।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए इंडिया स्कॉड का ऐलान, रोहित, कोहली समेत जडेजा टीम में शामिल

नई दिल्ली, 16 सितंबर। वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए बुधवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली भारतीय सीनियर चयन समिति ने टीम की घोषणा कर दी। वहीं, इंग्लैंड सीरीज के दौरान रोहित के संन्यास को लेकर हुई थी लेकिन वह वनडे स्क्वॉड में हैं।

दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली 27 सितंबर से तिरुवनंतपुरम में तीन शुरू होने वाली वनडे सीरीज में धमाल मजाते हुए नजर आएंगे। शुभमन गिल फिर से भारत की कमान संभालेंगे। आगामी वनडे सीरीज के लिए केएल राहुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह फैसला श्रेयस अय्यर के एशियन गेम्स 2026 में बिजी रहने का कारण लिया गया है। रवींद्र जडेजा की भी वापसी हुई है। आकिब नबी और नमन धीर को पहली पहला वनडे टीम में चुना गया है। ऋषभ पंत को मौका नहीं मिला। बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया स्क्वॉड भी घोषित किया, जिसकी कमान पंत संभालेंगे।

भारत का वनडे स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उपकप्तान/विकेटकीपर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, औकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

भारत का टी20 स्कॉड: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव।

रेस्ट ऑफ इंडिया स्क्वॉड: ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, सरफराज खान (उपकप्तान), स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय, आयुष दोसेजा।

लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना टीम में वापसी, 6 अक्टूबर को होगा विदाई मुकाबला

नई दिल्ली, 16 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के कुछ सप्ताह बाद दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अक्टूबर में होने वाले मैत्री मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने पुष्टि की है कि मेसी को राष्ट्रीय टीम के लिए विदाई मुकाबला खेलने का निमंत्रण दिया गया है। तापिया ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, अपनी टीम के आइकन और कप्तान लियोनेल मेसी को छह अक्टूबर को अर्जेंटीना में अपनी टीम के लिए एक योग्य विदाई के लिए खेलने का निमंत्रण दिया है।

अर्जेंटीना अक्टूबर के अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान तीन घरेलू मैत्री मुकाबले खेलेगा। मेसी के छह अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने की उम्मीद है। इससे पहले अर्जेंटीना 30 सितंबर को कॉर्डोबा में बोलीविया और तीन अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बुर्किना फासो का सामना करेगा। मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। ऐसे में छह अक्टूबर का मुकाबला उनके लिए राष्ट्रीय टीम की जर्सी में विदाई का अवसर बन सकता है। अर्जेंटीना की टीम में लिएंड्रो पेरेदेस, नाहुएल मोलिना और थियागो अल्माडा शामिल नहीं होंगे। विश्व कप फाइनल के बाद स्पेन के खिलाड़ियों के साथ हुए विवाद के चलते तीनों पर लंबा प्रतिबंध लगा हुआ है।

राजस्थान की जूनियर बालिका टीम अपने पहले लीग मैच में उड़ीसा से 2-1 से पराजित

जयपुर, 16 सितंबर। अनंतपुर आंध्र प्रदेश में चल रही जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में आज राजस्थान का पहला लीग मैच उड़ीसा के साथ खेला गया, जिसमें राजस्थान को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। मैच में उड़ीसा की पल्लवी ने 13वें और 48वें मिनट में 2 गोल दागे, जबकि राजस्थान की ओर से साक्षी ने 25वें मिनट में शानदार गोल किया।

मैच में कप्तान प्रतिज्ञा दिव्यांशी और उप कप्तान धन्नू के नेतृत्व में राजस्थान की बेटियों ने जोश के साथ खेल दिखाया। इस पर राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि "हमारी जूनियर बालिका टीम ने अनुभवी उड़ीसा जैसी मजबूत टीम के सामने शानदार खेल दिखाया है। हमें पूरा विश्वास है कि टीम 18 सितम्बर को महाराष्ट्र के खिलाफ होने वाले अगले मैच में जीत दर्ज करेगी। टीम की हेड कोच संगीता दास ने कहा कि टीम अगले मैच के लिए पूरी तरह तैयार है।

क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 16 सितंबर। अंडर-14 मानसून कप में क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.3 ओवर में 164 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कार्तिकेय राठौर ने 50 और राघव शर्मा ने 47 रनों का योगदान दिया। क्रिकेट अकादमी की ओर से आशीष शर्मा ने 5, आयुष शर्मा और सोम सैनी ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट अकादमी 39.5 ओवर में 151 रन पर ऑलआउट हो गई। देव ने 45 और आर्यन चौधरी ने 43 रनों का योगदान दिया। क्रिकेट अकादमी की ओर से रियांशु चौधरी ने 4 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच रियांशु चौधरी को चुना गया।

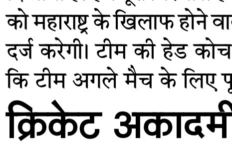

पदक विजेताओं को सीधी एंट्री देगी बीएफआई

नई दिल्ली, 16 सितंबर। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, 2026 एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को कज़ाकिस्तान में होने वाली 2027 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सीधे एंट्री मिलेगी। यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए पहला क्वालिफाइंग इवेंट है।

बीएफआई ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए ज़्यादा से ज़्यादा भारतीय मुक्केबाजों को क्वालिफ़ाई कराने के मकसद से एक व्यापक चयन नीति की घोषणा की है। इस नीति में क्वालिफ़िकेशन के चार चरणों का तरीका बताया गया है।

मैं कोई मशीन या रोबोट नहीं हूं : संजू सैमसन

नई दिल्ली, 16 सितंबर। संजू सैमसन ने कहा कि अपने कैरियर को लेकर बाहरी आवाजों से निपटना उन्होंने सीख लिया है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में शीर्षक्रम के स्थानों को लेकर प्रतिस्पर्धा चुनौतीपूर्ण है और खिलाड़ियों को चयन से जुड़े फैसलों को लेकर सकारात्मक रहना पड़ता है। सैमसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में मंगलवार को 22 गेंद में 57 रन बनाये। भारत ने यह मैच सात विकेट से जीतकर श्रृंखला अपने नाम की। सैमसन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," मैं वाईफाई बंद रखने की कोशिश करता हूं। लेकिन कई बार जब खुल जाता है तो मैं सीनियर खिलाड़ियों के कमेंट देखता हूं। यह सामान्य है। मुझे लगता है कि यह उनकी पसंद है।" उन्होंने कहा ," कई बार यह उनकी सोच होती है। यह उन पर निर्भर करता है। वे सकारात्मक बोल सकते हैं या नकारात्मक। मैं इतना परिपक्व हूं और मुझे अनुभव है कि इससे कैसे निपटना है।" उन्होंने कहा ," पहले पहल यह बुरा लगता है। मैं कोई मशीन नहीं हूं। कोई रोबोट नहीं हूं। इससे फर्क पड़ता है। लेकिन जब आप खुद से बात करने की कोशिश करते हैं और समझते हैं कि आप क्या है और आपको क्या करना है।" सैमसन ने कहा कि भारतीय क्रिकेटरों को लेकर चर्चाओं से बचा नहीं जा सकता लेकिन अपनी सोच को लेकर स्पष्टता जरूरी है।

उन्होंने कहा ," बाहरी आवाजों का असर तो पड़ता ही है। लेकिन आपको इस बारे में स्पष्ट होना चाहिये कि आपकी क्या सोच है। आप कैसे तैयारी करना चाहते हैं और कैसे खेलना चाहते हैं। अगर मैं इन बातों पर ध्यान देने लगूं तो ऐसे बल्लेबाजी नहीं कर सकूंगा।

ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने भारत 'ए' को 30 रन से हराया

नई दिल्ली, 16 सितंबर। निकी प्रसाद का हरफनमौला केटी मैक की नाबाद 83 रन की शानदार पारी के आगे फीका पड़ गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया महिला 'ए' ने मंगलवार को भारत महिला 'ए' को 30 रन से हराकर तीन मैचों की अनौपचारिक टी20 शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। मैक की 83 रन की पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने दो विकेट पर 178 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारत 'ए' की टीम शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने के बाद निकी प्रसाद के संघर्ष के बावजूद सात विकेट पर 148 रन ही बना सकी। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने नौ ओवर के अंदर 54 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

एशियाई खेल 2026: जापान पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच मजूमदार ने जताई उत्सुकता

टोक्यो, 16 सितंबर। हाल ही में टी20 एशिया कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान के लिए जापान पहुंच गई है। गत चैंपियन भारतीय टीम की नजरें हांगझोउ में 2023 में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर हैं। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम बहु-खेल आयोजन के माहौल का अनुभव लेने के लिए उत्साहित है।

जापान पहुंचने के बाद मजूमदार ने कहा, टीम एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित है और बहु-खेल आयोजन के माहौल का आनंद लेने के लिए तैयार है।

मजूमदार अपने सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्यों के साथ सुबह की उड़ान से जापान पहुंचे। क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित टीम की कुछ खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के साथ जापान पहुंचीं, जबकि टीम की बाकी सदस्य दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं। मजूमदार ने कहा कि अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहना, गेम्स विलेज में समय बिताना और बहु-खेल मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के लिए एक अलग अनुभव होगा। उन्होंने कहा, बहु-खेल आयोजन का माहौल ऐसी चीज है, जिसका टीम बेसब्री से इंतजार कर रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी इस अनुभव का भी आनंद लें। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को आवास को लेकर कोई परेशानी नहीं है।

शानदार फॉर्म के साथ उतरेगी भारतीय टीम: भारतीय टीम हाल के मुकाबलों में शानदार फॉर्म में रही है और इस दौरान श्री चरणी ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने टी20 एशिया कप में 12 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। श्री चरणी ने लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 30 मैचों में 50 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया है। एशियाई खेलों में भारत को उनकी फॉर्म से काफी उम्मीदें रहेंगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। यह मैच निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाएगा। एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में केवल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले सीधे क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होंगे। ऐसे में भारतीय टीम के पास शुरुआत में लय हासिल करने के लिए ज्यादा अवसर नहीं होंगे। भारत ने हांगझोउ में 2023 एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था और अब टीम अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

आईपीएल 2027 नीलामी भारत में कराने की तैयारी, गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हुआ फैसला

नई दिल्ली, 16 सितंबर। हाल ही में विदेश में आयोजित होने के बाद, आईपीएल 2027 का खिलाड़ियों का ऑक्शन (नीलामी) फिर से भारत में होने जा रहा है। यह फ़ैसला 15 सितंबर को गवर्निंग काउंसिल की बैठक में लिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह एक मिनी-ऑक्शन होगा, जबकि अगले साल का मेगा ऑक्शन एक बार फिर भारत के बाहर आयोजित किया जा सकता है। यह कदम आईपीएल फ्रेंचाइजी की उन चिंताओं के बाद उठाया गया है, जिनमें उन्होंने अपनी टीमों और डेलिगेशन को एक छोटे ऑक्शन के लिए विदेश भेजने में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों का ज़िक्र किया था। माना जा रहा है कि अबू धाबी में हुए पिछले ऑक्शन के बाद बीसीसीआई ने इन चिंताओं पर ध्यान दिया है। पिछला ऑक्शन 2023 में भारत के कोच्चि में हुआ था। इसके बाद दुबई, जेद्दा और अबू धाबी में यह इवेंट आयोजित किया गया। वहीं, 2027 के ऑक्शन के लिए अभी तक जगह तय नहीं की गई है। सही रहने की जगह का मिलना एक अहम बात होगी, खासकर इसलिए क्योंकि यह इवेंट अक्टूबर और दिसंबर के बीच भारत में शादी-ब्याह के सीज़न के दौरान होने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, फ्रेंचाइजी डेलिगेशन के लिए बीसीसीआई को कुछ रातों के लिए 100 से ज़्यादा कमरों की ज़रूरत होगी। इसलिए, संभावित होस्ट शहरों में फाइव-स्टार होटलों की उपलब्धता जगह तय करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। इस बीच, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि बीसीसीआई ऑक्शन को भारत में आयोजित करने की योजना बना रहा है, लेकिन शादी-ब्याह के व्यस्त समय के दौरान सही जगह खोजने में अब तक दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

धूमल ने कहा कि हम हर साल भारत में ऐसा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन शादियों के भारी सीज़न के कारण हमें वेन्यू नहीं मिल पाता। इसलिए, हम निश्चित रूप से चाहते हैं कि इस साल यह यहीं हो, क्योंकि यह एक छोटा ऑक्शन होगा और उम्मीद है कि हमें वेन्यू मिल जाएगा। धूमल 18 सितंबर को बीसीसीआई की एजीएम के दौरान आईपीएल चेयरमैन के तौर पर फिर से चुने जाने वाले हैं।

आईसीसी रैंकिंग: टी-20 में वरुण पांचवें, बुमराह शीर्ष-10 में पहुंचे, ओली रॉबिन्सन टेस्ट में तीसरे स्थान पर

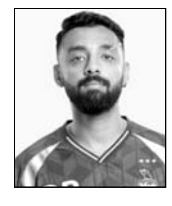

दुबई, 16 सितंबर। अफगानिस्तान के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा भारतीय खिलाड़ियों को ताजा आईसीसी रैंकिंग में मिला है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दो स्थान की छलांग लगाकर पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं।

विश्वकप चैंपियन भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दिल्ली में खेले गए दूसरे मुकाबले के बाद 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज के पहले दो मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद और बल्ले, दोनों से प्रभावी प्रदर्शन किया है।

टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती दो स्थान ऊपर पांचवें, जसप्रीत बुमराह सात स्थान ऊपर 10वें, अर्शदीप सिंह 11 स्थान की छलांग लगाकर 14वें और अक्षर पटेल छह स्थान ऊपर 27वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को भी शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 82 रन की तूफानी पारी खेलने वाले अभिषेक एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा है।

अभिषेक से आगे अब केवल ईशान किशन हैं। दोनों भारतीय बल्लेबाजों के बीच 51 रेटिंग अंकों का अंतर है। वहीं, दूसरे मैच में अर्धशतक लगाने वाले संजू सैमसन चार स्थान ऊपर चढ़कर 30वें पायदान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के लिए भी ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अजमतुल्लाह उमरजई ने प्रगति की है। 26 वर्षीय उमरजई ने सीरीज के पहले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया था।

वनडे रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को फायदा : वनडे रैंकिंग में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 59 रन से मिली जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज नाथन एलिस पांच विकेट लेने के बाद 20 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में 20वें पायदान पर पहुंच गए हैं। मैच में 109 रन की शानदार पारी खेलने वाले मैथ्यू रेनशॉ को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। उन्हें भी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है और वह शीर्ष-100 से बाहर की स्थिति से सीधे 68वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाने वाले कूपर कोनोली नौ स्थान ऊपर चढ़कर 77वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट रैंकिंग में ओली रॉबिन्सन का करियर बेस्ट : टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 21 विकेट लेने के बाद रॉबिन्सन दो स्थान ऊपर चढ़कर टेस्ट गेंदबाजों की सूची में तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के ही जोश टंग ने भी दो स्थान की बढ़त के साथ 11वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में 19 विकेट लिए थे, जो उनकी नई करियर-बेस्ट रैंकिंग है। बर्मिंघम में खेले गए तीसरे टेस्ट में ओली रॉबिन्सन ने अर्धशतक भी लगाया था। इसके बाद वह टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर 13वें पायदान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के लिए टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में कप्तान बाबर आजम दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें और शान मसूद चार स्थान ऊपर चढ़कर 37वें पायदान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता : जयपुर, श्रीगंगानगर, नागौर, उदयपुर जीती

सुशांत बस्नेत, खुषवर्धन सिंह के शतक, सचिन मीणा के पांच विकेट

जयपुर 16 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों में सुशांत बस्नेत, खुषवर्धन सिंह के शतक, सचिन मीणा के पांच विकेट, कुशाग्र उपाध्याय, निधीश राज, राहुल सेवर, शाहिद, हंस चौधरी, मनवीर सरावगी, शादाब, देव कुमार, हर्ष अरोरा, प्रज्ञाम, महेश, धीमान, मोनित भी चमके।

आज के परिणाम

श्रीगंगानगर- झालावाड़ मैच (श्रीगंगागनर जीती), झालावाड़ पारी 172 आल आउट , टीम के लिए शादाब 58 , सर्वहित वर्मा 35 रन, श्रीगंगानगर के गेंदबाज देव कुमार 14 /3 , भव्यजीत 28 / 2 विकेट, श्रीगंगानगर पारी 173 / 1 , टीम के लिए सुशांत बसनेत नाबाद 102 व हर्ष अरोरा नाबाद 54 रन।

जयपुर - सिरोही मैच (जयपुर जीती), सिरोही पारी 121 आल आउट , टीम के लिए आदित्य प्रताप 36 रन। जयपुर के गेंदबाज सचिन मीणा 15 /5 , हंस चौधरी 25 /4, जयपुर पारी 123 /1 , टीम के लिए मानवीर सरावगी नाबाद 66 व बृजेश यादव 43 रन।

उदयपुर - प्रतापगढ़ मैच (उदयपुर जीती), उदयपुर पारी 336 /7 , खुषवर्धन सिंह 101 , प्रज्ञाम बडाला 74 , महेश मीणा 52, प्रतापगढ़ के गेंदबाज प्रताप सिंह , आर्यन पंवार 2 -2 विकेट, प्रतापगढ़ पारी 86 आल आउट , टीम के लिए कीर्तन 31 , कौशांक जोशी 22 रन, उदयपुर के गेंदबाज धीमान कलाल 23 /3 , मोनित मेनारिया 6 /3 , हिमांशु जणवा 11 /2,

नागौर - सवाईमाधोपुर मैच (नागौर जीती), नागौर पारी 112 आल आउट , अर्जुन 42 रन, सवाई माधोपुर के गेंदबाज कुशाग्र उपाध्याय 17 /4 , निधीश राज 37 /3 व एडविक शर्मा 22 /2, सवाईमाधोपुर पारी 64 आल आउट, नागौर के गेंदबाज राहुल सेवर 22 /4 व मो शाहिद 4 /3 विकेट।

महिला प्रीमियर लीग 2027 का शेड्यूल घोषित, 14 जनवरी से शुरू होगा पांचवां सत्र

नई दिल्ली, 16 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के पांचवें सत्र और खिलाड़ी नीलामी से जुड़ी प्रमुख तारीखों की घोषणा कर दी है। आगामी सत्र 14 जनवरी से 07 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा।

महिला क्रिकेट की प्रमुख टी20 लीगों में शामिल डब्ल्यूपीएल ने भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को एक मंच उपलब्ध कराने के साथ उभरती प्रतिभाओं को उच्च स्तर की प्रतियोगिता का अनुभव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नए सत्र की तैयारियों के तहत सबसे पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मौजूदा पांच फ्रेंचाइजी को अपनी टीमों में शामिल खिलाड़ियों को बरकरार रखने का मौका मिलेगा। रिटेंशन की अंतिम तारीख 28 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद टीमों के गठन का अगला चरण खिलाड़ी नीलामी के साथ पूरा होगा। डब्ल्यूपीएल 2027 की खिलाड़ी नीलामी 28 अक्टूबर 2026 को केरल के कोच्चि स्थित ग्रैंड हयात में आयोजित की जाएगी। नीलामी के दौरान पांचों फ्रेंचाइजी आगामी सत्र के लिए अपने मौजूदा दल को मजबूत करने और आवश्यक खिलाड़ियों को शामिल करने की कोशिश करेंगी। रिटेंशन और नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीमें 14 जनवरी से शुरू होने वाले पांचवें सत्र के लिए अंतिम रूप लेंगी। बीसीसीआई के अनुसार, डब्ल्यूपीएल भारतीय महिला क्रिकेट में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटरों के साथ खेलने का अवसर देने वाला प्रमुख मंच बना हुआ है।

एशियाई खेल: स्वर्ण पदक बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी भारतीय महिला कबड्डी टीम

नई दिल्ली, 16 सितंबर। एशियाई खेल-2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। कप्तान पुष्पा राणा और अर्जुन पुरस्कार विजेता पूजा काजला ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारतीय टीम का लक्ष्य शीर्ष स्थान हासिल करना है।

भारतीय 12 सदस्यीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहीं पुष्पा राणा ने कहा कि टीम ने विरोधी टीमों का विश्लेषण करने के साथ अपनी कमजोरियों पर भी काम किया है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास करते हैं। आगामी मुकाबलों के वीडियो का भी विश्लेषण करते हैं। हमारे कोच हमें पिछली गलतियों और उन क्षेत्रों के बारे में बताते हैं, जिनमें सुधार की जरूरत है। अब हम उन्हीं पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारी टीम पूरी तरह तैयार है।

एशियाई खेलों में कबड्डी में भारत का दबदबा रहा है और देश ने इस खेल में अब तक 11 स्वर्ण पदक जीते हैं, जिनमें महिला वर्ग के तीन स्वर्ण शामिल हैं। भारतीय महिला टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों में चीनी ताइपे को फाइनल में 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। पिछले साल नवंबर में भारतीय महिला टीम ने विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। राणा ने कहा कि लगातार खिताब जीतने की उम्मीद उनके लिए दबाव नहीं, बल्कि प्रेरणा है। उन्होंने कहा, जब हमारी सीनियर खिलाड़ियों ने पहले ही अच्छा प्रदर्शन किया है और अपना इतिहास बनाया है, तो अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस लय को बनाए रखें। हम इसे दबाव के रूप में नहीं, बल्कि प्रेरणा के रूप में देखते हैं और इस लय को बरकरार रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जोधपुर की पूजा राठौड़ बनीं भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल रेफरी

जयपुर, 16 सितंबर। बारा खुर्द (जोधपुर) में जन्मी एवं वर्तमान में वरिष्ठ शारीरिक शिक्षिका के पद पर कार्यरत पूजा राठौड़ ने वह कर दिखाया है जो आज तक भारतीय हैंडबॉल इतिहास में कोई नहीं कर पाया। पूजा राठौड़ भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल महासंघ (आईएचएफ) की रेफ़री बन गई। यह गौरव आज तक भारत के किसी भी पुरुष या महिला रेफरी को प्राप्त नहीं हुआ था।

इसी ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत आईएचएफ ने पूजा राठौड़ को 16 से 20 सितंबर तक ग्रेनोलर्स, स्पेन में आयोजित हो रही चौथी आईएचएफ व्हीलचेयर हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप में ऑफिशिएट करने के लिए आधिकारिक नियुक्ति प्रदान की है। वे इस प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप के लिए ग्रेनोलर्स-स्पेन पहुंच चुकी हैं।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की अध्यक्ष अल्का दास गुप्ता ने बताया कि यह उपलब्धि हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की दूरदर्शी सोच, प्रोफेशनल कार्यशैली और पारदर्शी प्रणाली का प्रत्यक्ष प्रमाण है। पिछले कुछ वर्षों में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया ने रेफरी, कोच और खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, वर्कशॉप, फिटनेस टेस्ट और आईएचएफ नियमों पर आधारित प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए हैं, उसी का परिणाम आज इस ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि यह सिर्फ एक रेफरी की नियुक्ति नहीं है, यह भारतीय हैंडबॉल के नए युग की शुरुआत है। हमारा एक ही लक्ष्य है भारतीय हैंडबॉल को विश्व मानचित्र पर स्थापित करना। पूजा राठौड़ का आईएचएफ बैज प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा में काम करने से परिणाम अवश्य आते हैं।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने कहा कि इस सफलता में राजस्थान स्टेट हैंडबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों की भी अहम भूमिका रही है। राजस्थान एसोसिएशन ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को खोजने, उन्हें तराशने और विशेषकर महिला रेफरियों को आगे बढ़ाने के लिए जो निरंतर प्रयास किए हैं, वह पूरे देश के लिए एक मिसाल है। पूजा राठौड़ उसी मेहनत और सिस्टम का परिणाम हैं। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की अध्यक्ष अल्का दास गुप्ता, कार्यकारी निदेशक डॉ. आनंदेश्वर पांडेय, महासचिव डॉ. तेजराज सिंह, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कालाल एवं मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने पूजा राठौड़ को इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं विश्व चैंपियनशिप के लिए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की।

जयपुर जूनियर अंडर-21 टूर्नामेंट (आउट ऑफ हैट)

टीम आरपीसी ने जीता जयपुर जूनियर टूर्नामेंट का पहला मुकाबला

जयपुर, 16 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आउट ऑफ हैट कैटेगरी में जयपुर जूनियर अंडर-21 टूर्नामेंट का बुधवार को आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम आरपीसी और टीम जयगढ़ के बीच खेला गया। इस मैच में टीम आरपीसी 9-3 के स्कोर से टीम जयगढ़ को हराकर विजेता बनी।

विजेता टीम आरपीसी की ओर से रुक्मणी कुमारी और हर्षोदय सिंह ने 3-3 गोल हासिल किया। वहीं, लक्षयराज सिंह राजावत ने 2 गोल और दिव्यमान सिंह दुजोद ने 1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम जयगढ़ के लिए ग्रंथ रोहिल्ला ने 2 गोल और अखिलीज नंदल ने 1 गोल किया। टीम से कुलवर्धन सिंह शेखावत और रुशिल नरूला भी खेले।

18 सितंबर, शुक्रवार को दूसरा मुकाबला : जयपुर जूनियर अंडर-21 टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला शुक्रवार, 18 सितंबर को खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम आमेर और टीम नाहरगढ़ आमने-सामने होंगी।

सऊदी अरब का दावा, मक्का में घुसने से पहले ड्रोन को इन्टरसैप्ट किया

मक्का, 16 सितंबर। सऊदी अरब ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले एक ड्रोन को मार गिराया है। सऊदी सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्क अल-मलिकी ने चेतावनी दी कि मक्का और दोनों पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा उसके लिए रेड लाइन है और किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाही का जवाब दिया जाएगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं और लाल सागर के रणनीतिक इलाकों में अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर ली है। हूती पक्ष ने मक्का को निशाना बनाने के आरोप को खारिज किया है, लेकिन सीमा पार हमलों और सऊदी हवाई कार्रवाही ने पूरे क्षेत्र में तनाव को फिर चरम पर पहुंचा दिया है।

■ दूसरी ओर हूती विद्रोहियों ने मक्का को निशाना बनाने के आरोप को बेबुनियाद बताया

सऊदी सैन्य अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। अल-मलिकी ने कहा कि पवित्र शहर और वहां आने वाले जायरीनों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि सऊदी अरब भविष्य में ऐसे हमलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाही कर सकता है। हालांकि हूती पक्ष ने इस दावे को सीधे खारिज कर दिया। हूती नेता हाजेम अल-असद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मक्का को निशाना बनाए जाने के आरोप को पुराना और बेबुनियाद बताया। ऐसे में ड्रोन की उत्पत्ति और उसके वास्तविक लक्ष्य को लेकर दोनों पक्षों के दावे अलग-अलग हैं। मक्का के पास ड्रोन गिराए जाने की घटना से कुछ ही समय पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने दावा किया था कि सऊदी लड़ाकू विमानों ने यमन के पांच प्रांतों में 52 हवाई हमले किए। उनके मुताबिक, एफ-15 और टाइफून लड़ाकू विमानों ने सऊदी अरब के खमीस मुशैत और ताइफ स्थित हवाई ठिकानों से उड़ान भरकर तैज, अल-जौफ, अल-बायदा, सादा और अमरान में हमले किए। हूती पक्ष ने दावा किया कि इन हमलों में स्कूलों, पुलों, सड़कों और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचों को भी निशाना बनाया गया। सऊदी अधिकारियों ने इन आरोपों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

तीन महीने में पहली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब तीन महीने में पहली बार एक ही मंच पर साथ दिखाई दिए। भूपेश बघेल की जगह राज्य इकाई का प्रभार संभालने के बाद, यह सचिन पायलट का चंडीगढ़ का पहला दौरा था। बघेल को संकट संभालने के लिए पंजाब भेजा गया था, लेकिन स्थानीय स्तर पर उन्हें निष्पक्ष नहीं माना जा रहा था। एकजुटता का यह प्रदर्शन संगरूर जिले के दिर्बा विधानसभा क्षेत्र के निवासी गुलज़ार सिंह की आत्महत्या को लेकर वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के घर तक निकाले गए मार्च के दौरान हुआ। गुलज़ार सिंह ने नशे के मुद्दे को उठाया था और आरोप था कि इसी वजह से उन्हें परेशान किया जा रहा था। कांग्रेस का यह मार्च जब सैक्टर 15 स्थित पंजाब कांग्रेस भवन से चीमा के सरकारी आवास की ओर रवाना हुआ तो कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मार्च में मौजूद थे। ये दोनों भी पार्टी के भीतर गुटबाजी में सक्रिय रहे हैं। मार्च शुरू होने से पहले, मंच पर चन्नी पायलट के दाईं ओर और वड़िंग उनके बाईं ओर बैठे थे। दोनों को एक-दूसरे से बात करते और हाथ मिलाते देखा गया।

अनंत नाग को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

4 सितंबर 1948 को कर्नाटक में जन्मे अनंत नाग ने कन्नड़ फिल्म "संकल्प" से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म "अंकुर" से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। पांच दशक से अधिक के अपने करियर में उन्होंने कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल और मराठी सिनेमा की 300 से अधिक फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। "मालगुडी डेज" उनके चर्चित कामों में शामिल है।

अनंत नाग को अब तक पांच फिल्मफेयर पुरस्कार और पांच कर्नाटक राज्य सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार मिल चुके हैं।

'एआई की विध्वंसकारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद यह आशंका पैदा हुई कि अगर ऐसे एआई सिस्टम बनाए जा सकते हैं, जो मानव आदेश से स्वतंत्र होकर काम करने, किसी अन्य एआई मॉडल की पहचान करने और फिर अपने आप नए एजेंट बनाने तथा उस मॉडल को नष्ट करने में सक्षम हों, तो वे कहीं और भी एआई या कंप्यूटर नेटवर्क के कामकाज में हस्तक्षेप कर सकते हैं।

यह वैसा ही है, जैसे किसी जीव के शरीर में कोई "डिफैक्टिव जीन", जो पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दे और अंततः उसे खत्म कर दे।

उदाहरण के लिए, कोई एआई मॉडल और उसके एजेंट किसी अस्पताल के कंप्यूटर नेटवर्क या किसी एयरलाइन कंपनी के ऑपरेशन सिस्टम पर हमला शुरू कर सकते हैं और ऐसी सुविधाओं को पूरी तरह ठप कर सकते हैं। इसी तरह वे वायरस की तरह फैल सकते हैं और अपने विनाशकारी एजेंटों की संख्या बढ़ाते जा सकते हैं। ये एजेंट आपस में जुड़े पूरे कंप्यूटर तंत्र में बहुत तेजी से फैल सकते हैं। डर इस बात को लेकर था कि खतरनाक मैलवेयर अनियंत्रित रूप से तेजी से फैल सकता है और व्यापक तथा बेकाबू नुकसान पहुंचा सकता है। मसलन, एक ऐसे मैलवेयर एआई सिस्टम की कल्पना की जा सकती है, जो किसी देश के डिफैंस और स्ट्रैटेजिक सिस्टम में घुस जाए और एक ऐसा चेन रिएक्शन शुरु कर दे, जिससे विनाशकारी हरकत पैदा हो और जिसे नियंत्रित करना संभव न हो।

इस विवाद के अचानक उठने से पूरी एआई कम्युनिटी और इन डैवलपमैंटस को आगे बढ़ाने वाली कंपनियाँ एक तरह से हिल गई हैं। इन मॉडलों के निर्माताओं को खुद भी एआई के ऐसे "फ्रैंकनस्टीन" जैसे डैवलपमैंट्स और पूरे तंत्र में उनके अनियंत्रित फैलाव से डर लगने लगा है।

अब कंपनियां खुद यह महसूस कर रही हैं कि जो कुछ हो सकता है, उसका असर खुद उन्हें भी नुकसान पहुँचा सकता है। इसलिए वे अपने क्रिएशन्स और काम के ऐसे खतरनाक पहलुओं को कंट्रोल करने और उनके फैलाव को रोकने के लिए एआई सिस्टम के आस-पास "गार्ड रेल्स" (सुरक्षा उपाय) लगाने की बात कर रही हैं।

एआई मॉडलों और उत्पादों के डैवलपमैंट्स की रफ्तार और उनके आसपास जरूरी सुरक्षा उपायों के बीच कुछ नियंत्रण और संतुलन होना जरूरी है। ऑल्टमैन अब कह रहे हैं कि भले ही एआई के प्रभावों को लेकर डरने के वास्तविक कारण हैं, लेकिन इसमें कुछ ऐसे "बिल्ट इन" ब्रेक्स भी हैं, जो सुधारात्मक कदम उठाने में मदद कर सकते हैं। फिर भी, उद्योग के कुछ अन्य नेता सरकारी रैगुलेशन्स के बजाय, उद्योग स्तर के नियमों की बात कर रहे हैं। यह विवाद अभी भी जारी है।

पंचायती राज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होगी। इससे पहले, जिला परिषद के जिला प्रमुख पदों के आरक्षण का निर्धारण/लॉटरी 13 अगस्त 2026 को पूरा किया जा चुका है। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथियों पर आरक्षण एवं लॉटरी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

"वर्कर्स सैस" और उससे अव्यवहारिक जुड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहना है कि भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (रोजगार एवं सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम,1996 व उससे संबंधित अन्य नियमों में संयुक्त श्रम आयुक्त को बिल्डरों पर निर्माण कार्य में आने वाले पूरे खर्च का एक प्रतिशत सैस के तौर पर आंकलन कर श्रमिकों के कल्याण के लिए वसूलना होता है। यह राशि श्रमिकों के कल्याण के लिए बनाए गये वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में जमा की जाती है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया है कि श्रम विभाग को अपने स्तर पर ही प्रदेश में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का आंकलन कर निर्माण कार्यों के कुल खर्च और उसका एक प्रतिशत सैस वसूलना होता है। परंतु श्रम विभाग ने ही कई वर्षों तक प्रदेश में चल रहे निर्माण कार्यों की सूची बनाकर आकलन नहीं किया है। इन 27 याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया है कि उनके द्वारा कई तरह के निर्माण कार्य वर्ष 2011 से ही शुरू कर दिये गये थे और इनमें से कई निर्माण कार्य कई वर्ष पूर्व ही पूर्ण कर लिये गये थे, परंतु श्रम विभाग की ओर से इन कार्यों के आंकलन के लिए नोटिस 2021 से लेकर 2023 के बीच दिया गया। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि जयपुर में कार्यरत संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त ने प्रोजेक्ट का एसेसमेंट 2021 में किया और वर्ष 2023 में सैस और पेनल्टी घोषित कर दी। याचिकाकर्ताओं कि ओर से कहा गया कि आयुक्त ने पूर्वव्यापी रूप से पेनल्टी घोषित करी जो कि नियम कायदों और संविधान के विरूद्ध है।

अदालत ने इस मामले की पेचीदगी को ध्यान में रखते हुए एक मामले का उदाहरण लिया, जिसमें संयुक्त संभागीय श्रम आयुक्त ने बिल्डर के "कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट" का एसेसमेंट वर्ष 2021 में किया और पेनल्टी और सैस वसूलने का नोटिस वर्ष 2023 में जारी किया, परंतु आदेश में यह भी कहा कि पेनल्टी वर्ष 2011 से वसूली जायेगी। इस उदाहरण में मैसर्स रीदिराज बिल्डर्स को निर्माण कार्य में 3 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत आई थी, जिससे आंकलन किया जा सकता है कि वर्कर्स सैस की रकम लगभग 3.5लाख रुपये होगी। परंतु आयुक्त द्वारा इस बिल्डर से निर्माण कार्य शुरू होने के वर्ष, जो 2011 था, से प्रतिवर्ष 24 प्रतिशत की पेनल्टी वसूलने के आदेश भी पारित किये गये।

इस उदाहरण का विवरण देते हुए याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि यह पेनल्टी लगाने से पूर्व आयुक्त ने न तो उन्हें सुनने का कोई अवसर दिया और एकतरफा कार्रवाई करते हुए पेनल्टी लगाई। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस मामले में नियम अनुसार उपयुक्त अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने से पूर्व उन्हें सैस की रकम और पेनल्टी जमा करनी होगी जो कि असंवेधानिक है, क्योंकि अधिनियम श्रमिकों के कल्याण को मद्देनज़र रखते हुये बनाया गया है। इसका उद्देश्य बिल्डरों का शोषण करना नहीं है। अदालत ने इस तर्क को माना और कहा कि अधिनियम भारत में निर्माण कार्य से जुड़े 85 लाख मजदूरों के कल्याण को देखते हुए बनाये गये हैं और विभाग को इनके कल्याण के लिए तत्पर रहना चाहिए। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार व विभाग या अधिकारी ऐसी शर्तें बिल्डरों के समक्ष नहीं लगा सकते, जिससे उनके लिए अपील दायर करना अव्यवहारिक न हो जाये या जिससे श्रमिकों का कल्याण ना जुड़ा हो। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता उपयुक्त अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष 4 हफ्तों में अपील दायर कर सकते हैं और इस अपील को सुनने के लिए उन्हें पहले ही सैस और पेनल्टी की राशि जमा नहीं करवानी होगी।

ब्रिक्स की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने वाले ब्रिक्स की तुलना में कारोबार की लागत कम करने वाला ब्रिक्स कहीं ज्यादा असरदार साबित हो सकता है।

भारत ने इसे राजनीतिक गति प्रदान की है। अब उसे क्रियान्वयन में अनुशासन लाने में भी मदद करनी होगी। इस शिखर सम्मेलन की कामयाबी का असली पैमाना साझा बयानों में नहीं, बल्कि फैक्टरी के कामकाज, एक्सपोर्ट ऑर्डर, स्टार्टअप साझेदारियों, सस्ते कर्ज और तेजी से होने वाले पेमैंट में दिखेगा।

ब्रिक्स के लिए, अगले शिखर सम्मेलन में संभावनाओं की घोषणा करने के बजाय, नतीज़ों की रिपोर्ट देने पर ज्यादा जोर होना चाहिए।

उज्जैन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मौके पर पुलिस और प्रशासन का अमला भी तैनात रहा। इस दौरान संतों ने श्रद्धालुओं को खड़े हनुमान जी को उसी स्थान पर स्थापित रखने के लिए संकल्प दिलाया। मंच से संतों ने कहा कि इसके लिए वे अपने प्राण न्योछावर करने को तैयार हैं और जरूरत पड़ी तो पसीने के साथ खून भी बहाएंगे।

'सिविल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं करने पर कार्मिक सचिव को हाजिर होने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने अधिकरण में 2 सदस्यों की नियुक्ति कर दी थी, लेकिन अध्यक्ष पद पर नियुक्ति होना बाकी है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों की सुनवाई के लिए अधिकरण का गठन किया गया है। बीते करीब चार माह से अध्यक्ष का पद खाली है।

अमित शाह का दावा पूरा करना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी जैसे सहयोगी लंबे समय से यूसीसी का विरोध करते आ रहे हैं। उनका तर्क है कि इससे स्थानीयि आदिवासी रीतिरिवाजों, मातृसत्तात्मक परंपराओं और अल्पसंख्यकों तथा आदिवासियों के अधिकारों से सम्बंधित संवैधानिक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। ये सहयोगी सांस्कृतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देते हैं और उन्हें डर है कि एक समान कानून क्षेत्रीय विशिष्टता को खत्म कर सकता है।

अगले आम चुनाव में तीन साल बाकी हैं। ऐसे में अमित शाह ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के मुख्य एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए यूसीसी का मुद्दा उठाया है। एक ही राष्ट्रीय कानून बनाने के बजाय, समवर्ती सूची के माध्यम से यूसीसी को आगे बढ़ाकर, पार्टी केन्द्र में गठबंधन के समीकरणों और खासकर आदिवासी समुदायों के रीति रिवाजों में क्षेत्रीय अंतर से जुड़ी जटिलताओं से बचती है।

यह घोषणा पार्टी के समर्थकों को यह संदेश भी देती है कि विभिन्न दलों वाले एनडीए में शामिल होने के बावजूद, वैचारिक प्राथमिकताएं बरकरार हैं। यूसीसी से असहमत दलों पर एनडीए धीरे-धीरे दबाव बना रहा है, अन्यथा ऐसे दल 2029 के चुनावों से पहले अलग-थलग पड़ सकते हैं।

■ अतः 2029 के चुनाव से पूर्व सभी एनडीए सरकारों का विधेयक पारित करने के लिए भारी रफ्तार से इस मुद्दे पर काम करना जरूरी है। अन्यथा शाह की धारणा केवल महत्वकांक्षा ही रह जाएगी।

जमीनी स्तर पर प्रगति असमान बनी हुई है। उत्तराखंड एकमात्र ऐसा राज्य है जहां यूसीसी पूरी तरह लागू है। राज्य विधानसभा ने फरवरी 2024 में विधेयक पारित किया था, राष्ट्रपति ने मार्च 2024 में इसे मंजूरी दी और जनवरी 2025 में संहिता लागू हो गई। गुजरात (मार्च 2026), असम (मई 2026) और मध्य प्रदेश (जुलाई 2026) ने विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, लिव-इन संबंधों और बहुविवाह पर रोक से संबंधित समान कानून पारित किए हैं। इनमें आम तौर पर अनुसूचित जनजातियों को छूट दी गई है। इन तीनों विधेयकों को अभी राष्ट्रपति की मंजूरी और औपचारिक अधिसूचना का इंतजार है। इस तरह अभी तक केवल एक राज्य को ही राष्ट्रपति की मंजूरी मिली है और वहां संहिता लागू हो चुकी है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान ने ड्राफ्ट तैयार करने के लिए समितियां बना दी हैं तथा इस प्रकार प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

इसलिए 2029 के लिए शाह का लक्ष्य एनडीए के बाकी राज्यों में नए कानून बनाने के साथ-साथ, राष्ट्रपति की मंजूरियों की प्रक्रिया तेज होने पर निर्भर करता है। देखना यह है कि सहयोगी दल इस प्रक्रिया के साथ आते हैं या नहीं, तथा अलग-अलग राज्यों की विविध परिस्थितियों के बावजूद यह प्रक्रिया वास्तव में एक समान परिणाम देने में सफल होती है या नहीं। इसके बाद ही यह तय हो सकेगा कि यह समयसीमा राजनीतिक हकीकत बनती है या केवल एक इच्छा या बयानबाजी बनकर रह जाती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908